Vol.23, Issue 3 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

जनवरी 2024

रोटरी समाचार

भारत
www.rotarynewsonline.org

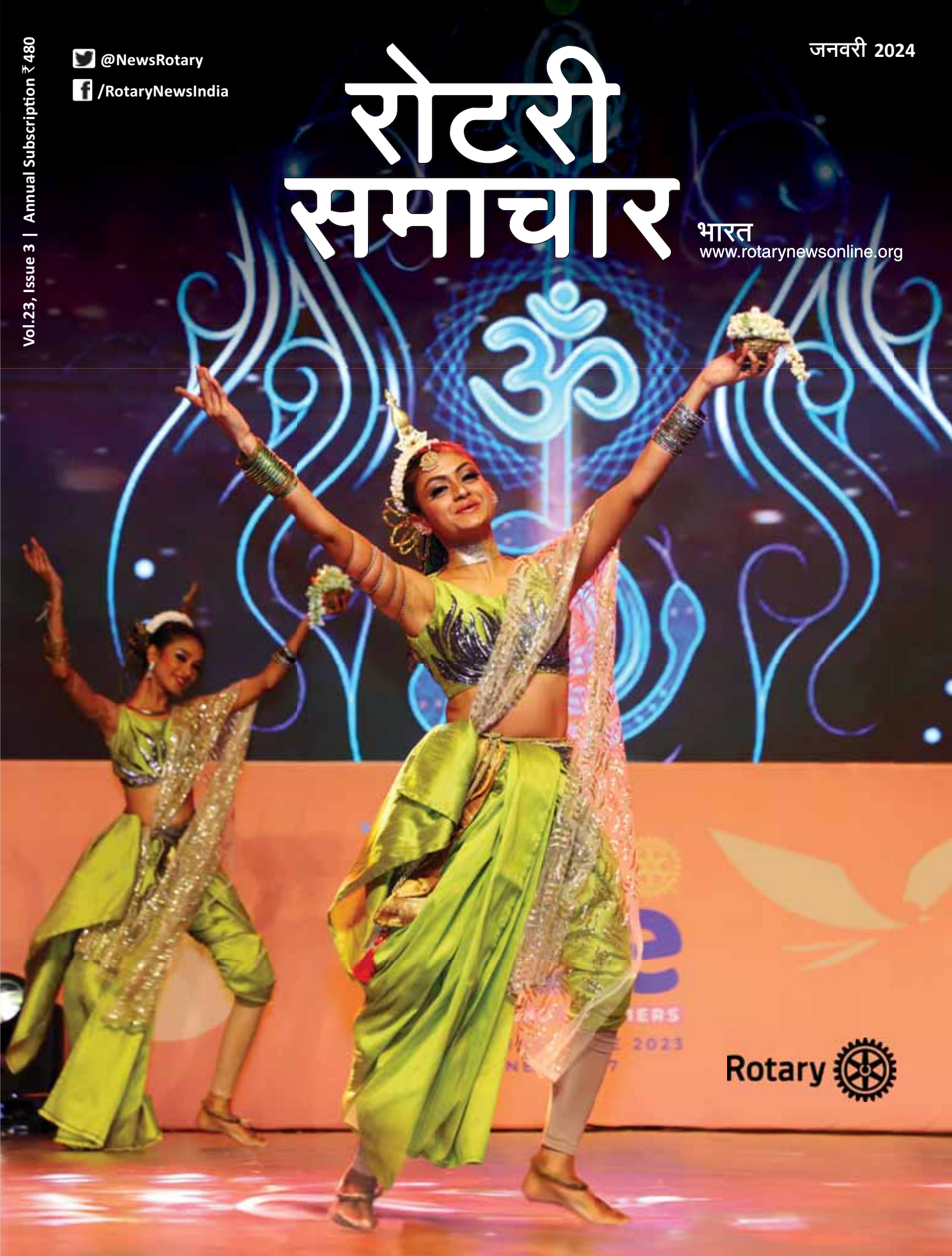

ADVT.

So Far 32 Batches Completed...

993 Certified... 168 Starters...& Counting...

Rotary Club of VIRUDHUNAGAR | PG | IDHAYAM SAY IDHAYAM • SPELL HEALTH

Joint Initiative

RYLA

Be an Entrepreneur

FLY TO SINGAPORE*

BECOME AN ENTREPRENEUR

IN 3500 MINUTES

ROTRACTORS | 3rd / 4th YEAR UG STUDENTS | 1st / 2nd YEAR PG STUDENTS
Course Completed **GRADUATES & POST GRADUATES** between the age of 18 and 28

STOP WORRYING ABOUT JOB(S); **START PRODUCING JOB(S);**

Your Takeaways...

- **12** DEVELOP YOUR BUSINESS in 12 EASY STEPS
- **12** PROCURE YOUR INVESTMENTS in 12 DIFFERENT SOURCES
- **20** CREATE VISIBILITY to YOUR BIZ using 20 MARKETING TOOLS
- **06** CLOSE SALES DEALS in 06 EASY STEPS
- **05** FINE TUNE YOUR MOST IMPORTANT 05 SKILLS for an ENTREPRENEUR

UPCOMING BATCH DATES

ONLY 32 SEATS PER BATCH

33.0 : 19th, 20th & 21st JAN 2024
34.0 : 16th, 17th & 18th FEB 2024
35.0 : 15th, 16th & 17th MAR 2024
36.0 : 19th, 20th & 21st APR 2024

- FREE SINGAPORE TRIP*
- BUSINESS PLAN
- 200+ PAGES E-BOOK
- INVESTMENT SUPPORT*
- FREE ONLINE SESSIONS

ENROLL TODAY

Win a Surprise...

VENUE
Hotel St.Antony's Residency
Sipcot Industrial Growth Center
Gangaikondan, Tirunelveli

INVESTMENT
Rs.2500 Only
(Incl. Accommodation / Food / T-Shirt / Certification / E-Book / CREA Programs)
*Terms & Conditions Apply

CONTACT
94431 66650
94433 67248

Powered by K.V. Ramaswamy MEMORIAL TRUST
Srinidhi Building Sustainable Relationship

विषयसूची

20
दुनिया की नज़र तेजी से प्रगति कर रहे भारत पर है: विदेश मंत्री जयशंकर

28
गाज़ा में रोटरी की प्रत्यक्ष अनुपस्थिति का कारण

32
निरंतरता और टीम वर्क समय की मांग

36
टीआरएफ दानकर्ताओं ने भारत को गौरवान्वित किया

42
रोटरी के दिग्गजों का सम्मान

44
जेननेक्स्ट के लिए रोटरी की ब्रांडिंग

46
आगामी नेतृत्वकर्ताओं के लिए सफलता के मंत्र

50
रोटरी क्लब ठाणे हिल्स द्वारा मुंबई में ऑटिज़्म केंद्र का निर्माण

56
8-साल की भारतीय पर्वतारोही ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

58
रोटरी क्लब जयपुर गुरुकुल महिला स्वास्थ्य परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करता है

64
स्वस्थ दीर्घायु के लिए मंत्र

67
प्रोजेक्ट अस्मिता के माध्यम से 1 लाख से अधिक लड़कियों को सशक्त बनाया गया

68
2024 में हरित योद्धा बनें

आपके पत्र

कहानी के साथ अच्छी कवर फोटो

मैं दिसंबर अंक की कवर फोटो से बहुत खुश हुआ। संपादक द्वारा *केजीएफ में बेंगलुरु के रोटेरियन जहर से फल पैदा करते है* की कवर स्टोरी आकर्षक है क्योंकि यह रोटेरियनों, विशेष रूप से रविशंकर डाकोजू, की जहरीले साइनाइड के मैदानों को हरे-भरे बगीचों में परिवर्तित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली शेल्टरबॉक्स के सीईओ के शब्दों को उद्धृत करते हुए इस बात की पुष्टि करते हैं कि आपदाएं प्राकृतिक नहीं बल्कि मानव निर्मित होती हैं और मानवीय प्रयासों से भविष्य में उन्हें कैसे कम किया जा सकता है। रोटरी के निदेशक राजू सुब्रमण्यन हमें उन लोगों की मदद करने की आवश्यकता की याद दिलाते हैं जिन्हें स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता है।

संपादक के संदेश में हार में अनुग्रह दिखाने एवं दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में खेल भावना का प्रदर्शन करने की आवश्यकता पर सही जोर दिया गया है।

पीआरआईपी राजेंद्र साबू द्वारा लिखित शोक संदेश *रोटरी ने दो पूर्व अध्यक्ष खो दिए* में दोनों रोटरी नेताओं की सेवाओं को अच्छी तरह से याद किया गया है। पीडीजी मधुरा छत्रपति का निधन रोटरी जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।

फिलिप मुलाप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

अंग्रेजों ने केजीएफ खदानों से कई टन सोना निकाल लिया और अपने पीछे जहरीले साइनाइड के पहाड़ छोड़ गए। पूर्व उप वन संरक्षक श्रीनिवास राव के मार्गदर्शन में दाकोजू ने गड्ढे खुदवाए, उनमें खाद डाली गई और पेड़ और घास लगाई गई। अब, पक्षी और जानवर इस इलाके का दौरा करते हैं और केजीएफ निवासी धूल एवं जहर मुक्त हवा में सांस लेने के साथ हरियाली का आनंद ले

दिलचस्प, व्यावहारिक संपादकीय

दिसंबर के संपादकीय में, रशीदा भगत ने क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में दर्शकों के बीच खेल भावना की कमी के बारे में बात की और आश्चर्य व्यक्त किया, 'क्या ऐसा व्यव्हार सभी के लिए उचित है?' लेख *टीम इंडिया हम सभी को क्या सिखा सकती है* में, लेखक ने बताया कि कैसे तेज गेंदबाज शमी और सिराज की चौतरफा प्रशंसा हुई। जैसा कि उनका सुझाव है, भारत को राष्ट्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ होने के साथ-साथ मानवता के एक अलग खेल में इस डीएनए को दोहराना चाहिए।

के एम के मूर्ती
रोटरी क्लब सिकंदराबाद - मंडल 3150

रशीदा भगत के *रोटरी न्यूज* के संपादक के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से मैं पत्रिका के संपादकीय का एक लालायित पाठक हूं। उनकी भाषा आकर्षक और समझने में आसान है। मुझे हाल ही में पता चला कि उन्हें *इंडियन एक्सप्रेस* और *द हिंदू बिजनेस लाइन* जैसे प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्रों में एक पत्रकार के रूप में 45 साल का अनुभव है।

नवंबर के संपादकीय में उन्होंने दो प्रख्यात वैज्ञानिकों - वाई नयुडुम्मा और एम एस स्वामीनाथन - का जिक्र किया जिनका हाल ही में निधन हुआ था। वह एक शानदार वैज्ञानिक होने के अलावा सादगी, विनम्रता, मिलनसारिता और सौम्यता के प्रतीक थे। कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना उनके सबसे बड़े जुनूनों में से एक था।

राज कुमार कपूर
रोटरी क्लब रूपनगर
मंडल 3080

संपादकीय एक *हृदयविदारक पराजय* अच्छी तरह से लिखा गया और पढ़ने लायक है। हमारे प्रधानमंत्री ने खुद उनके ड्रेसिंग रूम का दौरा किया और विश्व कप के दौरान उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की।

दर्शकों की प्रतिक्रिया की बात करें तो, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्व कप में प्रोत्साहन और प्रेरणा की भावना गायब थी, न केवल फाइनल

आपके पत्र

सकते हैं। यह परिवर्तन वाकई में कल्पना से परे है।

वी आर टी दोराईराजा
रोटरी कल्ब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

दिसंबर का अंक विचारोत्तेजक लेखों और पूरे भारत में रोटेरियनों द्वारा की जा रही महान समाज सेवा के वृत्तांतों द्वारा अच्छी तरह संतुलित है। मुझे *केजीएफ में बेंगलुरु के रोटेरियन जहर से फल पैदा करते है,* और पुणे में छात्रों का सशक्तिकरण, साइबर अपराध, तस्करी की शिकार महिलाओं को कुशल बनाना और स्वास्थ्य कॉलम पसंद आए। हमेशा की तरह, श्रीनिवास राघवन का एलबीडब्ल्यू कॉलम पढ़ने लायक था!

प्रमोद बेरी
रोटरी क्लब कोल्हापुर - मंडल 3170

मेरे हाथ में दिसंबर का अंक है और केजीएफ की कवर स्टोरी बहुत ही शानदार है। रोटेरियन रविशंकर डाकोजू और उनकी टीम ने दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने के लिए स्वयं से परे देखा। 1970 के दशक के एक भूविज्ञानी के रूप में, मैं हमेशा सोचता था कि कोलार का भविष्य क्या होगा, लेकिन डाकोजू और उनकी टीम ने आशा की एक किरण जगाई है, और उनकी सफलता को देखना आश्चर्यजनक है। उनकी टीम को शुभकामनाएं।

सिद्दुराम एल एस
रोटरी कल्ब मेट्टुपलायम - मंडल 3203

रविशंकर डाकोजू और नील माइकल की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं जो साइनाइड के मैदानों को हरा-भरा बनाने और साइनाइड की धूल को हवा को प्रदूषित करने से रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

मैं उनसे बेथामंगलम जलाशय का कायाकल्प करने का भी अनुरोध करता हूं जो केजीएफ को पानी की आपूर्ति करता था। पलार नदी द्वारा पोषित जलाशय सूख गया है। केजीएफ के 3 लाख निवासी कई वर्षों से पानी खरीद रहे हैं।

एच आर सीताराम
रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर - मंडल 3192

मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब अपनी पत्नी, दादी और चाचा को पत्रिका देता हूं, और उन्हें भी भी यह पसंद आती हैं। यहां तक कि जो क्लब बड़ी परियोजनाएं नहीं कर सकते हैं, उन्हें रोटरी न्यूज द्वारा कवर की गई परियोजनाओं को पढ़ने/चर्चा करने के लिए कम से कम एक बैठक रखनी चाहिए, ताकि उनके सदस्यों को पता चल सके कि अन्य क्लब क्या कर रहे हैं।

प्रशांत मेहता
रोटरी क्लब कोल्हापुर हेरिटेज
मंडल 3170

वी मुत्तुकुमारन द्वारा लिखित *कला के माध्यम से दुनिया को एकजुट करना* चंडीगढ़ में कला उत्सव के विवरण के साथ अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया लेख है। भारतीय विद्या भवन, बेंगलुरु, इंफोसिस फाउंडेशन और रोटरी क्लब चंडीगढ़ बधाई के पात्र हैं।

एम पालनीअप्पन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट
मंडल 3000

साइबर अपराध लेख में यह सही बताया गया है कि लोग मोबाइल फोन के आदी हो गए हैं, जिससे निर्दोष लोगों को लक्षित करने वाले साइबर अपराध आम हो गए हैं।

एस मोहन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट
मंडल 3000

में बल्कि अन्य सभी मैचों में भी। उम्मीद करते हैं कि हम भविष्य में एक बेहतर खेल भावना विकसित करेंगे।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब बैंगलोर जे पी नगर
मंडल 3191

विविध कवरेज

दिसंबर अंक में कई अच्छी परियोजनाओं का संग्रह है। शुरुआत इस गर्व की अनुभूति से हुई कि एक रोटेरियन COP28 बैठक में भाग लेगा, इसके बाद रविशंकर डाकोजू की केजीएफ परियोजना, पूर्व पीडीजी मधुरा छत्रपति के बारे में जानकारी, तस्करी की शिकार महिलाओं का कौशल विकास, मोक्ष धाम और जैव विविधता (रोटरी क्लब नीलगिरिस) और सिनेमा ऑन व्हील्स से लेकर रोटरी क्लब चंडीगढ़ की परियोजनाएं, सभी बढ़िया लेख है।

कवर पर: **बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट में एक नृत्य प्रदर्शन।**
चित्र: **हेमन्त कुमार**

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए। आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए। WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

चित्र: मोनिका लोज़िन्स्का

रास्ता रोशन करें

इस तरह के कठिन समय में युद्ध और विनाश से होने वाली तबाही और जीवन के नुकसान को देखकर दिल टूटने से बचाना असंभव है।

रोटरी हमेशा से शांतिपूर्ण समाधान खोजने के बजाए आम जनता को नुकसान पहुंचाने, विस्थापित करने और सशस्त्र आक्रामकता का उपयोग करने के खिलाफ रहा है। हम अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन और उसका सम्मान करते हैं। हम खराब से खराब समय में भी शांति की रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने हेतु कार्य करने में विश्वास रखते हैं।

लेकिन हम एक अंतर्राष्ट्रीय, गैर-राजनीतिक, गैर-धार्मिक संगठन के रूप में हमारी स्थिति को गंभीरता से लेते हैं। हमारे 1.4 मिलियन सदस्यों के वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभवों का सम्मान करने और हमारे शांति निर्माण प्रयासों के लिए अधिक प्रभावी ढंग से काम करने के लिए हम संघर्षों में किसी का पक्ष नहीं लेते। हमारे सदस्य संघर्ष से प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करते हैं और हमारी वैश्विक पहुंच के लिए आवश्यक है कि हम रोटरी के माध्यम से पार सांस्कृतिक, सीमा पार संपर्कों और दोस्ती के साथ शांति निर्माण और संघर्ष रोकथाम को बढ़ावा दें।

दशकों से रोटरी ने सेवा परियोजनाओं को पूरा करने, शांति फैलोशिप और छात्रवृत्ति का समर्थन करने और शांति को स्थायी रूप से स्थापित करने के लिए रोटरी पीस सेंटर जैसे कार्यक्रम करने हेतु इन संपर्कों का उपयोग किया है।

शांति की कामना करने वाले रोटरी सदस्य अन्य रोटरी सदस्यों के साथ मिलकर दुनिया भर में शरणार्थियों और विस्थापित लोगों की मदद करने, उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान करने के साथ ही और भी बहुत कुछ करने हेतु परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए मंडल अनुदान और रोटरी फाउंडेशन वैश्विक अनुदान का उपयोग कर सकते हैं। सदस्य शांति आधारित रोटरी एक्शन ग्रुप, फ्रेंडशिप एक्सचेंज, फैलोशिप और अन्तर्देशीय समितियों के साथ भी काम कर सकते हैं या उनमें शामिल हो सकते हैं। साथ ही डिस्ट्रिक्ट डेज़िग्नेटेड फंड्ज़ या मंडल निधि हमारे शांति निर्माण और संघर्ष रोकथाम प्रयासों का समर्थन कर सकते हैं।

सदस्य और गैर-सदस्य एक समान रूप से रोटरी पॉजिटिव पीस एकेडमी के माध्यम से शांति निर्माण के बारे में अधिक जानकारी ले सकते हैं, जो इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध एक नि:शुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम है। आप इसे *positivepeace.academy/rotary* पर देख सकते हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दुनिया भर में हिंसा और अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैश्विक शांति नाजुक है और दांव बढ़ते जा रहे हैं।

फिर भी, हम जानते हैं कि एक साझा लक्ष्य के लिए काम करने हेतु सभी लोगों को एक साथ लाना संभव है। रोटरी सदस्य दुनिया के हर कोने में हर दिन ऐसा करते हैं। भगवान करें कि सामान्य उद्देश्य की पूर्ति हेतु एकजुट होने की हमारी क्षमता एक चिंगारी बनकर इन अंधेरे दिनों से बाहर निकलने के मार्ग को रौशन करें।

चलिए एक साथ मिलकर *विश्व में उम्मीद जगाएं।*

गॉर्डन मेकिनली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

सुनियोजित इंस्टीट्यूट निष्पादित

सुनियोजित रूप से सम्पन्न बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट ने 800 से अधिक प्रतिभागियों की सर्वांगीक प्रशंसा बटोरी, जो बढ़िया आतिथ्य और स्वादिष्ट भोजन का स्वाद लेकर घर लौटे। जहां दोपहर के भोजन में केले के पत्ते पर परोसे गए पारंपरिक व्यंजनों ने भोजन के शौकीनों को भी तृप्त कर दिया, वहीं दो रात्रि भोज में उपलब्ध नाना प्रकार के व्यंजनों ने शिकायत के लिए शायद ही कोई जगह छोड़ी हो, निश्चित रूप से भोजन किसी भी विशाल आयोजन का एक अनिवार्य अंग होता है और भोजन के साथ-साथ यदि आप लोगों को उससे मेल खाता संगीत और मधुर धुनों की एक श्रृंखला के साथ वो माहौल उपलब्ध करवा दें जो बीते दिनों की यादें ताजा कर दें, तो फिर कहने ही क्या, इससे ज्यादा और क्या चाहिए?

चारों तरफ फैले हुए विशिष्ट भारतीय रंग और इसके प्रांतीय परिधानों की जीवंतता भी इन सब के साथ जोड़ें। दिलकश शामों में शामिल अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि थे, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और उनकी पत्नी हेतर, आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो और उनकी पत्नी डेनिस और इंस्टीट्यूट में भाग लेने वाले कई अन्य वरिष्ठ रो ई नेता, जो दोस्ताना अंदाज़ में अन्य प्रतिनिधियों से घुलमिल रहे थे, उन के साथ नाच रहे थे।

इंस्टीट्यूट के विभिन्न सत्रों में प्रयुक्त तकनीकी प्रतिभा अत्यंत लुभावनी थी। जब थकान हावी होने लगती है, जो एक ही दिन में इतने सारे वक्ताओं को सुनने के बाद स्वाभाविक है, और आपको दोपहर का दिव्य भोजन करने के बाद मंच पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है, व्यक्ति असमंजस में पड़ जाता है कि वो अपना ध्यान किधर केंद्रित करें ... अप्रत्याशित रूप से बड़ी, दमकती स्क्रीन पर उभरती छवियों पर या मंच पर उन छवियों के सामने पोडियम पर खड़े व्यक्तियों पर! पूरी कार्यवाही के डिजिटल डिस्प्ले और ऑडियो-विज़ुअल घटक इतने अच्छे थे कि आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो ने विशेष रूप से कहा कि इंस्टीट्यूट का तकनीकी पहलू विश्व स्तरीय था और उतना ही शानदार था जैसा रोटरी सम्मेलनों में होता है।

रो ई अध्यक्ष बड़ी सहजता से सब से मिल-जुल रहे थे और सौहार्दपूर्वक जिस तरीके से इस युगल ने रोटरी दुनिया पर अपनी ताकत को आत्मसात कर लिया है, वो रो ई अध्यक्ष मेकिनली और उनकी पत्नी हेतर में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा था। हर सुबह कार्यक्रम की शुरुआत से काफी पहले वे हॉल में पहुँच जाते थे और आप उन्हें प्रत्येक सत्र में देख सकते थे। मेकिनली में वहां आये प्रतिनिधियों द्वारा लगातार उनके साथ फोटो खिंचवाने और उनके साथ विभिन्न मुद्राओ में तस्वीरें खिंचवाने से हुई थकान की झलक भी नज़र नहीं आई। वह उन फोटोग्राफरों के प्रति अत्यंत विनम्र और दयालु थे जो उनके साथ अपेक्षित फोटो नहीं खींच सके थे। हेतर भी शिष्टाचार और सौम्यता की प्रतिमूर्ति थी क्योंकि जब भी कोई उनसे मिलने आता आगे बढ़ कर वह उससे बातचीत करने लग जाती थी।

संयोजक और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन का चेहरा तीन दिवसीय कार्यक्रम में हर जगह दिख रहा था और उन्हें दौड़ भाग करते देख कर, शायद ही लोगों ने अनुमान लगाया होगा कि वह थके हुए थे और अस्वस्थ थे और एंटीबायोटिक दवाओं की खुराक ले रहे थे। सचिव पीडीजी समीर हरियानी ने हमेशा की तरह बढ़िया काम किया। लेकिन इवेंट चेयर, पीडीजी के पी नागेश कम ही नज़र आये, जिन्होंने पूरी टीम के प्रमुख के रूप में विभिन्न सत्रों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में दिशा और अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया था और ज्यादातर पर्दे के पीछे ही रहे। उनकी फोटो खींचने के लिए उन्हें ढूंढने की मशक्कत करनी पड़ती थी!

आयोजकों ने मेकिनली को काफी व्यस्त रखा और वह भी स्वेच्छा से उनके कहे अनुसार चलते गए। एक सर्द सुबह, उन्होंने टी ऑफ कर कॉर्पोरेट गोल्फ टूर्नामेंट का उद्घाटन किया, जिससे पोलियो फंड के लिए 100,000 डॉलर एकत्रित हुए। अगली सुबह, एक विंटेज कार और बाइक रैली को उन्होंने हरी झंडी दिखाई और बेंगलुरु मिडनाइट मैराथन को हरी झंडी दिखाने के लिए व्हाइटफील्ड तक मेट्रो में यात्रा की, जिससे टीआरएफ के लिए 300,000 डॉलर जुटाने में सहयोग मिला।

और इंस्टीट्यूट में, सोने पर सुहागा था, गर्म पेय पदार्थों के साथ-साथ नारियल का पानी और गन्ने का रस जिसे आयोजकों ने सुनिश्चित किया था कि इन्हें पर्यावरण अनुकूल मिटटी से बने कुल्हड़ में ही परोसा जाए। लेकिन आप ये न सोचें कि सिर्फ यही मौज मस्ती चल रही थी, निश्चिंत रहें, रो ई अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा आगामी रोटरी नेताओं से भारत में रोटरी की क्या समस्याएँ हैं, पर स्पष्टवादिता के साथ कुछ खरी-खरी बातें भी की गईं।

रशीदा भगत

सम्मेलन परिवारों के लिए है

ईवा रेमिजान-टोबा

इसे चित्रित करें: आपको एशिया के शीर्ष धूप वाले स्थलों में से एक में अपने परिवार के साथ अविस्मरणीय छुट्टियाँ बिताने का मौका मिलता है। कैसे? रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन के लिए उन्हें सिंगापुर लाकर। दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एक शानदार आधार के साथ, आपने अपना होटल और फ्लाइट पहले से ही बुक कर ली होगी क्योंकि ये स्थान संग्रहालयों, साहसिक पार्कों और सभी उम्र के लोगों के लिए गतिविधियों के करीब हैं। अतिथि के रूप में पंजीकरण करके, आपके प्रियजन 25-29 मई के सम्मेलन में बड़े नाम वाले मनोरंजनकर्ताओं और प्रेरक मुख्य वक्ताओं का आनंद ले सकते हैं और *दुनिया के साथ आशा साझा करने* में आपके और पूरे रोटरी परिवार के साथ शामिल हो सकते हैं।

मेजबान संगठन समिति की साइट, *rotarysingapore2024.org* पर सिंगापुर और आसपास के देशों में पर्यटन बुक करें। भोजन, स्थिरता, या देश की समृद्ध संस्कृति के बारे में जानने के लिए द्वीप पर रहें। या, उदाहरण के लिए, शहर की प्रसिद्ध सड़क जीवन का लुत्फ़ उठाने और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, प्राचीन शहर अयुत्या के खंडहरों में घूमने के लिए बैंकॉक जाएँ।

सिंगापुर में, यहां कुछ ही परिवार-अनुकूल स्थान हैं। ब्रेकआउट सत्रों की मेजबानी करने वाले मरीना बे सैंड्स कॉम्प्लेक्स में, एक कला विज्ञान संग्रहालय प्रदर्शनी आपके चित्रों को हरे-भरे डिजिटल जंगल कैनवास पर कम्प्यूटरीकृत कला में बदल देती है, जिस पर आप चलते हैं।

नेशनल स्टेडियम सम्मेलन स्थल के निकट एक इमारत के शीर्ष पर एक छोटा सा वाटर पार्क है, जहाँ से क्षितिज का व्यापक दृश्य दिखाई देता है। स्पलैश-एन-सर्फ में बच्चों के लिए खेल का मैदान और प्रीबुक स्किम-बोर्डिंग के लिए एक वेव पूल है।

एस ई ए का पता लगाने के लिए सिंगापुर के सेंटोसा रिज़ॉर्ट द्वीप पर जाएँ (केबल कार लें!) एक्वेरियम, यूनिवर्सल स्टूडियो सिंगापुर अपने जुरासिक पार्क ज़ोन के साथ, या स्काईलाइन ल्यूज जहां आप गाड़ियों पर पेड़ों की कतार वाली पगडंडियों पर ज़ूम करते हैं।

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	सेनगुट्टुवन जी
RID 2982	राघवन एस
RID 3000	आनंदता जोती आर
RID 3011	जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012	प्रियतोष गुप्ता
RID 3020	सुब्बाराव रावुरी
RID 3030	आशा वेणुगोपाल
RID 3040	रितु ग्रोवर
RID 3053	पवन खंडेलवाल
RID 3055	मेहुल राठौड़
RID 3056	निर्मल जैन कुणावत
RID 3060	निहिर दवे
RID 3070	विपन भसीन
RID 3080	अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090	घनश्याम कंसल
RID 3100	अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110	विवेक गर्ग
RID 3120	सुनील बंसल
RID 3131	मंजू फड़के
RID 3132	स्वाति हर्कल
RID 3141	अरुण भार्गवा
RID 3142	मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150	शंकर रेड्डी बुसिरेड्डी
RID 3160	माणिक एस पवार
RID 3170	नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181	केशव एच आर
RID 3182	गीता बी सी
RID 3191	उदयकुमार के भास्करा
RID 3192	श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201	विजयकुमार टी आर
RID 3203	डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204	डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211	डॉ सुमित्रन जी
RID 3212	मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231	भरणीधरन पी
RID 3232	रवि रामन
RID 3240	नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250	बगारिया एस पी
RID 3261	मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262	जयश्री मोहंती
RID 3291	हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
राजु सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

स्वास्थ्य देखभाल पर रोटरी का ध्यान

जैसा कि हम छुट्टियों के मौसम का आनंद लेते हैं, हमें अपने आस-पास की दुनिया पर गहरा प्रभाव डालने की हमारी अपार शक्ति को भी याद रखना चाहिए। दिसंबर रोटरी में रोग रोकथाम एवं उपचार का माह को चिह्नित करता है, एक ऐसा समय जब हमारे सामूहिक प्रयास स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देते हुए और हमारे समुदायों के भीतर बीमारियों का मुकाबला करते दिखाई देते हैं।

मित्रों, हम एक ऐतिहासिक क्षण के मुहाने पर खड़े हैं - हर साल सामने आने वाले पोलियो के लाखों मामले अब घटकर केवल छह रह गए हैं, हां, केवल छह दर्ज मामले! हम 2024 की दहलीज पर हैं, एक नया क्षितिज हमारा इंतजार कर रहा है, आइए इसे एक ऐतिहासिक वर्ष बनाएं, शून्य दर्ज मामलों के साथ पोलियो को जड़ से ख़त्म करें।

पोलियो को प्राथमिकता देने के साथ, रोटरी की प्रतिबद्धता स्वास्थ्य संबंधी अनगिनत प्राथमिकताओं को भी संबोधित करती है। हम समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए त्वरित एवं प्रभावी उपचार को सक्षम बनाने के लिए अस्पतालों को महत्वपूर्ण देखभाल उपकरण प्रदान करते हैं। स्वास्थ्य सेवा के लिए हमारा समर्पण रक्त बैंकों को दी जाने वाली हमारी सहायता और पूरे भारत में कई रोटरी नेत्र अस्पतालों और बहु-विशेषता वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थापना जैसी पहलों के माध्यम से दिखाई देता है।

रोटरी में, हम गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर जागरूकता एवं टीकाकरण की भी वकालत करते हैं। 2022-23 में, रोटरी की प्रभावशाली स्केल ऑफ़ ग्रांट पहल ने मिस्र में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से निपटने के लिए 2 मिलियन डॉलर का अनुदान आवंटित किया, जिसका उद्देश्य 30,000 से अधिक लड़कियों का टीकाकरण करना और 10,000 महिलाओं की जांच करना था। पिछले वर्ष, मलेरिया के मामलों को कम करने के लिए जाम्बिया को इसी तरह का अनुदान दिया गया था।

रोटरी इंडिया की पहल, प्रोजेक्ट पॉजिटिव हेल्थ, भारत में एनसीडी (गैर-संचारी रोग) महामारी से निपटती है, और इसका उद्देश्य लोगों को इस मुद्दे के प्रति संवेदनशील बनाकर 60 प्रतिशत मौतों पर अंकुश लगाना है। आइए इस गंभीर स्वास्थ्य चुनौती को संबोधित करने एवं भारत के लिए एक स्वस्थ भविष्य बनाने के लिए एकजुट हों।

मैं सभी क्लबों/मंडलों से आग्रह करता हूं कि वे विशेषज्ञता, संसाधनों और विशाल वैश्विक नेटवर्क तक पहुंचने के लिए डिजीज प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट रोटरी एक्शन ग्रुप की ताकत का उपयोग करें, जिससे टिकाऊ एवं प्रभावशाली सेवा परियोजनाओं के निर्माण और निष्पादन को बढ़ावा मिल सके।

आइए स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और एक उज्जवल, स्वस्थ भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने की हमारी प्रतिबद्धता में हम एकजुट हों।

अनिरुद्धा रॉयचौधरी
रो ई निदेशक, 2023-25

संस्थान को अपना बनाएं

इस साल अपने संस्थान को और अच्छी तरह जानें। क्या आप जानते हैं कि 2023 में इस संस्थान ने लगातार 15वें वर्ष चैरिटी नेविगेटर से अधिकतम चार-स्टार रेटिंग हासिल की है? ऐसा इसलिए है क्योंकि हम आर्थिक रूप से मजबूत हैं, हमारी पहुँच व्यापक है और आपके द्वारा दिए जाने वाले उपहारों से हम अधिक प्रभाव उत्पन्न करते है: 91 प्रतिशत धन पुरस्कारों और संचालनों की योजना हेतु आवंटित किया जाता हैं।

अपने संस्थान के साथ जुड़ने का एक अन्य तरीका हर साल एक उपहार के माध्यम से इसका समर्थन करना है। हमने इस साल धन संचयन के लिए 500 मिलियन डॉलर का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है और मुझे विश्वास है कि आपके समर्थन से हम इसे प्राप्त कर लेंगे। इस साल, मैं विशेष रूप से उन रोटेरियनों और रोटरेकटरों से योगदान की अपेक्षा करता हूँ जिन्होंने अभी तक अपना पहला उपहार नहीं दिया है।

2024 में, दूसरों के साथ अपने संस्थान को साझा करने का संकल्प लें। यह संस्थान सिर्फ हम तक सीमित रहने के लिए बहुत बड़ा है। अपने धन संचयन समारोहों और अन्य कार्यक्रमों में इसके बारे में बात करें। जनता को बताएं कि रोटरी संस्थान हमारे द्वारा की जाने वाली हर चीज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें हमारी कई साझेदारियां भी शामिल हैं। कोई भी इस संस्थान का समर्थन कर सकता है यहाँ तक कि वो लोग भी जो रोटरी में शामिल नहीं हैं।

अंत में, इस वर्ष कार्यवाही करें। आपका संस्थान आपकी कमर कस लेने और अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए आपका इंतजार कर रहा है ताकि आप दुनिया को एक बेहतर जगह बना सकें। वैश्विक या मंडल अनुदान परियोजनाओं की खोज करें। किसी अनुदान का समर्थन करने या उससे जुड़ने के लिए 2024 में रोटरेक्ट क्लब के साथ साझेदारी करने पर विचार करें। अपने क्षेत्र में रोटरी और रोटरेक्ट क्लबों के साथ मिलकर अपने सबसे बड़े मिलियन डॉलर के डिनर फंडरेजर या एंड पोलियो नाउ कार्यक्रम की योजना बनाएं।

2024 में आप चाहे जो भी करने का फैसला करें, हमारे संस्थान को अपनी योजनाओं में शामिल करना न भूलें। इस वर्ष हमारे द्वारा हासिल की जाने वाली उपलब्धियों के बारे में जानने के लिए मैं बेकरार हूँ।

बेरी रेसिन

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

हमारे संस्थान का समर्थन करें

रोटरी फाउंडेशन की स्थापना पूर्व अध्यक्ष आर्च सी क्लम्फ ने की थी। उन्होंने सोचा कि अगर रोटेरियनों के पास उनके प्रयासों का समर्थन करने के लिए ऐसा संस्थान मौजूद हो तो वो क्या नहीं कर सकते। उनका मानना था कि मानवता की सेवा से वास्तव में हमारी दुनिया में बदलाव आता है और इस वजह से यह जीवन का सर्वोत्तम कार्य है।

चाहे वह सारेगाम में रोटरी अस्पताल चलाना हो या मुंबई और ठाणे में नेत्र बैंक का संचालन हो; ग्रामीण महाराष्ट्र में रोधक बांध का वित्तपोषण करना हो; फिलीपींस में कटे होंठ की सर्जरियाँ करना हो या अफ्रीका में चिकित्सा मिशन आयोजित करना हो; टीआरएफ के माध्यम से हम लोगों की ज़िंदगियों को छूते हुए समुदायों में परिवर्तन ला रहे हैं।

रोटरी संस्थान आपके योगदानों को सेवा परियोजनाओं में बदलते है जिससे आपके आसपास और दुनिया भर में जीवन परिवर्तित होते हैं। पिछले 107 वर्षों में इस संस्थान ने जीवन परिवर्तक स्थायी परियोजनाओं पर 4 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए हैं।

पोलियो उन्मूलन के अपने वादे को पूरा करने के लिए हम टीआरएफ को देते हैं। यह यात्रा लंबी, कठिन और चुनौतीपूर्ण रही लेकिन आज हम पोलियो मुक्त दुनिया के अधिक करीब हैं। यह हमारे प्रयासों को दोबारा समर्पित करने और उन्हें दोगुना करने का समय है। हम अपने पोलियो कार्य में ढिलाई नहीं बरत सकते। पोलियो उन्मूलन अभियान केवल धन जुटाने के बारे में नहीं बल्कि यह हमारे बच्चों को बचाने के बारे में है।

अक्षय निधि का समर्थन हमारे रोटरी फाउंडेशन के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करता है। 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर का लक्ष्य रखा गया है। जब हम इस लक्ष्य तक पहुंच जाएँगे तो यह हमें हर साल लगभग 40 मिलियन डॉलर खर्च करने योग्य राशि प्रदान करेगा; साल दर साल। सोचिए कि हम कितना कुछ अच्छा कर सकते हैं।

प्रिय पाठकों, आप में से हर एक रोटरी का दिल है। टीआरएफ का समर्थन करने में आपकी दयालुता और उदारता के लिए धन्यवाद। चलिए नए साल में हम अपने रोटरी संस्थान में निवेश करें और दुनिया में अच्छा करना जारी रखें।

भरत पांड्या

टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष

Rotary rise
TRANSCEND BARRIERS
ROTARY INSTITUTE 2023
ZONE 4,5,6,7

निम्नलिखित पृष्ठों में बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट के क्षण, चित्र, बातचीत के बिंदु और कवरेज शामिल हैं।

इंस्टीट्यूट के संयोजक रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन (बाएं) संस्थान के अध्यक्ष पीडीजी के पी नागेश के साथ।

के विश्वनाथन

पाठ्य भाग रशीदा भगत और जयश्री

RISE शीर्षक वाला, जोन इंस्टीट्यूट 2023 एक से अधिक तरीकों में इस वर्ष का एक सुनियोजित एवं सावधानीपूर्वक निष्पादित कार्यक्रम था। हालांकि संयोजक और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन बेंगलुरु में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य चेहरा थे और सचिव पीडीजी समीर हरियानी को अक्सर मंच पर समायोजक के रूप में देखा गया, इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी के पी नागेश ने पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व किया और विभिन्न सत्रों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए दिशा निर्देश और अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया, शांति से अपनी भूमिका निभाई और ज्यादातर पर्दे के पीछे ही रहे।

सबसे बड़ा और प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाला कारक तकनीकी क्षमता और कड़ी मेहनत थी जो स्पष्ट रूप से मुख्य मंच पर डिजिटल डिस्प्ले में देखी गई। कहीं भी भड़कीले रंगों वाले डिस्प्ले

RISE जोन इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में इंस्टीट्यूट के संयोजक आरआईडी राजू सुब्रमण्यन और विद्या।

बाएं से: पीआरआईडी मनोज देसाई, शर्मिष्ठा और पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी केले के पत्ते पर परोसे गए दोपहर के भोजन का आनंद लेते हुए।

बाएं से: माधवी, टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या, पीआरआईपी के आर रवींद्रन और वनाती।

आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी और शिप्रा।

नयनतारा और पीआरआईडी अशोक महाजन।

पीआरआईडी ए एस वेंकटेश और विनीता।

पैनल दिखाई नहीं दे रहे थे; स्क्रीन पर दिखाई देने वाली वक्ताओं की छवियां इतनी जीवंत थीं कि यह तय कर पाना मुश्किल था कि कैमरे को कहाँ पर केंद्रित करें - मंच पर मौजूद वास्तविक व्यक्तियों पर या पीछे चल रही उनकी छवियों पर। इस्तेमाल की गई तकनीक इतनी अच्छी थी कि एक मौके पर संयोजक सुब्रमण्यन ने आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो को मंच पर आमंत्रित किया ताकि उन्होंने उनसे जो कहा था उसे दोहराया जा सके... डिजिटल डिस्प्ले की गुणवत्ता और अन्य तकनीकी उपकरण विश्व स्तरीय थे और उतने ही अच्छे थे जो हमें रोटरी सम्मेलनों में मिलते है।

विभिन्न सत्रों में 800 प्रतिनिधियों में से शायद ही कोई रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और उनकी पत्नी हेतर की सदाबहार उपस्थिति से चूका होगा। अविश्वसनीय रूप से उन्होंने अपनी थकान को प्रत्यक्ष नहीं होने दिया और समय से पहले आयोजन स्थल पर पहुंच गए। बिना चिढ़े अध्यक्ष मेकिनली पूरे शिष्टाचार और मुस्कुराहट के साथ उनसे मिलने आए प्रतिनिधियों के साथ फोटो खिंचवा रहे थे।

कार्यक्रम की तस्वीरें लेने वाले अनेक फोटोग्राफरों के साथ उनके द्वारा बरते गए शिष्टाचार और सौहार्द को देखकर हम खुद को रोक नहीं पाए। सत्रों के दौरान ऐसे क्षण भी आए जब उन्होंने पेशेवर फोटोग्राफर से कैमरा लेकर अपनी तस्वीरें लेना शुरू कर दिया। हेथर भी मित्रता और शिष्टाचार की मूरत थी और उन्होंने अपने रोटेरियनों एवं उनके जीवनसाथियों के साथ बातचीत करने में वास्तविक रुचि दिखाई।

रोटरी जगत में भारत के बढ़ते प्रभाव और दुनिया भर के वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ताओं की अधिकता से यह बात साबित होती है कि भारत में रोटरी गतिविधियों को शीर्ष रो ई नेतृत्व द्वारा बहुत गंभीरता से लिया जाता है। रो ई अध्यक्ष और उनकी पत्नी के अलावा इस कार्यक्रम में आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो और उनकी पत्नी डेनिस, रो ई निदेशक हंस-हरमन कास्टेन (पार्टनर नदजा), जेरमी हर्स्ट (पार्टनर मिशेल), घिम बोक चियु, हेनरिक डी वास्कोसेलोस (पार्टनर रेनाटा) और टीआरएफ न्यासी लैरी लुंसफोर्ड और अज़ीज़ मेमन भी शामिल हुए।

भारतीय कपड़ों, संगीत और नृत्य के रंग एवं उनकी जीवंतता और निश्चित रूप से मुंह में पानी लाने वाले भोजन का जादू इन वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं और उनके

शीर्ष बाएं से दक्षिणावर्त: बाएं से: आरआईडी हंस-हरमन कास्टेन, मिशेल, आरआईडी जेरमी हर्स्ट, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, हेतर और नाडज़ा पिकार्ड (आरआईडी कास्टेन की पत्नी); आरआईडी वास्कोनसेलोस और रानाटा के साथ पीआरआईडी वेंकटेश और विनीता; मिडनाइट मैराथन को संस्थान के अध्यक्ष नागेश और सचिव समीर हरियानी (बाएं) की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष मेकिनली द्वारा हरी झंडी दिखाई गई; PDGs आर श्रीनिवासन और आई एस ए के नज़र के साथ सोनल और पीआरआईडी कमल संघवी; पीआरआईपी राजेंद्र साबू, रो ई अध्यक्ष मेकिनली और हेतर; रो ई अध्यक्ष मेकिनली, विद्या, हेतर और आरआईडी सुब्रमण्यन।

***बाएं:** अध्यक्ष मेकिनली संस्थान के अध्यक्ष केपी नागेश (बाएं) और रविशंकर डकोजू (दाएं) के साथ।*

ऊपर से दक्षिणावर्त: बाएं से: विनीता, हेतर और विद्या; अध्यक्ष मेकिनली फोटोग्राफर के साथ सेल्फी लेते हुए। चित्र में हेतर भी शामिल है; सोनल और पीआरआईडी कमल सांघवी; पीआरआईपी साबू, हेतर के साथ; बाएं से: माला, पीआरआईडी सी बास्कर और पीआरआईपी साबू; आरआईडी हेनरिक बारबोसा डी वास्कोनसेलोस, पीआरआईपी बेनर्जी के साथ सेल्फी लेते हुए: टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष पांड्या, पीडीजी जे श्रीधर और उनकी पत्नी पुनिता; आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी और पीडीजी कल्पना खाउंड।

***केन्द्र:** टीआरएफ ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड और नाडज़ा पिकार्ड के साथ अध्यक्ष मेकिनली।*

जीवनसाथियों के चेहरे पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

आयोजकों ने अध्यक्ष मेकिनली से कुछ बड़ी मांगें की थीं और उन्होंने स्वेच्छा से खेल खेला। वास्तव में भोर होते ही जागना, एक ठंडी सुबह... लेकिन फिर मठंडेफ स्कॉटलैंड से आने वाले व्यक्ति के लिए यह एक प्रासंगिक शब्द है... उन्होंने एक कॉर्पोरेट गोल्फ टूर्नामेंट की शुरुआत की जिससे पोलियो कोष के लिए 100,000 डॉलर इकट्ठा करने में मदद मिली। दस दाताओं ने इस उद्देश्य के लिए योगदान दिया। ''यह पहल टीआरएफ के साथ गेट्स फाउंडेशन के 2:1 के दान के साथ 300,000 डॉलर की होगी,'' उन्होंने घोषणा की।

एक अन्य सुबह उन्होंने कर्नाटक राज्य सचिवालय, विधान सौधा के सामने एक विंटेज कार और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। कर्नाटक विंटेज एंड क्लासिक कार क्लब के सहयोग से रो ई मंडल 3191 और 3192 द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सार्वजनिक छवि अभ्यास था।

10,000 से अधिक धावकों की भागीदारी के साथ बेंगलुरु मिडनाइट मैराथन के 16वें संस्करण को हरी झंडी दिखाने के लिए मेकिनली के पी नागेश और समीर हरियानी के साथ मेट्रो ट्रेन पर सवार होकर व्हाइटफील्ड पहुंचे। इस कार्यक्रम ने टीआरएफ के लिए 300,000 डॉलर जुटाने में मदद की। इस आयोजन की स्थापना रोटरी क्लब बैंगलोर आईटी कॉरिडोर द्वारा 2007 में भारत के विभिन्न योग्य धर्मार्थ संस्थानों का समर्थन करने के लिए की गई थी।

केले के पत्ते पर दोपहर का भोजन एक बहुचर्चित अनुभव था। लगभग 800 मेहमानों को पर्यावरण के अनुकूल केले के पत्तों पर कर्नाटक के अनूठे व्यंजनों सहित दक्षिण भारतीय शैली का भोजन परोसा गया। संस्थान के दो दिनों के दौरान, काउंटर पर नारियल पानी और गन्ने का रस परोसा गया साथ ही मिट्टी के कप में चाय/कॉफी भी परोसी गई। उद्घाटन की रात हर डिनर टेबल पर प्रतिनिधियों को विशेष रूप से क्यूरेटेड रोज ब्रूट वाइन की एक बोतल पेश की गई।

महिला प्रतिनिधियों के सामान को देखते हुए हाउस ऑफ फ्रेंडशिप में साड़ी के स्टॉल ने अधिक कारोबार किया। पीडीजी जे श्रीधर की पत्नी पुनीता ने मस्टर्ड मैसूर सिल्क साड़ी दिखाते हुए कहा, ''मेरा पर्स 10,000 से हल्का हो गया।'' कुछ सुंदर

शीर्ष बाएं से **दक्षिणावर्त**: आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो प्रतिनिधियों के साथ; रूपा और पीडीजी हरियानी के साथ आरआईडी सुब्रमण्यन; रविशंकर डकोजू और उनकी पत्नी पाओला, हेतर के साथ।

चित्रों वाली आर्ट गैलरी ने भी प्रशंसकों की अच्छी संख्या को आकर्षित किया।

RISE ऐप में ए आई आधारित फोटो सर्च शुरू किया गया था जिससे मसेल्फी सर्चफ नामक विकल्प के माध्यम से केवल पांच सेकंड में तस्वीरों की पहचान करने में मदद मिलती।

डिजिटल युग को ध्यान में रखते हुए रो ई मंडल 3191 के पीडीजी एच आर अनंत द्वारा डिजाइन की गई संस्थान निर्देशिका में गवर्नरों के लिए एक क्यूआर कोड मौजूद था जिससे डीजी के रूप में उनकी उपलब्धियां सामने आती है। क्यूआर कोड के माध्यम से निर्देशिका के *पिक्चर पैनोरमा* पृष्ठ पर संस्थान की तस्वीरें देखी जा सकती हैं।

अधिक फ़ोटो के लिए, *www.rotarynewsonline.org* पर जाएँ

चित्र: आरएनटी टीम और इंस्टीट्यूट फोटोग्राफर्स

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	37,123
रोटरेक्ट क्लब	:	11,061
इंटरेक्ट क्लब	:	15,028
आरसीसी	:	13,227
रोटरी सदस्य	:	1,186,961
रोटरेक्ट सदस्य	:	167,857
इंटरेक्ट सदस्य	:	345,644

18 दिसंबर, 2023 तक

सदस्यता सारांश

1 दिसंबर 2023 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	140	6,146	6.28	73	503	34	254
2982	86	3,844	6.37	35	840	95	174
3000	140	6,078	11.94	117	1,915	224	216
3011	138	5,138	29.23	85	2,391	149	37
3012	154	3,842	22.88	77	779	99	61
3020	86	5,031	7.59	50	1,043	119	351
3030	101	5,739	15.84	128	1,946	521	384
3040	113	2,486	14.80	52	913	79	213
3053	74	2,944	16.41	25	397	42	131
3055	80	2,942	11.90	67	1,094	73	376
3056	89	3,899	25.67	51	579	103	201
3060	105	5,098	16.08	68	2,236	61	143
3070	125	3,362	16.15	49	602	51	63
3080	109	4,283	12.61	115	1,967	170	122
3090	120	2,612	6.93	50	636	193	166
3100	114	2,248	11.34	15	138	36	151
3110	147	3,903	11.17	17	110	48	107
3120	89	3,664	15.72	49	652	28	55
3131	143	5,797	29.22	150	3,400	255	149
3132	90	3,715	13.73	43	628	122	203
3141	115	6,250	27.33	139	5,242	169	224
3142	108	4,016	21.66	96	2,443	113	93
3150	110	4,400	13.16	155	1,827	109	130
3160	84	2,774	9.08	32	206	95	82
3170	151	6,719	15.14	122	1,860	194	180
3181	87	3,693	10.89	44	539	93	118
3182	87	3,725	10.50	47	247	106	103
3191	94	3,626	18.31	95	2,724	143	35
3192	83	3,590	21.14	83	2,561	113	40
3201	174	6,798	9.94	138	2,249	100	93
3203	96	5,063	7.51	93	1,202	178	39
3204	75	2,453	7.26	24	226	17	13
3211	159	5,137	8.41	11	178	20	134
3212	127	4,781	11.34	95	3,703	167	153
3231	97	3,512	7.32	39	437	43	417
3232	190	6,674	19.94	129	7,261	155	100
3240	106	3,608	16.71	64	1,173	67	227
3250	109	4,208	21.77	71	1,011	65	191
3261	105	3,488	22.71	25	271	24	45
3262	114	3,875	15.87	77	747	645	286
3291	144	3,905	25.53			73	737
India Total	**4,658**	**175,066**		**2,895**	**58,876**	**5,191**	**6,997**
3220	70	2,018	16.55	97	4,775	81	77
3271	180	3,070	18.76	194	3,350	333	28
3272	162	2,232	14.20	97	1,340	26	49
3281	339	7,966	17.76	281	1,942	144	215
3282	182	3,657	9.84	170	1,331	30	47
3292	154	5,619	18.72	185	5,490	121	134
S Asia Total	**5,745**	**199,628**	**15.63**	**3,919**	**77,104**	**5,926**	**7,547**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

दुनिया की नज़र तेजी से प्रगति कर रहे भारत पर है: विदेश मंत्री जयशंकर

रशीदा भगत

यह तस्वीर थी उभरते हुए प्रगतिशील भारत की - एक द्रुत गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होने के साथ, खाद्य सुरक्षा से लेकर लाखों घरों में पानी और बिजली कनेक्शन - जिसे बेंगलुरु में आयोजित ज़ोन इंस्टीट्यूट RISE के सत्र में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बड़ी ख़ूबसूरती से चित्रित किया था।

पिछले दशक में भारत में हुए बड़े परिवर्तन की चर्चा करते हुए और जिस प्रकार हमारे पड़ोसी और पूरी दुनिया इन से प्रभावित हुई है, उन्होंने कहा, ''आगे क्या होगा, उसके बारे में बोलना अक्सर आसान होता है, लेकिन मैं बात करना चाहता हूं कि हमारे पिछले दशक में क्या हुआ, क्योंकि यही आगामी 25 वर्षों में हमारे भविष्य की नींव है।''

ये कहते हुए कि ''हमारी उपलब्धि, क्षमताओं, आकांक्षाओं और सपनों के बीच सीधा संबंध है, वो

बोले कि तेजी से परिवर्तित होते और प्रगति कर रहे भारत ने दिखा दिया है कि अगर हमारे पास नेतृत्व, उद्देश्य और प्रेरणा है तो हम क्या कर सकते हैं। आज जब दुनिया भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में देखती है तो वो जानना चाहती है कि यहाँ ऐसा क्या हुआ और क्यों हुआ।

पिछले दशक में भारत में घटित हुई और देखी गई 10 बड़ी चीजों को सूचीबद्ध करते हुए, जयशंकर ने कहा कि ''ये चीजें विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों, अवसरों और उपलब्धियों का मिश्रण थे, और देश की सर्वांगीण प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।''

पहली बड़ी चुनौती रही कोविड-19, जो शताब्दी में एक बार होने वाली घटना थी। कोविड-संबंधी विभिन्न मुद्दों की देखरेख के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नियुक्त अपेक्षाकृत एक छोटे समूह

जहां अन्य देशों का कहना था कि वे दूसरों की सहायता करने से पहले खुद अपने लोगों का टीकाकरण पूरा करेंगे, हम उन कुछ राष्ट्रों में से एक थे जिन्होंने अपने टीके साझा किए, बावजूद इसके कि हमारे यहां टीकाकरण चल रहा था, हमने 99 देशों और दो संयुक्त राष्ट्र संगठनों को टीके दिए।

एस जयशंकर
विदेश मंत्री

के मंत्रियों में से एक के रूप में, मैंने उस समय पूरे विश्व में तब यात्राएं की थीं जब यात्रा प्रतिबंधित थीं। प्रत्यक्ष तौर पर मैंने भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की प्रतिक्रिया की त्वरित परिणीति देखी है। प्रारम्भ में, जो चुनौती बहुत बड़ी और भारी लग रही थी, उसके बावजूद कुछ ही महीनों में नेतृत्व के अंतर्गत सामूहिक जिम्मेदारी के साथ हमने एक राष्ट्र के रूप में न केवल इस भीषण संकट का सामना किया बल्कि तीव्र गति से सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निर्माण भी किया।

वह 2020 था; 2021 वैक्सीन का वर्ष था, वैसे वैक्सीन कई अन्य देशों ने भी बनाई, लेकिन जिस पैमाने, गुणवत्ता और गति से हमने वैक्सीन का निर्माण किया वह घटना असामान्य थी। हमने वैक्सीन का निर्माण ही नहीं किया बल्कि उसका आविष्कार भी किया। उस समय कई देशों के पास वैक्सीन तो थी लेकिन टीकाकरण की कोई संगठित प्रणाली नहीं थी... यहां भारत सबसे अलग था। हम लोगों की बांहों में वैक्सीन की 2.5 बिलियन खुराक देने में सक्षम थे, क्योंकि हमने खुद को डिजिटल रूप से व्यवस्थित कर लिया था। इससे लोगों को टीका लगवाने के लिए भीतर जाने में मदद मिली और जब आप बाहर आये, तो आपके फोन पर टीका प्रमाणपत्र की छवि साथ थी!

अगले चरण में, जब मेडिकल ऑक्सीजन की मांग विकराल रूप धर, एक बड़ी चुनौती बन कर आई थी, यहां कई अलग-अलग विभागों और संस्थाओं ने सहायता दी - उद्योग, रेलवे, वायु सेना, और संकट समाप्त। इसके अन्यत्र, ''जहां अन्य देशों का कहना था कि वे दूसरों की सहायता करने से पहले खुद अपने लोगों का टीकाकरण पूरा करेंगे,

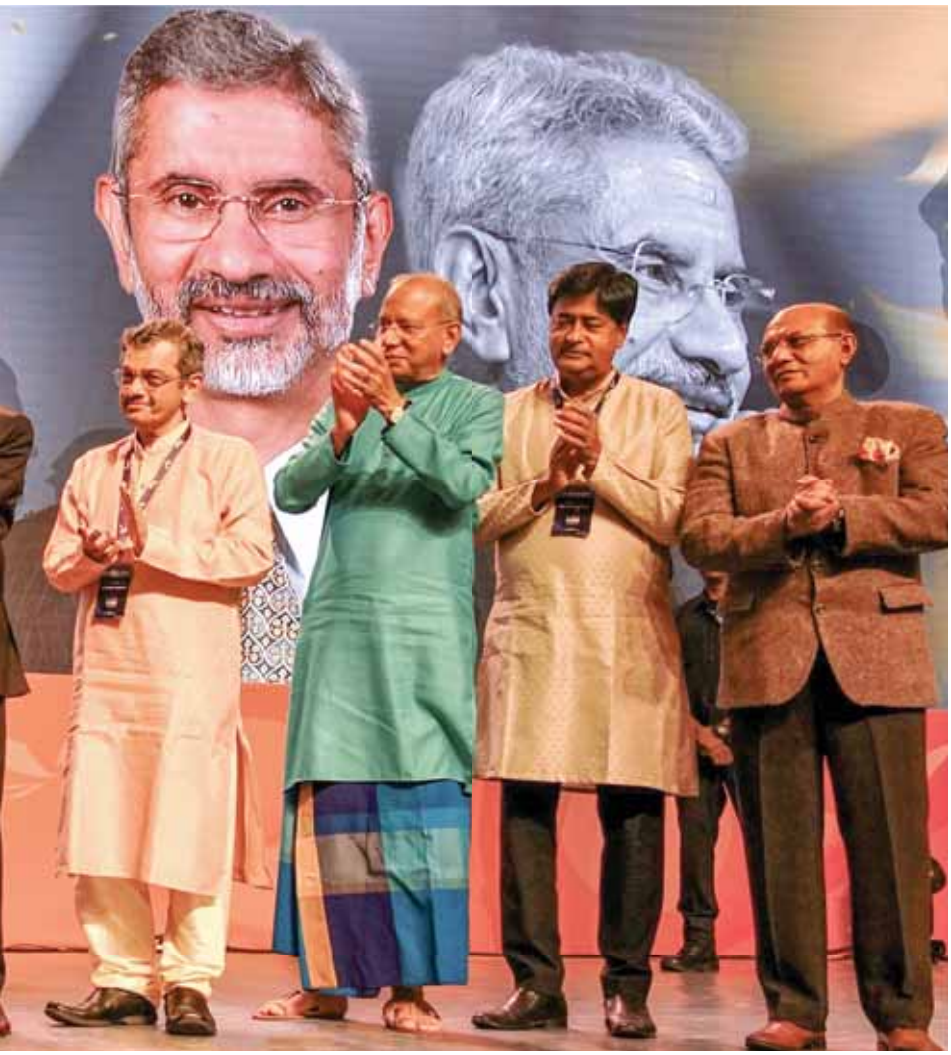

बाएं: *पाओला और रविशंकर डकोजू, रोटरी क्लब बैंगलोर के सदस्य को उनके टीआरएफ योगदान के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर और रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली द्वारा सम्मानित किया गया। चित्र में (बाएं से) संस्थान के अध्यक्ष के पी नागेश, आरआईडी राजू सुब्रमण्यन, आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो, पीआरआईडी अशोक महाजन, टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या, पीआरआईपी के आर रवींद्रन, PRIDs ए एस वेंकटेश और कमल सांघवी भी शामिल हैं।*

हम उन कुछ राष्ट्रों में से एक थे जिन्होंने अपने टीके साझा किए, बावजूद इसके कि हमारे यहां टीकाकरण चल रहा था, हमने 99 देशों और दो संयुक्त राष्ट्र संगठनों को टीके दिए। अपने पड़ोसियों की मदद तो हर कोई करता है, लेकिन हम पहुंचे कैरेबियन, प्रशांत क्षेत्र के कई देशों में ... बहुत दूर और छोटे देश, जो आज भी ये कहते हैं कि भारत नहीं होता तो हमें टीके नहीं मिलते।''

स्वयं के मंत्रालय की चर्चा करते हुए जयशंकर बोले कि ''जी20 का आयोजन जिस भव्यता के साथ हुआ वो अनुकरणीय था। एक प्रकार से जी20 कूटनीति के विश्व कप की तरह है जहां 20 सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली राष्ट्र एक मंच पर आते हैं और हमारे अलावा अन्य नौ राष्ट्र और 14 अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी वहां हमारे अतिथि थे। जब हमने जी20 आयोजित करने के लिए इस की अध्यक्षता ली थी, तो दुनिया को हमसे बहुत अधिक आशाएं नहीं थीं।'' लेकिन आयोजकों के रूप में जिस तरह से हमने यूक्रेन युद्ध जैसे विवादास्पद मुद्दों के चलते आयोजन का संचालन किया, ''विकासशील दुनिया - अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका - बहुत अधिक क्रोधित थे - कि यूरोप द्वारा उनकी समस्याओं को दर किनार किया जा रहा था और अन्य विभाजनों और मतभेदों को दूर करने के लिए आपस में बहस कर रहे उन देशों के लिए एक साझा आधार ढूंढना और वैसी स्थिति में तारतम्य बिठाना कठिन था, ये सराहनीय कार्य था। यहां मैं ज़ोर दे कर कहना चाहूँगा कि जी20 इस वर्ष की कूटनीतिक उपलब्धि रही है।''

और सिर्फ इसलिए नहीं कि ''हम सभी को एकमत कर सकें, बल्कि इसलिए कि हम अपने सहित सबसे शक्तिशाली देशों को सतत विकास प्राप्त करने, हरित विकास को बढ़ावा देने, एक नई प्रतिबद्धता दिखाने के लिए राजी कर सके कि और यह सुनिश्चित किया कि विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान बहुतायात से ऋण देंगे।"

सबसे बुरे समय में श्रीलंका की ओर बढ़ाए गए हमारे हाथ ने एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया और ये साबित कर दिया कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ हमेशा खड़ा है।

विदेश मंत्री जयशंकर

मंत्री ने कहा, इस दशक का दूसरा बड़ा कारक है भारत द्वारा तैयार किया गया डिजिटल बुनियादी ढांचा, ''जो रीढ़ की हड्डी बन गया है जिस के आधार पर सेवाएं प्रदान की जाती हैं और लाभ दिए जाते हैं, जिस पर आपको अपने अधिकार और अपना कोविड प्रमाणपत्र मिलता है। इस डिजिटलीकरण से भारत में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है।''

इसमें एक खाद्य सहायता प्रणाली का सृजन शामिल है जो यूरोप और उत्तरी अमेरिका की कुल जनसंख्या से भी अधिक है; इसने लोगों को बैंकिंग से जोड़ा; 10 साल पहले, एक तिहाई भारतीय बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे। लाखों लोगों को गैस, बिजली और पानी के कनेक्शन दिए गए, जिन किसानों को अतिरिक्त लाभ की आवश्यकता थी, उन्हें दिए गए। उन्होंने कहा, ''10 साल में जर्मनी से भी बड़ी आबादी को गैस सिलेंडर दिए गए, जापान से भी बड़ी आबादी के लिए घर बनाए गए।''

और उधर, लोगों को मिलने वाले सामाजिक सुविधाओं और लाभ की सीमा तो आश्चर्यजनक थी; जहां आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना 500 मिलियन लोगों तक पहुँची है, 800 मिलियन को भोजन सहायता, 415 मिलियन को मुद्रा ऋण, 450 मिलियन को बैंकिंग सुविधाएं और 100 मिलियन घरों में पानी के नए कनेक्शन दिए गए, जिसका साफ मतलब है 500 मिलियन लोग।

इसके बाद, भारत की प्रशंसा उसके लोगों की प्रतिभा और कौशल के लिए की जाती है। ''अकेली उपलब्धि जिसने दुनिया की अंतरात्मा पर छाप छोड़ी है, वो है चंद्रयान मिशन का सफल क्रियान्वयन। निःसंदेह यह प्रभावशाली है, लेकिन अन्य कई परिवर्तन भी हैं। कल, ओमान के सुल्तान हमारे यहां राजकीय दौरे पर आये और वे हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम और ड्रोन, दोनों को देख कर अभिभूत हो गए। हमने व्यवसाय और अन्य अनुप्रयोगों दोनों के लिए एक ड्रोन सम्बंधित नीति बनाई है। आज किसानों को भूमि सर्वेक्षण और अन्य सुविधाओं

दाएं: बाएं से: आरआईपीएन डी कैमार्गो, आरआईडी सुब्रमण्यन, पीआरआईडी महाजन, अध्यक्ष मेकिनली, विदेश मंत्री जयशंकर, टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या, पीआरआईपी रवींद्रन, PRIDs वेंकटेश और सांघवी।

एक प्रगतिशील, पुनरुत्थान अर्थव्यवस्था

व्यापक ब्रश स्ट्रोक के साथ, विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की एक वैश्विक आर्थिक ताकत के रूप में उभरने की तस्वीर पेश की। ''वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के एक चमकता सितारा होने की चर्चा दुनिया भर में हो रही है और अच्छे कारणों के साथ। दो तिमाहियों में हमारी विकास दर बेहद प्रभावशाली रही - पिछली तिमाही में यह 7.6 प्रतिशत थी।'' आंकड़ों पर रौशनी डालते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हम विश्व अर्थव्यवस्था में 10वें से 5वें स्थान पर आ गये हैं; ''विदेशी निवेश का प्रवाह दोगुना हो गया है, निर्यात 75 प्रतिशत बढ़ गया है, खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ गया है और 135 मिलियन लोग - जापान की आबादी से भी अधिक - अत्यधिक गरीबी के दायरे से बाहर निकल आए हैं।''

इतना कुछ हुआ वो भी कोविड के बावजूद, ''अत्यधिक तनाव की अवधि के दौरान सही निर्णयों और इस नई आर्थिक गति की रचना के लिए एक साथ समग्र नीतियों के संयोजन को धन्यवाद है।'' व्यापार करना सरल हो गया है, इसका श्रेय डी-ब्यूरोक्रेटाइजेशन, 'गति शक्ति' नामक एक राष्ट्रीय रसद और बुनियादी ढांचे की नीति, कृषि क्षेत्र को मजबूत और निरंतर सहयोग और *मेक इन इंडिया* को बढ़ावा देने के लिए एक अत्यंत प्रतिबद्ध अभियान को जाता है। ''उनमें से हर एक अलग खड़ा हुआ दिख सकता है, लेकिन इसकी समग्रता से वो सुखद बयार चली है जिसके साथ भारतीय अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है।''

रोटेरियनों को सम्बोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि उनमें से अधिकतर लोग हवाई यात्रा करते होंगे; ''आपमें से कितने लोगों को ज्ञात है कि पिछले 10 वर्षों में इस देश में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो गई है, 75 से 150 और महानगर बन चुके वाले शहरों की संख्या पाँच से बढ़कर 20 हो गई है? राजमार्ग व्यवस्था प्रणाली पर एक नज़र डालें; हम बदलाव देखते हैं लेकिन जो मिलता है इसे तय मानकर चलते हैं, लेकिन जब दुनिया इतने बड़े देश को बदलाव की इस दर के साथ प्रगति करते हुए देखती है, तो इस पर बहुत गंभीरता से गौर किया जाना स्वाभाविक है।''

में मदद करने के लिए और हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने में मदद करने के लिए खेतों में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है।''

कई मोर्चों पर चीजें बदल रही थीं। मिसाल के तौर पर, पासपोर्ट को ही लीजिये। दस साल पहले, भारत में आप सिर्फ 77 स्थानों से ही अपना पासपोर्ट ले सकते थे; आज ऐसे 527 केंद्र हैं। ''450 केंद्रों की वह वृद्धि नई इमारतों के निर्माण से नहीं हुई; हमने डाकघर और डाक कर्मचारियों का पुनर्गठन किया है। भारत में रोज़ाना दो कॉलेज खुलते हैं और एक नया विश्वविद्यालय हर हफ्ते!''

जयशंकर का कहना था कि इन सबके साथ, भारत और भारतीय लोग वैश्विक कार्यक्षेत्र के लिए सक्षम हो रहे हैं और शीघ्र ही दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, कौशल और रचनात्मकता की मांग तेजी से बढ़ेगी। ''अभी तक ऐसे कई देश जो भारत से उनके

देश में जाने वाले लोगों को शंकालु दृष्टि से देखा करते थे, वही देश आज सक्रिय रूप से समझौते के लिए हमसे संपर्क कर रहे हैं और विगत एक वर्ष में मैंने लोगों के सरल आवागमन के लिए जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और इटली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आज सम्पूर्ण विश्व में भारतीय प्रतिभा की मांग है लेकिन हम वैश्विक प्रभाव तभी उत्पन्न कर सकते हैं जब हम अपना होमवर्क करें, उस प्रतिभा को तराशें और उन्हें अवसर दें। और यह कार्य अधिक स्कूल खोलने, शौचालयों के निर्माण और लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के जरिये हो रहा है। भारत का यह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन वास्तव में अगले 25 वर्षों में हमें काफी आगे ले जाएगा।''

निस्संदेह, चुनौतियाँ हैं; उन्होंने कहा, हमारी सीमाओं पर और हमारे पड़ोसियों से, लेकिन इनसे भी निपटा जा रहा है।

कुल मिलाकर उनका आशय ये था कि भारत का समग्र विकास और द्रुत गति से हुआ परिवर्तन शीर्ष स्तर पर सक्षम एवं उचित नेतृत्व के कारण ही संभव हो सका है। ''जब भी हमें सही नेतृत्व मिलता है, हम स्वयं को प्रेरित करते हैं और सम्मिलित रूप से कार्य में जुट जाते है और अक्सर अपनी उपलब्धियों को देख हम स्वयं भी आश्चर्य में पड़ जाते हैं।''

यहां तक कि हमारे नज़दीकी देशों को भी इससे फायदा पहुंचा है, श्रीलंका का उदाहरण देते हुए वो बोले ''जो अत्यंत गंभीर आर्थिक संकट में डूब गया था और एक तरफ बाकी दुनिया, जिसमें कुछ वे संस्थान भी शामिल थे, जिन्हें ऐसे संकटों का सामाधान करना चाहिए था, इस पर बहस कर रहे थे कि अब क्या किया जाए। ऐसे में भारत श्रीलंका की तरफ बढ़ा। सबसे बुरे समय में श्रीलंका की ओर बढ़ाए गए हमारे हाथ ने एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया और ये साबित कर दिया कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ हमेशा खड़ा है। और इस संदेश की गूँज हमारे पड़ोस से और भी आगे तक पहुँची है। दुनिया के 78 देशों में आज 600 परियोजनाओं में भारत ने अपनी उपस्थिति दर्ज की है। दुनिया के कोने-कोने में हमारे डॉक्टर, सामाजिक संगठन, व्यवसाय पहुंच चुके हैं।''

श्रीलंका में आर्थिक संकट के दौरान की गई सहायता के लिए पीआरआईपी के आर रवींद्रन ने जयशंकर और भारत सरकार को धन्यवाद दिया और यूक्रेन या गाजा जैसी जगहों पर रोटेरियनों को मुश्किल वैश्विक परिस्थितियों से निपटने में आ रही समस्याओं पर उनकी सलाह मांगी। जयशंकर ने कहा कि ''जब यूक्रेन में संघर्ष शुरू हुआ तो भारत वहां पढ़ रहे 19,000 छात्रों को निकाल कर लाया था, लेकिन हमने वहां इससे भी अधिक काम किया। वास्तव में एक कहानी तो चर्चा में ज्यादा आई ही नहीं आई वो यह कि इतने सारे भारतीय संगठन विशेष रूप से शरणार्थियों की मदद के लिए वहां कैसे पहुँच गए थे; वे सूप रसोई चलाते थे और बाहर आने वाले शरणार्थियों की कई प्रकार से सहायता करते थे। मेरा मानना है कि विपरीत स्थिति में आगे बढ़ना सरल नहीं है। लेकिन अगर आप के पैर जमे हुए हैं, आप स्थापित हैं और आपका पिछ्ला रिकॉर्ड सही है तो आप कठिनतम परिस्थितियों में भी परिवर्तन ला सकते हैं... अगर मैं तुम्हारे लिए कुछ कर सकता हूँ तो मुझे ज़ोर से आवाज़ लगाओ।''

विदेश मंत्री जयशंकर, आरआईडी सुब्रमण्यन और संस्थान सचिव पीडीजी समीर हरियानी।

BRICS के भविष्य के बारे में ब्राजील से आगामी अध्यक्ष आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो के एक सवाल का जवाब देते हुए, विदेश मंत्री ने कहा, ''मेरा अनुमान है कि यह और बढ़ेगा और अपने प्रभाव में वृद्धि करेगा और यहां तक कि सदस्य भी; हम अगले वर्ष छह नए सदस्यों को शामिल कर BRICS का विस्तार करने जा रहे हैं।'' यह बढ़ेगा क्योंकि सिर्फ कुछ देशों का आधिपत्य समाप्त हो जाएगा और BRICS स्पष्ट संदेश दे रहा है कि देखो, ''हम यहाँ हैं और

डकोजू ने अपनी पत्नी पाओला, संस्थान सचिव हरियानी और अध्यक्ष के पी नागेश की उपस्थिति में टीआरएफ को ₹15 करोड़ के योगदान की घोषणा की।

दुनिया अत्यंत विविध है और इसे सिर्फ कुछ देशों द्वारा नहीं चलाया जा सकता है।''

टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या के प्रश्न कि भारतीयों को अधिक देशों में वीजा-मुक्त यात्रा की अनुमति कब मिलेगी, जयशंकर का उत्तर था कि यह पहले से ही चल रहा है। ''हाल ही में थाईलैंड और मलेशिया ने भारतीयों को वीजा-मुक्त प्रवेश देना शुरू किया था। लेकिन यह बढ़ेगा तब, जब हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गतिशीलता कानूनी हो; इसीलिए हम विभिन्न देशों के साथ ये गतिशीलता समझौते कर रहे हैं।''

यह पूछने पर कि भारत एक विकसित राष्ट्र कब तक बनेगा, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ''आप तो सिर्फ ये ध्यान रखें कि आप अगले 25 साल तक जीवित रहेंगे! ''उन्होंने कहा कि भारत निश्चित रूप से आगे बढ़ रहा है; ''लेकिन हमें उस गति को नहीं खोना है या त्वरक से अपना पैर नहीं हटाना है। सुधार का एक बड़ा भाग यह है कि हम कभी भी अपने वर्तमान तुलना अतीत से न करें, अपने लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समाज में ऊर्जा जगाई है और वह हमें और आगे बढ़ाएगी।''

इस सत्र में, संस्थान के अध्यक्ष और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन द्वारा संचालित, रोटरी क्लब बैंगलोर से अपनी पत्नी पाओला के साथ वहां उपस्थित रविशंकर दकोजू ने रोटरी फाउंडेशन को तीन चेक प्रदान किए, प्रत्येक ₹5 करोड़। अपनी पत्नी पाओला के साथ उन्होंने कहा कि ₹15 करोड़ की इस राशि के साथ, वह फाउंडेशन को दी गई ₹100 करोड़ की राशि का 50 प्रतिशत पूरा कर रहे हैं। इस पैसे में से ₹5 करोड़ नाइजीरिया में सेवा परियोजनाओं के लिए, ₹5 करोड़ बांग्लादेश में परियोजनाओं के लिए और शेष ₹5 करोड़ भारत में इस्तेमाल किए जाएंगे।

चित्र: रशीदा भगत

संयुक्त राष्ट्र कम प्रभावी होता जा रहा है

भारत को संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सीट कब मिलेगी, जोन इंस्टीट्यूट में विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस सवाल का बड़ा दिलचस्प जवाब मिला। उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि संयुक्त राष्ट्र एक पुराने क्लब की तरह है जिसमें कुछ ऐसे सदस्य हैं जो अपनी पकड़ ढीली नहीं करना चाहते और क्लब पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं। वे अधिक सदस्यों को शामिल नहीं करना चाहते, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया जाए। एक तरह से यह मानवीय विफलता है लेकिन मुझे लगता है कि आज दुनिया को इससे नुकसान हो रहा है, क्योंकि दुनिया के सामने मौजूद प्रमुख विषयों पर संयुक्त राष्ट्र का प्रभाव घटता जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि आज वैश्विक भावना ऐसी है कि ''अगर आप दुनिया के 200 देशों से पूछें कि क्या आप सुधार चाहते हैं या नहीं, तो ज्यादातर देश कहेंगे ''हाँ, हम सुधार चाहते हैं।''

सच ये है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना केवल 50 देशों की सदस्यता के साथ की गई थी। ''अब एक ऐसे व्यापार की कल्पना करें जो चार गुना बढ़ गया हो और फिर भी आप उस व्यवसाय के मूल प्रवर्तक को बदलना नहीं चाहते। यह अनुचित है और मुझे लगता है कि इसका एहसास सभी को है। मुझे विश्वास है कि यह बदलेगा, हम इसे जारी रखेंगे और मुझे यकीन है कि यहां इतिहास हमारे पक्ष में है।''

अगला इंस्टीट्यूट... कोच्चि

टीम रोटरी न्यूज़

कोच्चि जोन इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष पीडीजी जॉन डैनियल ने पीडीजी एस मुत्तुपलानीअप्पन, कोच्चि इंस्टीट्यूट के सचिव जोस चाको और उनकी पत्नी मैरी और मिरा डेनियल की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर को एक मॉडल स्नेक बोट (केरल की पारंपरिक युद्ध नाव) भेंट की।

रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने, अगले रोटरी जोन संस्थान के संयोजक के रूप में, अपनी पत्नी शिप्रा के साथ, कोच्चि, केरल में मनमोहक बैकवाटर और प्रकृति की मनोरम सुंदरता का आनंद लेने के लिए प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया - जो 2024 संस्थान का स्थान है। 6-8 दिसंबर के दौरान लुलु कन्वेंशन सेंटर, ग्रैंड हयात, बोलगाट्टी द्वीप समूह में आयोजित किया जाएगा।

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यम सह-संयोजक हैं और पीडीजी जॉन डेनियल (रो ई मंडल 3211) संस्थान के अध्यक्ष हैं। टीआरएफ ट्रस्टी के उपाध्यक्ष भरत पंड्या, पीआरआईडी के कमल संघवी और ए एस वेंकटेश मुख्य सलाहकार हैं। अन्य में पीडीजी माधव चंद्रन (सह-अध्यक्ष), जोस चाको (सचिव) और बी एम शिवराज (कोषाध्यक्ष) शामिल हैं।

रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी 2024 रोटरी ज़ोन इंस्टीट्यूट का प्रचार करते हुए।

''यह हमारा संस्थान है और प्रत्येक संस्थान को अतीत से बेहतर होना चाहिए। हममें से प्रत्येक को यह सुनिश्चित करने के लिए कोच्चि संस्थान का समर्थन करना चाहिए कि हमारी दोस्ती हमें भारत में एक बेहतर रोटरी बनाने में मदद करेगी,'' रो ई निदेशक सुब्रमण्यन ने कहा। उन्होंने रो ई निदेशक रॉयचौधरी को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''विद्या और मैं इस संस्थान का समर्थन करने के लिए हर कदम पर आपके साथ चलेंगे।''

संस्थान के लिए पंजीकरण बेंगलुरु संस्थान में 700 प्रतिनिधियों को पार कर गया।

चित्र: विश्वनाथन

ADVT.

samarpan
BACK TO LIFE

Healing Minds Changing Lives

"Set up by The **Abheraj Baldota Foundation in 2022**, Samarpan is India's International class Substance Abuse and Mental Health residential program. Led by Internationally recognised clinicians, and staffed with dedicated professionals, the luxury facility set in the rolling hills of Mulshi, Pune caters for **23 clients** at any one time. Our evidence based program offers clients the foundation to rebuild their lives from Substance Abuse, Gambling and other mental health disorders in an empathic and dignified manner"

Licensed by:

MSMHA Evidence Based Program • Gorski-CENAPS accredited • Individualised Treatment • Ethical Practices • 100% Confidentiality • Family Program • Qualified & Experienced Staff
World Class Facilities

For more information contact:
www.samarpanrecovery.com | admissions@samarpan.in | +91 81809 19090
Hosted By: Samarpan Rehab, 441 Song of Life Road, Mulshi, Maharashtra

गाज़ा में रोटरी की अनुपस्थिति का कारण

रशीदा भगत

बेंगलुरु के ज़ोन इंस्टीट्यूट में *फ्रैंकली स्पीकिंग* सत्र में पीआरआईपी केआर रवींद्रन द्वारा हमेशा की तरह संचालित, कई सवालों की गुगलीज़ थीं, जिसे उन्होंने रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, आरआईपीएन मारियो डी कमार्गो, ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन जैसे वरिष्ठ रो ई नेताओं की ओर उछाली। सत्र में रवींद्रन ने अध्यक्ष मेकिनली से पूछा कि रोटरी इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष क्षेत्र गाज़ा में अभी तक मानवीय सहायता क्यों नहीं पहुंचा पाई है। यूक्रेन में रोटरी ने बड़ी तेजी से ऐसा किया है, उन्होंने कहा।

अध्यक्ष मेकिनली ने स्पष्ट किया कि रोटरी तुरंत कदम उठाने और यूक्रेन की मदद करने में सक्षम थी क्योंकि उस देश में ''मजबूत रोटरी उपस्थिति'' थी और सहायता सामग्री के वितरण की सुविधा के लिए जमीन पर बुनियादी ढांचा उपलब्ध था। लेकिन गाज़ा में कोई भी रोटरी क्लब न होने के कारन ज़मीन पर मजबूत रोटरी बुनियादी ढाँचा नहीं है। इस वजह से वहां मानवीय सहायता पहुँचाना मुश्किल है।

उन्होंने कहा, ''मध्य पूर्व के संघर्ष की बात करें तो हम सभी जानते हैं कि दुर्भाग्यवश 6 अक्टूबर को एक भयानक घटना हुई थी जिसकी वजह से वर्तमान संघर्ष की शुरुआत हुई थी।''

13 अक्टूबर को ''न्यासी बोर्ड और निदेशक मंडल की एक संयुक्त बैठक हुई, जिसमें लगभग 34 लोगों मौजूद थे और उस संयुक्त मंच ने 6 अक्टूबर और अगले सात दिन में जो हुआ उसके आधार पर तथ्यों का विवरण देते हुए अपना बयान जारी किया।''

इस बयान पर अलग-अलग तरफ से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आईं। लेकिन जो महत्वपूर्ण बात थी वह यह थी कि रोटरी सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में मानवीय सहायता के साथ कदम बढ़ाना चाहती थी जहां निर्दोष नागरिक पीड़ित थे और जल्द से जल्द ऐसा करने के तरीके तलाश रही थी। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, दुनिया भर के रोटरी क्लबों का आह्वान है कि हम जितनी जल्दी हो सके कार्रवाई करें।''

ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड ने कहा वो स्वयं और टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या दोनों ने टीआरएफ बोर्ड की बैठक में भाग लिया था। वहां चर्चित विषयों में से एक यह भी था कि टीआरएफ संकट की इस घड़ी में किस प्रकार मानवीय सहायता कर सकता है।''हमने देखा कि हालांकि यह कोई नई विशाल आपदा नहीं है और किसी विशिष्ट आपदा प्रतिक्रिया की अर्हता भी नहीं है पर इसका तात्पर्य ये नहीं है कि रोटरी वहां चल रहे मानवीय प्रयास का हिस्सा नहीं बनना चाहती। अभी जब यहां चर्चा चल रही है, ट्रस्टी इस का समाधान ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं,'' उन्होंने कहा।

बाएं से: टीआरएफ ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड, आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो, पीआरआईपी के आर रवींद्रन और रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली।

अध्यक्षीय थीम को विराम

अपने परिचित अंदाज़ में परिहास के साथ जोड़ते हुए, सत्र की शुरुआत करते हुए रवींद्रन ने कहा कि वह ''वैसे वो प्रश्न तो सरल ही पूछना चाहते थे जैसे रोटरी की शुरुआत किसने की'' लेकिन इसके बजाय वे अन्य प्रश्न पूछेंगे, जिसमें एक प्रश्न ये भी था ''अध्यक्ष की थीम को पृथक कर विराम देने के पीछे रो ई बोर्ड के निर्णय की वजह।''

अध्यक्ष गॉर्डन का कहना था कि बोर्ड ने 2025-26 से अध्यक्षीय थीम को बंद करने का निर्णय लिया है, लेकिन वार्षिक संदेश को नहीं। ''हमने एक व्यक्ति द्वारा वार्षिक संदेश बनाने की ज़िम्मेदारी ख़त्म कर दी है, और यकीन करें, खुद इस प्रक्रिया से गुज़रने के बाद, मैं जानता हूँ कि अकेले व्यक्ति द्वारा वार्षिक संदेश बनाना निश्चित रूप से एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। जब मैं नामांकित हुआ था तो मुझसे कहा गया था: मजो सन्देश देने का आप निर्णय लेने जा रहे हैं, ध्यान रहे यह इतना महत्वपूर्ण निर्णय है कि यह आपकी समाधि के शिलालेख पर भी अंकित होगा...।''

इसलिए एकरूपता और निरंतरता दोनों के हित में, 2025 से, आगामी अध्यक्ष संदेश विकसित करने के लिए ''रणनीतिक योजना और संचार समिति' के साथ काम करेंगे जो आगे भी प्रासंगिक रहेगा।'' कोशिश यह थी कि किसी व्यक्ति विशेष के स्वामित्व वाले वर्ष को उससे पृथक कर दिया जाए। ''उदाहरण के तौर पर इस वर्ष की बात करें तो, यह वर्ष 'मेरा वर्ष' नहीं है; इस वर्ष के दौरान, मैं बस रोटरी को आगे बढ़ा रहा हूं और अगले वर्ष स्टेफ़नी (आर्चिक) भी यही करेंगी और इसे मारियो को सौंप देगी। भविष्य में, अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत व्यक्ति, वार्षिक संदेश विकसित करने के लिए टीम के साथ मिलकर काम करेगा, जिसका ध्यान क्रमबद्ध निरंतरता पर रहेगा।''

> रोटरी उससे कहीं ऊपर है; हम एक नैतिक संगठन हैं और हमारा आचरण और व्यवहार वैसा ही होना चाहिए। हमने भारत को निशाना नहीं बनाया है लेकिन हमें ईमानदारी से कहना होगा कि इस देश में यह होता है।
>
> **गॉर्डन मेकिनली**
> रो ई अध्यक्ष

विविधता, समानता समावेशन

इसके पश्चात रवींद्रन ने डीईआई मंत्र पर प्रश्न किया और बोले कि हालांकि मौलिक रूप से इसमें ''जाति, सजातीयता, यौन अभिविन्यास आदि शामिल है, लेकिन अभी हम सिर्फ महिलाओं पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अन्य लोगों को सम्मिलित करने के लिए क्या कर रहे हैं? यदि हमारे एक रो ई अध्यक्ष समलैंगिक होंगे तो हमारा दृष्टिकोण क्या रहेगा?''

डी कैमार्गो की प्रतिक्रिया: ''आज दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी, एप्पल की कीमत 3 ट्रिलियन डॉलर है और इसके सीईओ टिम कुक समलैंगिक हैं। उन्हें एप्पल का मुख्य कार्यकारी अधिकारी इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह समलैंगिक थे बल्कि उनका चुनाव इसलिए हुआ क्योंकि वह सक्षम थे। वह समलैंगिक हैं, इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। एप्पल के शेयरधारकों के लिए कुक की पेशेवर क्षमता और कौशल अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए यदि हमारे यहां भी कभी कोई रो ई अध्यक्ष समलैंगिक होगा या होगी, तो मेरा उससे भी यही सवाल होगा: आप सदस्यता बढ़ाने के लिए क्या करेंगे, टीआरएफ के लिए धन कैसे जुटाएंगे इत्यादि।''

उन्होंने कहा कि रो ई के इतिहास में पहली बार, उनकी पत्नी और उन्होंने अपने लिए एक महिला सहयोगी रखने का निर्णय किया है। ''वह किसी रो ई अध्यक्ष की सहयोगी बनने वाली पहली महिला

भारत में चुनावी अवसाद

पीआरआईपी के आर रवींद्रन द्वारा संचालित *फ्रैंकली स्पीकिंग* सत्र में, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली से उस ''कड़े पत्र'' पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया जो उन्होंने और आरआईपीई अर्चिक ने भारतीय रोटेरियन की चुनाव सम्बन्धी शिकायतों, अदालत में जाने आदि को संबोधित किया था। ''मेरे पास एक सुझाव है, क्यों न महम लायंस और अन्य संगठनों की तरह ही चुनाव प्रचार की अनुमति दे दें,'' रवींद्रन ने कहा।

इसके उत्तर में मेकिनली ने कहा : ''रोटरी उससे कहीं ऊपर है; हम एक नैतिक संगठन हैं और हमारा आचरण और व्यवहार वैसा ही होना चाहिए। हमने भारत को निशाना नहीं बनाया है लेकिन हमें ईमानदारी से कहना होगा कि इस देश में यह होता है। जबकि सच तो ये है कि हीथर और मैंने भारत में सबसे अद्भुत रोटेरियनों द्वारा भारत में चल रही सबसे शानदार परियोजनाओं को देखा है, हम यह भी जानते हैं कि कुछ नेतृत्व के व्यवहार को लेकर रोटरी भारत में संकट मंडरा रहा है।''

वह, रोटरी के भावी नेतृत्व के साथ, ''भीतर पैठ बना कर उस आचरण को पहचान कर, उसे उजागर करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ थे। आप यूँ नहीं कह सकते, क्योंकि हम इतना बढ़िया काम करते हैं इसलिए आपको हमारा ये व्यवहार भी झेलना पड़ेगा। रोटरी उससे ऊपर है और उससे बेहतर है, शायद इस कमरे में हर व्यक्ति उससे ऊपर और उससे बेहतर है। वो प्रथाएं और कभी-कभी डराने-धमकाने का जो काम चल रहा है, वह अनुचित है। हमें रोटरी संगठन को एक ऐसे शानदार उदाहरण के रूप में प्रदर्शित करना होगा जिसके नैतिक मूल्य हैं और जिसके नैतिक मानक हैं।''

बाएं से: टीआरएफ ट्रस्टी लंसफोर्ड, आरआईपीएन डी कैमार्गो, पीआरआईपी रवींद्रन, रो ई अध्यक्ष मेकिनली और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन।

होंगी। मैंने उसका चुनाव इसलिए नहीं किया क्योंकि वह एक महिला थी बल्कि इसलिए कि उस पद के लिए वह सबसे उपयुक्त थी।'' सक्षम महिलाओं को किसी कोटा की आवश्यकता नहीं है; ''धीरे-धीरे रोटरी समानता की ओर बढ़ रही है, और यदि आपके पास योग्यता, प्रतिभा और कौशल है, तो हम आपको ढूंढ निकालेंगे... महिला, पुरुष, वृद्ध, युवा, काला, सफेद, हिंदू या ईसाई। आप अमेरिका, ब्राज़ील, स्कॉटलैंड कहीं से भी हो सकते हैं, हम आपको खोज करेंगे।''

अगला प्रश्न रो ई निदेशक सुब्रमण्यन के लिए था कि कई जगह रोटरी की सदस्य संख्या 1.4 मिलियन बताई जा रही थी, जिसमें 200,000 से अधिक रोटरेक्टर भी शामिल थे। क्या उन संख्याओं को जोड़ कर रोटरी की सदस्यता 1.4 मिलियन बताना उचित था? और वे संख्याएँ तो पहले से और भी कम हो गई थीं; सदस्यता शुल्क का भुगतान करने के लिए कहे जाने के बाद से रोटारैक्ट की संख्या 209,000 से लुढ़क कर 130,000 या उससे भी कम हो गई थी।

धीरे-धीरे रोटरी समानता की ओर बढ़ रही है, और यदि आपके पास योग्यता, प्रतिभा और कौशल है, तो हम आपको ढूंढ निकालेंगे... महिला, पुरुष, वृद्ध, युवा, काला, सफेद, हिंदू या ईसाई। आप अमेरिका, ब्राज़ील, स्कॉटलैंड कहीं से भी हो सकते हैं, हम आपको खोज करेंगे।

मारियो डी कमार्गो
आरआईपीएन

सुब्रमण्यन बोले कि उनका विचार है कि रोटारैक्ट को रोटरी का हिस्सा बनाने के सीओएल के निर्णय के बाद, ''रोटरेक्ट सदस्यता को रोटरी सदस्यता में जोड़ना स्वीकार्य था, लेकिन दोनों को समूहित नहीं करना चाहिए। इससे रोटरी और रोटरेक्ट सदस्यता की वास्तविक तस्वीर सामने आ जाएगी।''

उन्होंने कहा कि यह भी दुविधा की बात थी कि संस्थान-आधारित रोटरेक्टर अपनी शिक्षा समाप्त होने के बाद रोटरी छोड़ गए, जबकि समुदाय-आधारित रोटरेक्टर बने रहे। ''संस्था-आधारित रोटरेक्टर अक्सर समुदाय आधारित क्लबों में समाहित नहीं होते। इस नुकसान का समाधान हमें ढूंढना ही होगा।''

मेकिनली ने उन रोटरेक्टरों की संख्या की विश्वसनीयता पर भी संदेह प्रकट किया जो हमारे द्वारा सदस्यता शुल्क लगाए जाने के बाद गायब हो गए थे। उन्हें संदेह था कि पहले भी ये संख्याएँ सही नहीं हुआ करती थीं क्योंकि शुल्क वसूले बिना रोटरेक्टर्स की सही संख्या जानने का कोई उपाय नहीं था।

पॉल और जीन हैरिस होम

इसके बाद रवींद्रन ने ट्रस्टी लंसफोर्ड से पूछा कि ट्रस्टी बोर्ड ने एक ताइवान क्लब के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है जो पॉल हैरिस के घर के लिए दान करना चाहता था, परन्तु टीआरएफ के माध्यम से, अपने सदस्यों के लिए अंक प्राप्त करने के लिए।

लंसफोर्ड ने उत्तर दिया कि इसमें कोई शक नहीं है कि सभी रोटेरियनों के मन में रोटरी संस्थापक के प्रति अपार श्रद्धा थी और वे ''रोटरी में दुनिया भर के सामूहिक प्रयासों का सम्मान करते थे, जो पॉल और जीन हैरिस के उस घर को वैसा ही बनाये रखना चाहते थे जैसा वो 1947 में था जब वो दोनों वहां रहते थे। इस उद्देश्य के लिए पॉल और जीन हैरिस होम फाउंडेशन नामक एक फाउंडेशन की स्थापना की गई थी।''

लेकिन इस तरह के फाउंडेशनों को प्राप्त होने वाले दान के लिए अमेरिका और अन्य देशों में कर प्रणालियाँ अलग-अलग हैं और जटिल हैं। ''तो बावजूद इसके कि ट्रस्टी इस तरह के प्रयास (पॉल हैरिस के घर के लिए) का सहयोग करने में रुचि रखते हैं, वे वास्तव में टीआरएफ को अन्य फाउंडेशनों को पैसा देने के माध्यम के रूप में नहीं देखते हैं।'' कुछ लोग ये तर्क देंगे कि इस सम्बन्ध में एक अपवाद बनाया जा सकता है, ''लेकिन वर्तमान में बोर्ड ने उस अपवाद को नहीं बनाने का फैसला किया है क्योंकि इससे एक नई मिसाल कायम होगी क्योंकि स्थानीय, क्लब, मंडल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोटरी-संबद्ध कई चैरिटी हैं।'' इसलिए ट्रस्टियों ने टीआरएफ को अपने स्वयं के योगदान प्राप्त करने और उन्हें टीआरएफ कार्यक्रमों में खर्च करने के लिए एक संगठन के रूप में ही रखने का फैसला किया था और अन्य फाउंडेशनों का माध्यम बनने के विपरीत निर्णय लिया गया था।

उन्होंने कहा, ऐसा ही एक प्रश्न अब भारत से भी आया है और मामला एक बार फिर ट्रस्टियों के समक्ष अगली बैठक में उठाया जायेगा।

चित्र: रशीदा भगत

रो ई मंडल 3212 द्वारा एंड पोलियो कार रैली

टीम रोटरी न्यूज़

पहला सफल पोलियो टीका विकसित करने वाले डॉ जोनास साल्क की जयंती मनाने के लिए विश्व पोलियो दिवस (24 अक्टूबर) पर रोटरी क्लब पर्ल सिटी टूटिकोरिन और तिरुनेलवेली अवीरा, रो ई मंडल 3212 द्वारा संयुक्त रूप से एक एंड पोलियो कार रैली का आयोजन किया गया था।

एंड पोलियो नाउ के जिला समन्वयक, पीडीजी चिन्नादुरई अब्दुल्ला ने तूत्तुकुडी से तिरुनेलवेली तक कार रैली को हरी झंडी दिखाई, जिसमें 25 पोलियो से बचे लोगों ने 15 कारों और एक वैन में समान संख्या में रोटेरियन के साथ यात्रा की। पोलियो समाप्ति के बैनर, बीमारी के उन्मूलन में रोटरी की वैश्विक भूमिका का विवरण देने वाले बोर्ड और तख्तियों के साथ कारों पर चिपकाए गए और पर्चे वितरित किए गए। डीजी आर मुत्तैया पिल्लई ने तिरुनेलवेली में रैली करने वालों का स्वागत किया।

एक छोटा जुलूस आयोजित किया गया जो रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ समाप्त हुआ। डीजी पिल्लई ने पोलियो से बचे लोगों को मिठाइयाँ और पटाखे वितरित किए। बाद में, एंड पोलियो नाउ के नारे वाले गुब्बारे छोड़े गए ताकि यह संदेश दिया जा सके कि दुनिया से पोलियो को पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है।

डीजी मुत्तैया पिल्लई (बाएं) कार रैली के बाद पोलियो से पीड़ित एक लड़की को एक स्मारिका भेंट करते हुए।

रोटरी क्लब पर्ल सिटी तूतीकोरिन के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम, सचिव विग्नेश, और आरसी तिरुनेलवेली अवीरा के अध्यक्ष सैयद अली फातिमा और सचिव आयशा परवीन ने कार रैली का आयोजन किया।

समारोह में डीजी पल्लई ने रोटरी क्लब पर्ल सिटी तूतीकोरिन के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम और रोटरी क्लब तिरुनेलवेली अवीरा के अध्यक्ष सैयद अली फातिमा, रोटेरियन और पोलियो से बचे लोगों की उपस्थिति में कार रैली के बाद एक पोलियो पीड़ित लड़की को एक स्मारिका भेंट की।■

निरंतरता और टीम वर्क
समय की मांग

जयश्री

मैं 'मेरा वर्ष' अभिव्यक्ति का प्रशंसक नहीं हूँ। यह मआपका वर्षफहोता भी नहीं। यह रोटरी के वर्ष हैं। हम सभी 12 महीनों तक बस उस पद को संभालते हैं। मैं कोई राजा या देवता नहीं हूँ। न आप है।'' रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने बेंगलुरु जोन संस्थान में डीजीईयों और डीजीएनों को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा, हम रोटेरियन ही हैं जो संगठन को लगातार बेहतर तरीके से आगे ले जा रहे हैं।

निरंतरता की भावना पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एक कार्यकाल के दौरान शुरू की गई प्रत्येक पहल और परियोजना को व्यक्तिगत कार्यकाल से परे होना चाहिए जो रोटरी की स्थायी सफलता में योगदान देते है। उन्होंने अमेरिकी कवि राल्फ वाल्डो इमर्सन का उद्धरण देते हुए कहा, ''इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि किसी कार्य का श्रेय किसे मिलता है, जब तक कि वह कार्य सही से नहीं हो जाता।''

अध्यक्ष मेकिनली और हेतर ने अप्रैल में भारत के नौ शहरों का दौरा किया। ''भारत रोटरी का एक अद्भुत हिस्सा है। बाकी दुनिया को भी उन सभी अद्भुत चीजों पर ध्यान देना चाहिए और जो आप करते हैं उसका जश्न मनाना चाहिए। लेकिन आप जानते हैं कि कुछ बड़ी समस्याएं भी मौजूद है, अध्यक्ष ने चुनावी मुद्दों और मंडल से रो ई मंडल को मिली संबंधित शिकायतों का जिक्र करते हुए कहा। चुनावों के दौरान होने वाला व्यवहार, धमकियां, प्रचार - ये सभी उस अद्भुत रत्न को कलंकित कर रहे हैं जो भारत को रोटरी के ताज में होना चाहिए। मैं कोहिनूर हीरे को तो वापस ला नहीं सकता लेकिन मैं रोटरी के मुकुट के नगीने को चमकते हुए देखना चाहता हूँ।''

उन्होंने सहयोगी कार्य के मूल्य पर जोर देते हुए रोटरी और रग्बी के बीच समानता बताई। ''जिस तरह रग्बी टीम की सफलता के लिए हर खिलाड़ी आवश्यक है उसी तरह रोटरी को आगे बढ़ाने के लिए सभी डीजीयों की सामूहिक प्रतिभा महत्वपूर्ण है। चलिए एक टीम के रूप में काम करें, एक-दूसरे के खिलाफ या अलग-अलग नहीं और एक साथ मिलकर चलें,'' उन्होंने आग्रह किया।

संस्थान के संयोजक और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने रो ई अध्यक्ष की भावनाओं का समर्थन करते हुए चुनावी दुर्व्यवहार से जुड़ी चिंताओं को संबोधित किया। ''आप में से ज्यादातर लोग चुनाव प्रचार में लग जाते हैं और सदस्यता, सेवा परियोजनाओं और सार्वजनिक छवि को भूल जाते हैं। आप सभी असीम क्षमता और योग्यता से भरपूर हैं। क्लबों को विकसित करने में अपनी प्रतिभा का उचित उपयोग करें न कि मंडल में मतभेद पैदा

जयश्री

बाईं ओर से (पिछली पंक्ति में) टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या, पीआरआईडी ए एस वेंकटेश, संस्थान संयोजक आरआईडी राजू सुब्रमण्यन, सह-संयोजक आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी, पीआरआईपी के आर रवींद्रन और GETS अध्यक्ष पीडीजी दीपक पुरोहित। (आगे की पंक्ति) GETS उद्घाटन में माधवी पांड्या, शिप्रा रॉयचौधरी, विद्या सुब्रमण्यन, वनाती रवींद्रन, विनीता वेंकटेश और वीणा पुरोहित।

करें। सभी को एक साथ लाएं ताकि मंडल एक ऐसा निकाय बन जाए जिससे हमारे द्वारा की जाने वाली सेवा, हमारे द्वारा सेवा किए जाने वाले समुदाय और हमारे द्वारा बदली जाने वाली जिंदगियों का दायरा बढ़ जाएं। इससे ही दुनिया में उम्मीद पैदा हो रही है।

भारत में रोटरी की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, कोई भी हमारे जैसी अभिनव सेवा परियोजनाएं नहीं करता। संस्थान को देने में हम नंबर 2 और सदस्यता में नंबर 1 पर है। इसलिए इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि संगठन के गौरव को आगे बढ़ाने के लिए आपको एक गवर्नर के रूप में क्या करना चाहिए।

रो ई निदेशक आगे कहते है: इससे आपको क्या फर्क पड़ता है कि कौन गवर्नर के रूप में चुना जाएगा। आप विभिन्न समूहों का समर्थन करके क्लबों को विभाजित कर रहे हैं। क्लबों के बिना रोटरी हो ही नहीं सकती। अदालतों में जाना बंद करें और अपने विवादों को अपने मंडल के भीतर ही सुलझाएं।

अगर मुझे जोन के चुनावों में किसी तरह का प्रचार दिखाई दिया फिर चाहे वह पीडीजी का हो या डीजी का मैं इस पर कड़ी कार्यवाही करूंगा। रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी और मुझे पता है कि जब हम बोर्ड की बैठक में जाते हैं तो कैसा महसूस होता है। जब हम अपने साथी रोटेरियनों से मिलते हैं तो हमें खुशी नहीं होती क्योंकि बोर्ड को भारत से इतनी सारी शिकायतें मिलती हैं। अगर हम इसे सुधार लें तो भारत वास्तव में रोटरी के ताज में एक नगीना होगा। दुर्भाग्य से अंग्रेजों ने कोहिनूर छीन लिया लेकिन यहाँ हम रोटरी में मौजूद कोहिनूर को बर्बाद कर रहे हैं।

वित्तीय लेनदेन की पारदर्शिता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, वहाँ पर लगा एक भी काला धब्बा हमें हमारे संस्थान में धन के प्रवाह से वंचित कर देगा। दानकर्ता को सीधे लाभार्थी से जोड़ें न कि वेबसाइट से ताकि दानकर्ता को पता चले कि उसका दान लाभार्थी तक पहुँच रहा है।

सुब्रमण्यन ने डीजीईयों और डीजीएनों को ड्थजढ विश्लेषण करने, छोटे क्लबों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करने की सलाह दी और सार्वजनिक छवि बढ़ाने के लिए रोटरी व्हील की छवि को पेश करने के महत्व को रेखांकित किया। डीजीयों से उन्होंने कहा, मफअगले छह महीनों का

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और आरआईडी सुब्रमण्यन।

इस्तेमाल उस 40 मिलियन डॉलर को इकट्ठा करने में करें जिसका हमने संस्थान से वादा किया है। पुरस्कारों के लिए सदस्यता न बढ़ाएं। ऐसे सदस्यों को शामिल करें जो रोटरी में जीवन भर रहें न कि अगले वर्ष की शुरुआत में छोड़ जाएं।

नेतृत्व में नैतिकता के बारे में बोलते हुए पीआरआईपी के आर रवींद्रन ने तीन महत्वपूर्ण मुद्दों - चुनाव, नेतृत्व या जवाबदेही और नियुक्तियों पर बात की। जब चुनाव प्रचार की मनाही को लेकर एक स्पष्ट कानून मौजूद है तो आप ऐसा नहीं कर सकते। यह हमें नैतिक नहीं बनाता, उन्होंने कहा और डीजीईयों से आग्रह किया कि वे अपने मंडलों में घोषणा करें कि अगर उन्हें कहीं भी चुनाव प्रचार दिखाई देता है तो उनके नाम मतपत्र से हटा दिए जाएंगे।

रो ई द्वारा स्थापित पहली स्टीवर्डशिप कमेटी, जिसमें पीआरआईपी मार्क मैलोनी अध्यक्ष थे, के सदस्य के रूप में रवींद्रन ने एक नर्सरी के दौरे को याद किया जो किसी अन्य व्यक्ति से संबंधित थी। क्लब ने मिलान अनुदान कार्यक्रम के तहत पैसे का दावा करने के लिए अपनी सामुदायिक परियोजना के रूप में इसे फाउंडेशन को दिखाया। उन्होंने दो नकली परियोजनाओं का हवाला दिया - एक एम्बुलेंस का उपयोग एक न्यायाधीश की पुस्तकों को अदालत तक ले जाने में किया जा रहा था और दूसरी एम्बुलेंस एक पर्यटक वाहन के रूप में उपयोग की जा रही थी! एक अन्य उदाहरण एक ट्यूबवेल की तस्वीर का था जिसे एक रोटरी क्लब टीआरएफ से अनुदान प्राप्त करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं के रूप में अनेक अवसरों पर अपलोड कर रहा था। उन्होंने आग्रह किया कि समुदाय के विश्वास को बनाए रखने के लिए नेतृत्व में पारदर्शिता महत्वपूर्ण है।

मैंने देखा है कि कभी-कभी जब लोगों को रो ई बोर्ड द्वारा दंडित किया जाता है तो दो साल बाद कोई और आकर उसे वापस लेने के कागज़ प्रस्तुत करता है। अध्यक्ष से मेरा अनुरोध है कि आपके बोर्ड को इन लोगों को तब तक माफ नहीं करना चाहिए जब तक आप उस बोर्ड के अध्यक्ष से बात नहीं कर लेते जिसने इन लोगों को वास्तविक रूप से दंडित किया था। क्योंकि आप तथ्यों से अवगत नहीं हैं, उन्होंने कहा।

नियुक्तियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह मंडल के नेताओं के लिए फायदे का सौदा है जब आप अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं तो वो काम करते हैं और आपको श्रेय मिलता है।

रोटरी में नैतिक नेतृत्व एक चरण नहीं है। यह वह आधार है जिस पर हमारे संगठन की प्रतिष्ठा और सफलता टिकी होती है। नैतिक नेतृत्व शीर्ष से शुरू होता है। यदि शीर्ष ख़राब है तो इसके नीचे मौजूद हर चीज ख़राब रहती है। नेताओं के रूप में आपको तालमेल बैठाना पड़ता है। हमारे सिद्धांत 1932 में हर्बर्ट टेलर द्वारा डिजाइन किए गए हमारे 4-मार्ग परीक्षण में निहित हैं। यह आपके सभी कार्यों के लिए एक मॉडल कोड के रूप में कार्य करता है ताकि आप सीमा से परे जाकर कुछ ऐसा

करें जो सभी के लिए उचित हो। हम जो उदाहरण पेश करते है वो पूरे संगठन में प्रभाव डालता है, वह कहते है।

संस्थान के सह-संयोजक, रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी ने कहा कि रोटरी को आगे की सोच रखने वाले नेताओं की आवश्यकता है जो हमारे रोटरी क्लबों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य के लिए रणनीतिक दिशा दिखा सकें। क्लबों को मजबूत करें और अपनी योजनाओं में रोटेरियनों को शामिल करें। ''सदस्यता अवरोधन केवल तभी हो सकता है जब प्रत्येक रोटेरियन की इसमें रुचि बनी रहे।''

टीआरएफ न्यासी उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने मंडल के नेताओं से बेहतर बनने के लिए अपनी क्षमताओं को विकसित करने का आग्रह किया। ''यह साल और यह पद दोबारा नहीं मिलेगा। आपके पास एक वर्ष है। इसलिए अपने लक्ष्य को निर्धारित करें और अपनी टीम को सपने देखने और अधिक करने के लिए प्रेरित करें। उदाहरण के साथ नेतृत्व करें। जब आप नेतृत्व पद पर होते हैं तो आपकी टीम आपको उत्सुकता से देखती है कि क्या आप वो कर रहे हैं जो आप उनसे करने के लिए कहते हैं। व्यक्तिगत

> **आप सभी असीम क्षमता और योग्यता से भरपूर हैं। क्लबों को विकसित करने में अपनी प्रतिभा का उचित उपयोग करें न कि मंडल में मतभेद पैदा करें।**
>
> **राजु सुब्रमण्यन**
> रो ई निदेशक

मान्यता के बजाए सहयोग पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, रोटरी में कोई 'मैं' नहीं है, यह हमेशा 'हम' है। सभी के साथ सम्मानित व्यवहार करें। आप सभी के बराबर हैं। याद रखें कि आप गले लगाने या हाथ मिलाने को ईमेल नहीं कर सकते। हमेशा अपनी टीम के सभी सदस्यों के लिए एक मुस्कान या गले लगाना आरक्षित रखें। ईमानदारी से कभी समझौता न करें जो हमारे संगठन की प्रतिष्ठा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।''

पांड्या ने नेताओं से एक नए नजरिए से चुनौतियों का सामना करने का आग्रह किया और लचीलेपन तथा सकारात्मक मानसिकता की ताकत की वकालत की। ''चुनौतियों को खुद पर हावी न होने दें। इसके बजाय मौजूदा स्थिति का लाभ उठाएं और हर चुनौती का डटकर सामना करें। अगर आप किसी चीज़ में अपनी जी जान लगा देते है तो आपकी सफलता निश्चित है,'' उन्होंने कहा।

जनरल ट्रेनर पी आर आई डी ए एस वेंकटेश ने कहा, ''गवर्नर होने का मतलब पुरस्कार हासिल करना नहीं है। उन पुरस्कारों को जल्द ही आपके अलावा बाकी सभी लोग भूल जाएंगे। लेकिन लोग जो याद रखेंगे वह यह है कि आपने अपने क्षेत्र में अपने नेतृत्व के माध्यम से क्या प्रभाव लाया है। वास्तव में पुरस्कार मंडलों की तुलना करने का अनुचित तरीका है क्योंकि प्रत्येक मंडल में आपके पास मौजूदा संरचना, जनसंख्या, प्राथमिकताएं, आवश्यकताएं और संसाधन अलग-अलग होते हैं। इसलिए आप अपनी क्षमताओं से बढ़कर करने का प्रयास करें।''

पीडीजी दीपक पुरोहित GETS के अध्यक्ष थे और पीडीजी गुरजीत सेखों GNTS के अध्यक्ष थे। मंडल प्रशिक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठी का नाम बदलकर मंडल शिक्षण सुविधाप्रदाता संगोष्ठी कर दिया गया और इसकी अध्यक्षता पीडीजी एस नागेंद्र ने की। ■

रोटरी क्लब मनसा रॉयल एक कैंसर जांच शिविर आयोजित करता है

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब फरीदकोट, रो ई मंडल 3090 और रोटरी क्लब ताइपे तुंगतेह ताइवान, रो ई मंडल 3522 के साथ वैश्विक अनुदान साझेदारी के तहत, रोटरी क्लब दिल्ली राजधानी, रो ई मंडल 3011 के सहयोग से, 200,000 डॉलर मूल्य की रोटरी गुणवती बंसल मेमोरियल कैंसर डिटेक्शन वैन बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ को सौंपी गई। विज्ञान, फरीदकोट, 2017-18 में। दिवंगत पीडीजी विनोद बंसल ने तब इस परियोजना का नेतृत्व किया था।

कैंसर स्क्रीनिंग वैन के सामने रोटेरियन।

यह वैन रो ई मंडल 3090 के रोटरी क्लबों के सहयोग से ग्रामीण राजस्थान और पंजाब में प्रारंभिक जांच और जागरूकता शिविर सक्रिय रूप से चला रही है। हाल ही में, रोटरी क्लब मनसा रॉयल, रो ई मंडल 3090 ने डॉक्टरों और तकनीशियनों की एक टीम की मदद से स्क्रीनिंग के लिए वैन का उपयोग किया। बाबा फरीद यूनिवर्सिटी से मनसा के पास के गांवों में 100 से अधिक लोगों की जांच की गई और लगभग 55 लोगों को आगे के निदान के लिए शहर के अस्पतालों में भेजा गया। ■

BECOME A DOCTOR IN USA

XAVIER UNIVERSITY ARUBA'S 6 YEAR PROGRAMME TO TRANSFORM YOUR AMERICAN DREAM INTO A REALITY

DOCTOR OF MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 3 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island- Netherland

Final year
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

The session starts in Jan / May / Sept 2024

To apply, Visit: application.xusom.com

Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712

email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR **H1/J1 Visa** PROGRAMME

ADVT.

टीआरएफ दानकर्ताओं ने भारत को गौरवान्वित किया

रशीदा भगत

बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट की पूर्व संध्या पर एक भव्य और सुरुचिपूर्ण तरीके से आयोजित रात्रि भोज में, जहां हर मेज पर प्रत्येक अतिथि के लिए व्यक्तिगत मेनू कार्ड मौजूद था, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और अनुरुद्धा रॉयचौधरी, टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या और कई अन्य रो ई नेताओं और रोटरी भारत के वरिष्ठ नेताओं ने टोस्ट कर रोटरी फाउंडेशन को शुभकामनाएं दीं।

कुछ ही देर पहले, भारत के नए आर्च क्लम्फ़ सोसाइटी के सदस्यों (बॉक्स में सूची) ने दान देने के महत्त्व पर अपने अनुभव और कहानियां सुनाई थीं, किस चीज़ ने उन्हें टीआरएफ में दान करने के लिए प्रेरित किया, चाहे वह शौचालयों के निर्माण, साक्षरता और स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल स्वच्छता परियोजनाएं, महिलाओं और शारीरिक रूप से विकलांगों को कुशल बनाना हो या ऐसी ही अन्य सामुदायिक विकास परियोजनाएं।

अध्यक्ष मेकिनली ने एकेएस में शामिल हुए नए लोगों को उनकी उदारता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए कहा कि दुनिया भर में उनके और उनकी पत्नी हेतर के लिए इस तरह के आयोजनों

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, रो ई निदेशक हेनरिक बारबोसा डी वास्कोनसेलोस का स्वागत करते हुए।

ऊपर: (बाएं से) ए के एस सदस्य रंजीत प्रताप और उमा; सरोज और घनश्याम अग्रवाल; और गौरी और श्रीनिवास। (पिछली पंक्ति) मीना और कृष्णा चौधरी; बहरी मल्होत्रा के परिवार के सदस्य - पूजा सूद, प्रीति और अश्विनी मल्होत्रा; और पीडीजी वी आर मुत्तु।

बाएं: (बाएं से) पीआरआईपी गण के आर रवींद्रन, राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली के साथ।

दाएं: (बाएं से) रो ई मंडल 3191 डीजी उदयकुमार भास्कर, उमा नागेश, रविशंकर डकोजू, पीडीजी विनय कुलकर्णी और संस्थान के अध्यक्ष के पी नागेश।

ऊपर: आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी और शिप्रा के साथ टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या।

बाएं: पीआरआईपी गण साबू और बेनर्जी।

के लिए जाना ''हमेशा एक विशेष और प्रेरणादायक और क्षण होता था। ऐसे आयोजन हमारे लिए उन कहानियों को सुनने का एक अद्भुत अवसर होता हैं जो उन लोगों को जुनून की हद तक उनको प्रेरित करती हैं जो हमारे फाउंडेशन के लिए इतनी उदारता से योगदान करते हैं। हमारे फाउंडेशन के लिए प्रत्येक दान महत्वपूर्ण है, लेकिन जिस सीमा तक आप टीआरएफ में योगदान दे रहे हैं, आप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं और हम आपका जश्न मनाते हैं। मैं अपने फाउंडेशन के लाभार्थियों के बारे में सोचे बिना ऐसे समारोहों में कभी नहीं उतरता।''

जैसा कि उन्होंने लोगों से अपनी कहानियाँ साझा करते हुए सुना, ''पिछले कुछ क्षणों में मैंने उन लोगों के बारे में विचार किया जिनसे हीथर और मैंने पिछले कुछ महीनों में मुलाक़ात की हैं, जिन्होंने उन क्षेत्रों में लाभ उठाया है जिनमें आपने अपनी रुचि घोषित की है। मैं मेक्सिको के उन स्कूलों के बच्चों के बारे में सोचता हूं, जहां मैं कुछ हफ्ते पहले गया था,

एकेएस में शामिल हुए

वीआर मुत्तु और मलरविळि मुत्तु	- RID 3212
इंद्राणी और डीआर पटनायक	- RID 3261
घनश्याम और सरोज अग्रवाल	- RID 3192
रणजीत प्रताप और उमा रणजीत	- RID 3232
गौरी श्रीनिवास और श्रीनिवास टी	- RID 3191
कृष्णा और मीना चौधरी	- RID 3141
स्वर्गीय बाहरी बलदेवराज और स्वर्गीय कंवल मल्होत्रा (प्रतिनिधित्व - रोटेरियन अश्विनी और प्रीति मल्होत्रा द्वारा)	- RID 3131
रूप और बीना ज्योति	- RID 3292

नीचे से दक्षिणावर्त: टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या, आरआरएफसी (बाएं से) राकेश शर्मा, दीपक गुप्ता, सैम मोव्वा और माधव चंद्रन; (बाएं से) पीडीजी गण संदीप अग्रवाला, राजा सीनिवासन, वी आर मुत्तु, जयंती सीनिवासन, कमला मुत्तुपलनियाप्पन और मालिनी अग्रवाला; (बाएं से) आरआईडी सुब्रमण्यन, पीआरआईपी साबू, हेतर, अध्यक्ष मेकिनली, पीआरआईपी रवींद्रन, वानाती और टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या; (बाएं से) टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या, पीआरआईडी बास्कर, आरआईडी गण जेरमी हर्स्ट और सुब्रमण्यन, और पीआरआईडी मनोज देसाई; (बाएं से) उमा, सोनल, पीआरआईडी कमल संघवी और पीडीजी नागेश; टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या, अध्यक्ष मेकिनली के साथ बातचीत करते हुए, चित्र में पीडीजी एन सुब्रमण्यन (बाएं) और अशोक कंतूर भी शामिल हैं।

ऊपर से दक्षिणावर्त: उषा साबू के साथ अध्यक्ष मेकिनली और हेतर; संस्थान के संयोजक आरआईडी सुब्रमण्यन, आरआईडी वास्कोनसेलोस, रेनाटा, नाड़ज़ा और आरआईडी हंस-हरमन कास्टेन; (बाएं से) विद्या, आरआईडी सुब्रमण्यन, टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या और माधवी; रोटरी क्लब मद्रास के पूर्व अध्यक्ष रंजीत प्रताप, पीआरआईडी सी बास्कर और पीआरआईपी रवींद्रन; पीआरआईपी बेनर्जी के साथ हेतर; संस्थान सचिव पीडीजी समीर हरियाणी और रूपा।

जिन्हें स्कूल संसाधन दिए गए थे, रोटरी फंडिंग का धन्यवाद, टीआरएफ का शुक्रिया, आप जैसे लोगों को धन्यवाद है। अभी मैं मंगोलिया के उन युवाओं के बारे में सोचता हूं, जो टीआरएफ के लाभार्थी थे, एक महीने पहले ही जिनको अपना भविष्य संवारने के लिए घर दिए गए थे। कोरिया में शोषित बच्चे जिन्हें टीआरएफ की बदौलत मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहायता दी जा रही है।''

मेकिनली ने कहा: मैं यहां खड़ा हूं, रो ई अध्यक्ष के रूप में सिर्फ आप को 'धन्यवाद' कहने के लिए नहीं। ''मैं उन सभी लाभार्थियों की ओर से... मैक्सिको के बच्चों, मंगोलिया के लोगों और कोरिया के बच्चों की ओर से भी आपकी उदारता को धन्यवाद कहने के लिए खड़ा हूं।''

एकेएस सदस्यों और टीआरएफ के सभी दानदाताओं को धन्यवाद देते हुए, टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने बताया, ''यदि रोटेरियन

पीआरआईपी गण साबू, बेनर्जी और रवींद्रन।

ए के एस सदस्य मुत्तु, टीआरएफ उपाध्यक्ष पांड्या, रो ई अध्यक्ष मेकिनली और ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड की उपस्थिति में अपने विचार साझा किए।

पीडीजी दीपक गुप्ता और रीना, पीआरआईडी बास्कर और माला के साथ।

पीआरआईपी साबू और उषा के साथ पीआरआईडी मनोज देसाई और शर्मिष्ठा।

PRIDs अशोक महाजन और संघवी।

उषा साबू और नयनतारा महाजन।

रोटरी का दिल हैं, तो टीआरएफ रोटरी की रीढ़ है। टीआरएफ हमारे दरवाजे से शुरू होकर दुनिया के हर कोने में पहुँच कर विश्व के लाखों लोगों को फायदा पहुंचाता है।''

इंस्टिट्यूट के संयोजक और रो ई निदेशक सुब्रमण्यन ने कहा: ''हम इस साल और हर साल अपने फाउंडेशन को पीछे मुड़कर देखने, प्रतिबिंबित करने और सहयोग करने के लिए यहां मिलते हैं। इसे मेरे वर्ष या अपने वर्ष का नाम मत दो; यह हमारा साल है, ये साल और हर साल। हममें से प्रत्येक को फाउंडेशन में योगदान जारी रखना चाहिए, क्योंकि हम रोटरी में देने के लिए आए हैं, लेने के लिए नहीं। प्रत्येक वर्ष पिछले वर्ष से बेहतर वर्ष होना चाहिए...''

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

ADVT.

सुखी एवं समृद्ध
नव वर्ष 2024 की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

@ शासकीय ईरोड मेडिकल कॉलेज परिसर – पेरुंदुराई

विश्व रिकार्ड परियोजना – रोटरी अस्पताल

400 Bedded. **69250 sq ft** construction in just **45 days** at a cost of **Rs. 20 crores during covid 2nd wave.**

Certified by

ELITE WORLD RECORDS · ASIAN RECORDS ACADEMY · INDIA RECORDS ACADEMY · TAMILAN

ईरोड में रोटरी अस्पताल के निर्माण का अवसर देने के लिए सभी रोटेरियन को बहुत बहुत धन्यवाद।

TEEMAGE PRECAST IN

Rtn. AKS. N K Nandhagopal Managing Director - Teemage
@ all the Staff Members of Teemage, Tirupur.
+91 82204 55555, +91 421 2200488, +91 421 2240488
sales@teemageprecast.in www.teemageprecast.in

रोटरी के दिग्गजों का सम्मान

रशीदा भगत

रोटरी ज़ोन इंस्टीट्यूट में, भारत में रोटरी के दो दिग्गजों, दोनों पूर्व रो ई अध्यक्षों - राजेंद्र साबू और कल्याण बेनर्जी - को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पीआरआईपी साबू के प्रशस्ति पत्र को पढ़ते हुए, रो ई निदेशक राज सुब्रमण्यन ने कहा कि उन्हें ''आजीवन अनुकरणीय सेवा करने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। एक प्रतिष्ठित उद्योगपति, परोपकारी और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में, साबू ने रोटरी संस्थान के न्यासी अध्यक्ष सहित महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।'' उनका प्रभाव बोर्ड रूम से परे गया है और 1998 से उन्होंने पूरे अफ्रीका में रोटरी की स्वास्थ्य देखभाल परियोजनाओं में उल्लेखनीय योगदान दिया है। ''सामुदायिक सेवा और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सीमाओं से परे थी... सीमाओं से परे सेवा द्वारा चिह्नित उनकी विरासत, रोटरी और गैर-रोटरी समुदायों को समान रूप से प्रेरित करती है।'' उन्हें रोटरी के स्वयं से ऊपर सेवा के आदर्श के प्रति उनके परिवर्तनकारी योगदान और अटूट समर्पण के लिए सम्मानित किया जा रहा था।

पुरस्कार स्वीकार करने के पश्चात अपने भाषण में, साबू ने कहा कि वह काम के सिलसिले में चंडीगढ़ आए थे और लोगों को जानने के लिए रोटेरियन बन गए। रोटरी में उनकी यात्रा रोमांचक रही और इस दौरान उन्होंने दोस्त बनाए, और क्लब अध्यक्ष, मंडल गवर्नर, रो ई निदेशक और अंत में रो ई अध्यक्ष बने। जब उनकी पत्नी उषा ने सुझाव दिया कि ''हमें व्यावहारिक सेवा करनी चाहिए और भारत से परे देखना चाहिए,'' तो उन्होंने अफ्रीका में चिकित्सा मिशन शुरू किये जिससे उन्हें बहुत संतुष्टि मिली।

एक बहुत ही भावुक भाषण में आगे कुछ शब्द कहते हुए, उषा साबू ने राजा को ''दिए गए प्यार, स्वीकृति एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। उनके बोलने और सुनने की क्षमता अब कम हो गई है, लेकिन 90 साल की उम्र में भी वह चिकित्सा मिशन कर रहे हैं, दिल की सर्जरियों का आयोजन कर रहे हैं और अपने क्लब (रोटरी क्लब चंडीगढ़) की सभी परियोजनाओं में भाग ले रहे हैं। वह यह सब इसलिए कर सके क्योंकि आप रोटरी में उनके दोस्त हैं और उनमें रोटरी की भावना को जीवित रख रहे हैं।''

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी को सम्मानित करते हुए, रो ई निदेशक सुब्रमण्यन ने कहा कि ''तीसरे भारतीय रो ई अध्यक्ष के रूप में, उनके कार्यकाल के दौरान भारत टीआरएफ का एक प्रमुख योगदानकर्ता बना। यूनाइटेड फॉस्फोरस के निदेशक के रूप में, उन्होंने वापी को एक औद्योगिक केंद्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' 1972 के बाद से उनकी व्यापक रोटरी यात्रा ने उन्हें नेतृत्व की कई जिम्मेदारियां सौंपी, जिससे उन्हें रो ई अध्यक्ष के रूप में रोटरी के शिखर पर पहुँचाया। उन्होंने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय समितियों में कार्य किया, ''विशेष रूप से भारत में पोलियो उन्मूलन प्रयासों का संचालन किया। उनके विचारों और नेतृत्व का सार उनके इन शब्दों से समझा जा सकता है: 'रोटरी में नेतृत्व करना अलग है क्योंकि यहां आप अपने बराबर के लोगों का नेतृत्व कर रहे होते हैं। आप यहां आदेश देने के लिए नहीं बल्कि सहायता करने के लिए आए हैं।''' इन शब्दों ने संक्षेप में सहयोगपूर्ण नेतृत्व एवं सेवा के उनके चरित्र की झलक प्रस्तुत की। ''यह लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार स्वयं से ऊपर सेवा एवं सहयोग को बढ़ावा देने में उनके असाधारण नेतृत्व को स्वीकार करता है।''

बैठक को संबोधित करते हुए बेनर्जी ने इंस्टीट्यूट समिति को ''आपके द्वारा आज मुझे दी गई पहचान और सम्मान के लिए धन्यवाद'' दिया। विनम्रता दिखाते हुए, उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ

बाएं: पीआरआईपी राजेंद्र साबू और उषा को (बाएं से) संस्थान के अध्यक्ष के पी नागेश, आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो, आरआईडी राजू सुब्रमण्यन, विद्या, पीआरआईपी के आर रवींद्रन, पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी, आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी और टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या की उपस्थिति में रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर द्वारा सम्मानित किया गया।

टैगोर के उन शब्दों को उद्धृत किया जब उन्हें बताया गया था कि वह 1911 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं। ''अपने अनोखे शब्दों में उन्होंने कहा था: 'आप मुझे जिस पुरस्कार से सम्मानित कर रहे है मैं उसका हकदार नहीं हूं और मेरे लिए इसे समझना मुश्किल है क्योंकि मैं वही कर रहा हूं जो मैंने हमेशा से किया है।'''

उनका भी मानना था कि रोटरी के माध्यम से उन्होंने जो कुछ भी किया था, ''जिसे मैं मेरे मन में संजोता हूं,'' अन्य रोटेरियन के साथ 51 वर्षों तक की गई लोगों की सेवा का परिणाम था। ''जब भारत 2012 में पोलियो के चंगुल से आजाद हुआ (जब वह रो ई अध्यक्ष थे) तो यह अविश्वसनीय था। जैसा कि ऐसे मौकों पर होता है, जमीनी स्तर पर मौजूद लोग ही काम करते हैं, लेकिन पहचान साहब को मिलती है! इसके बवाजूद भी, यह काम वास्तव में एक अविश्वसनीय रूप से किया गया था, क्योंकि किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि यह इतनी जल्दी संभव होगा।''

रो ई अध्यक्ष मेकिनली ने पीआरआईपी साबू, आरआईपीएन डी कैमार्गो, पीआरआईपी रवींद्रन और आरआईडी रॉयचौधरी की उपस्थिति में पीआरआईपी बेनर्जी का सम्मान किया।

आरआईडी सुब्रमण्यन ने पीआरआईडी पांडुरंग सेट्टी के बेटे श्याम और रो ई अध्यक्ष मेकिनली की उपस्थिति में दिवंगत पीआरआईडी पांडुरंगा सेट्टी के सम्मान में प्रशस्ति पत्र पढ़ा।

उन्होंने कहा, ''मैं 2016-17 में टीआरएफ का नेतृत्व करने के लिए भाग्यशाली था, जब पहली बार टीआरएफ ने 300 मिलियन डॉलर जुटाए थे।''

इसके बाद बेनर्जी ने एक मार्मिक टिप्पणी की, जिसने कई दर्शकों की आंखों को नम कर दिया। अपनी पत्नी बिनोता को खोने पर अपना दर्द और पीड़ा व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा, ''बदकिस्मती से, भाग्य ने मेरा साथ जल्द छोड़ दिया, क्योंकि कोविड के दिनों के दौरान एक जटिल किडनी सर्जरी की वजह से मैंने अपनी पत्नी बिनोता को खो दिया। मैं रोटरी में एक बार फिर से खुद को डुबोकर, वापी में एक विश्वविद्यालय का निर्माण करके, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के निर्माण के लिए फिर से काम करके, यात्रा करके और अन्य सामुदायिक कार्यों में संलग्न होकर उस नुकसान से उबरने की असफल कोशिश कर रहा हूं। इससे मुझे किशोर कुमार का एक पुराना गीत याद आता है: *मुसाफिर हूं यारो, ना घर हैं ना ठिकाना, मुझे चलते जाना है, बस चलते जाना।''*

पीआरआईडी पांडुरंगा सेट्टी को रोटरी के लिए उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया, जो उनके बेटे श्याम को प्रस्तुत किया गया। 21 जनवरी, 2023 को उनका निधन हुआ था।

चित्र: रशीदा भगत

जेननेक्स्ट के लिए रोटरी की ब्रांडिंग

वी मुत्तुकुमारन

फिनटेक कंपनी कैंडेक्स की वैश्विक विपणन प्रमुख और उपभोक्ता ब्रांड तैयार करने में विशेषज्ञ नूपुर गडकरी दस लाख से अधिक प्रेरणादायक वास्तविक जीवन की कहानियों को सुसंगत, संरचित और सूक्ष्म तरीके से साझा करने की आवश्यकता पर जोर देती हैं। यह रोटरी ब्रांड को एक स्थायी विरासत बनाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए निरंतर वैश्विक प्रभाव की अपील सुनिश्चित होगी।''

बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट में प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व जनसंख्या की औसत आयु 30 वर्ष है, और यह पीढ़ी चौबीसों घंटे इंटरनेट से जुड़ी रहती है और सोशल मीडिया से जुड़ी रहती है। तो, आप एक विशिष्ट लोगो, रंग, संदेश, फ़ॉन्ट और पृष्ठभूमि के साथ ब्रांड रोटरी कैसे बनाते हैं... ये सभी आम आदमी के दिमाग पर प्रभाव डालेंगे, उन्होंने कहा।

आज की दुनिया में, युवा पीढ़ी नए विचारों और चैटजीपीटी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रति ग्रहणशील है। सोशल मीडिया पर उनका ध्यान हावी हो रहा है और पारंपरिक मीडिया कम प्रासंगिक होता जा रहा है, नूपुर गडकरी का सुझाव है कि रोटरी को बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है। वह सोशल मीडिया पर सूचनाओं की अधिकता के बीच रोटरी को एक विशिष्ट ब्रांड पहचान स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देती हैं। गडकरी सीमित ध्यान अवधि वाले युवा दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए नई तकनीकों को अपनाने की वकालत करते हैं। कोका कोला, मैकडॉनल्ड्स, केलॉग्स या संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों जैसे उद्योग के दिग्गजों के साथ प्रतिस्पर्धा न करने के बावजूद, वह रोटरी को एक शक्तिशाली और सार्थक ब्रांड बनाने के लिए अपनी अनूठी कहानियों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

प्रतिबिंबित करने का समय

रोटरी कहानी को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के महत्व पर विचार करते हुए, नूपुर गडकरी एक स्पष्ट ब्रांड रणनीति की आवश्यकता पर जोर देते हैं। इसमें एक परिभाषित ब्रांड ब्लूप्रिंट (रोटरी कैसे दिखना चाहता है), ब्रांड पहचान (वर्तमान में इसे कैसे चित्रित किया जाता है), और ब्रांडिंग (इसे कैसे माना जाता है) शामिल है। वह एक प्रतिष्ठित रोटरी ब्रांड बनाने के लिए समाज के साथ भावनात्मक संबंध स्थापित करने के महत्व पर जोर देती हैं। नूपुर का सुझाव है कि रोटेरियन को एक एकीकृत दृष्टिकोण के लिए सहयोग करना चाहिए, जिससे युवा पेशेवरों के साथ सुसंगत आवाज, भाषा और विचारों को सुनिश्चित किया जा सके। सूचना और प्रौद्योगिकी से भरी दुनिया में, वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्थायी ब्रांड विरासत बनाने के लिए कहानी कहने की शक्ति का उपयोग करने के लिए रोटरी की वकालत करती हैं।

स्कूलों में स्वास्थ्य साक्षरता

पोलियो मुक्त दुनिया हासिल करने की कगार पर रोटरी के साथ, आगे चलकर यह विभिन्न

रो ई निदेशक जेरमी हर्स्ट और पीआरआईडी अशोक महाजन ने नूपुर गडकरी का सम्मान किया। चित्र में (बाएं से) पीआरआईडी मनोज देसाई, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, विद्या और टीआरएफ उपाध्यक्ष भरत पांड्या भी शामिल हैं।

हितधारकों के साथ काम करके स्कूलों को बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाला बना सकता है। बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य में सुधार रोटरी के डीएनए का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है,फ्फ़ डब्ल्यूएचओ, जिनेवा में स्वास्थ्य संवर्धन के निदेशक डॉ रुडिगर क्रेच ने एक पूर्ण सत्र के दौरान कहा।

डॉ क्रेच स्कूलों के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में रोटरी की संभावित भूमिका पर जोर देते हैं, खासकर पोलियो के लगभग उन्मूलन के साथ। उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले और असमानताएं पैदा करने वाले सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय कारकों सहित, COVID-19 महामारी से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों पर प्रकाश डाला। स्वास्थ्य संवर्धन के लिए ओटावा चार्टर का उल्लेख करते हुए, उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल निवारक उपायों और स्वास्थ्य साक्षरता के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक कौशल पर केंद्रित ऐसी पहल से न केवल छात्रों को लाभ होगा बल्कि उनके परिवारों और समुदायों तक भी इसका विस्तार होगा।

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, डॉ रुडिगर क्रेच, निदेशक, डब्ल्यूएचओ को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

पोलियो उन्मूलन प्रयासों के उदाहरण का उपयोग करते हुए, डॉ क्रेच रोग उन्मूलन की जटिलता और गलत सूचना से निपटने और सामुदायिक विश्वास के निर्माण के महत्व पर जोर देते हैं। उन्होंने रोटरी से गैर-संचारी रोग जोखिम कारकों को संबोधित करने के लिए विश्व स्तर पर स्कूलों में स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ावा देने का नेतृत्व करने का आग्रह किया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

TRF की मदद से अच्छे कार्य

गुवाहाटी में 3-इन-1 चिकित्सा सुविधा

टीम रोटरी न्यूज़

असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने महानिदेशक नीलेश अग्रवाल, पीडीजी मानस चौधरी, कल्पना खौंड और देबाशीष दास की उपस्थिति में केजीएमटी अस्पताल, गुवाहाटी में तीन अत्याधुनिक सुविधाओं - एक ब्लड बैंक, एक नेत्र अस्पताल और एक फिजियोथेरेपी इकाई - का उद्घाटन किया।

रो ई मंडल 3240 द्वारा वैश्विक अनुदान परियोजना के माध्यम से रो ई मंडल 3282, बांग्लादेश के साथ भागीदार के रूप में लगभग ₹2 करोड़ की लागत से सुविधाएं स्थापित की गईं। 2019-20 में गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, पीडीजी दास ने जीजी परियोजना के लिए सीड फंड बनाने के लिए निर्देशित उपहार के रूप में 30,000 के साथ परियोजना शुरू की।

केजीएमटी अस्पताल, गुवाहाटी में सुविधाओं के उद्घाटन पर डीजी नीलेश अग्रवाल।

बाद में, प्राथमिक संपर्क के रूप में बुधिन बोरठाकुर के साथ एक समिति का गठन किया गया। पीडीजी अरविंद फुकन (अमेरिका से), एन एन दत्ता, प्रभात केडिया और अरिजीत एंडो, डॉ अनिल महंत और गुवाहाटी के सभी आठ क्लबों के अन्य रोटेरियन ने चिकित्सा परियोजना की सफलता के लिए काम किया था। ■

आगामी नेतृत्वकर्ताओं के लिए सफलता के मंत्र

जयश्री

सपने देखो, जुड़ो, डटे रहो - ये मार्गदर्शक सिद्धांत हैं जिन पर आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो ने बेंगलुरु जोन इंस्टीट्यूट में आये सभी डीजीएन पर जोर दिया।

रोटरी फाउंडेशन की स्थापना पर विचार करते हुए, आरआईपीएन डी कैमारगो ने बड़े सपने देखने के महत्व को रेखांकित किया। ''जब आर्च क्लंफ ने 1917 में संस्थान की स्थापना की, तो वह इसके एकमात्र समर्थक थे क्योंकि दुनिया भर के रोटरी अध्यक्षों ने सोचा था कि संस्थान ध्यान आकर्षित करने के लिए रो ई के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। क्लंफ को अपनी कंपनी में संस्थान का कार्यालय स्थापित करना पड़ा क्योंकि रो ई कार्यालय के लिए जगह नहीं देता। 26.5 डॉलर की प्रारंभिक निधि से अलग पहला वास्तविक योगदान 1.7 मिलियन डॉलर का था जो रोटेरियनों ने 1947 में पॉल हैरिस के निधन के पश्चात उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु संस्थान को दिया था। क्लंफ को अपने सपने को पूरा करने के लिए धैर्यपूर्वक 30 साल तक इंतजार करना पड़ा,'' उन्होंने कहा।

दूसरा मंत्र जुड़ना है, इस बात को स्वीकार करते हुए कि सफलता एक सहयोगात्मक प्रयास होता है। ''आप कभी भी अपने आप से कुछ भी नहीं कर पाएंगे। मैं भी नहीं कर सकता। मैं हमेशा आप पर निर्भर रहूंगा और आप बदले में अपने अध्यक्षों पर निर्भर होंगे, और वे रोटेरियनों पर निर्भर होंगे। अगर टीम वर्क नहीं है, तो कोई काम नहीं हो सकता है। यदि आप एक टीम इकट्ठा करना नहीं जानते, तो आप कुछ भी हासिल नहीं कर सकते।''

इंस्टिट्यूट से ठीक पहले अपनी पत्नी डेनिस के साथ मैसूर, बेलूर और हासन की अपनी यात्रा को वर्णित करते हुए, डी कैमारगो ने व्यक्तिगत संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''लोगों से जुड़ना नेतृत्व की आत्मा है। रोटेरियन द्रवित हो गए थे क्योंकि यह शायद पहली बार था जब एक रो ई नेतृत्वकर्ता ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने हम पर बहुत प्रेम बरसाया। नेतृत्वकर्ताओं के रूप में आपको ऐसा ही करना चाहिए। हम कर्म करने वाले लोग हैं और हमारे कार्यों को हमारे शब्दों से कहीं अधिक बोलना चाहिए। रोटेरियन बेवकूफ नहीं हैं। अगर हम निष्पक्ष नहीं हैं, तो वे हमारी बात नहीं सुनेंगे। यदि आप कार्य करने के लिए पर्याप्त प्रतिबद्ध नहीं हैं, तो आपकी अच्छी परियोजनाएं और विचार फलीभूत नहीं होंगे।''

असफलता को गले लगाना उनका तीसरा मंत्र था। हर नेता चुनौतियों का सामना करता है, लेकिन पतन के बाद उठने का विकल्प सच्चे नेतृत्व को परिभाषित करता है। ''आपको बस उठना चाहिए, संभालना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए, और कभी भी विफलता से पराजित नहीं होना चाहिए। सफलता अंतिम नहीं होती, और विफलता घातक नहीं होती, उन्होंने कहा, और आगामी नेतृत्वकर्ताओं से क्षमा प्रार्थना की कला विकसित करने का आग्रह किया। आप असहमति का सामना करेंगे। वाद-विवाद और चर्चा के लिए तैयार रहें। जब चर्चा गर्म हो जाती है, तो माफी मांगने में संकोच न करें, और आपकी टीम आपका सम्मान करेगी। परिणामों की जिम्मेदारी लें। मैं वैश्विक स्तर पर जिम्मेदारी लेता हूं, और आप मंडल स्तर पर ऐसा करते हैं।''

अमेरिका से आये टीआरएफ ट्रस्टी लैरी लुंसफोर्ड ने सभी डीजीएन को फाउंडेशन के भविष्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''हम 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर के अपने लक्ष्य के बहुत करीब है। अगर हममें से हर कोई किसी भी तरह से मैदान में उतरे तो हम अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।'' उन्होंने टीआरएफ के प्रति भारत की उदारता की सराहना की। ''हम 15 न्यासी हैं, जिनके पास आपके संसाधनों को अच्छी तरह से व्यवस्थित करके सही कार्यक्रमों को बनाने का एक जबरदस्त दायित्व है।''

उन्होंने आगामी नेतृत्वकर्ताओं से पॉल हैरिस सोसाइटी का समर्थन करने का आग्रह किया जो वार्षिक निधि में हर साल 1,000 डॉलर का योगदान करने वाले सदस्यों को मान्यता देता है। इस सदस्यता में भारत

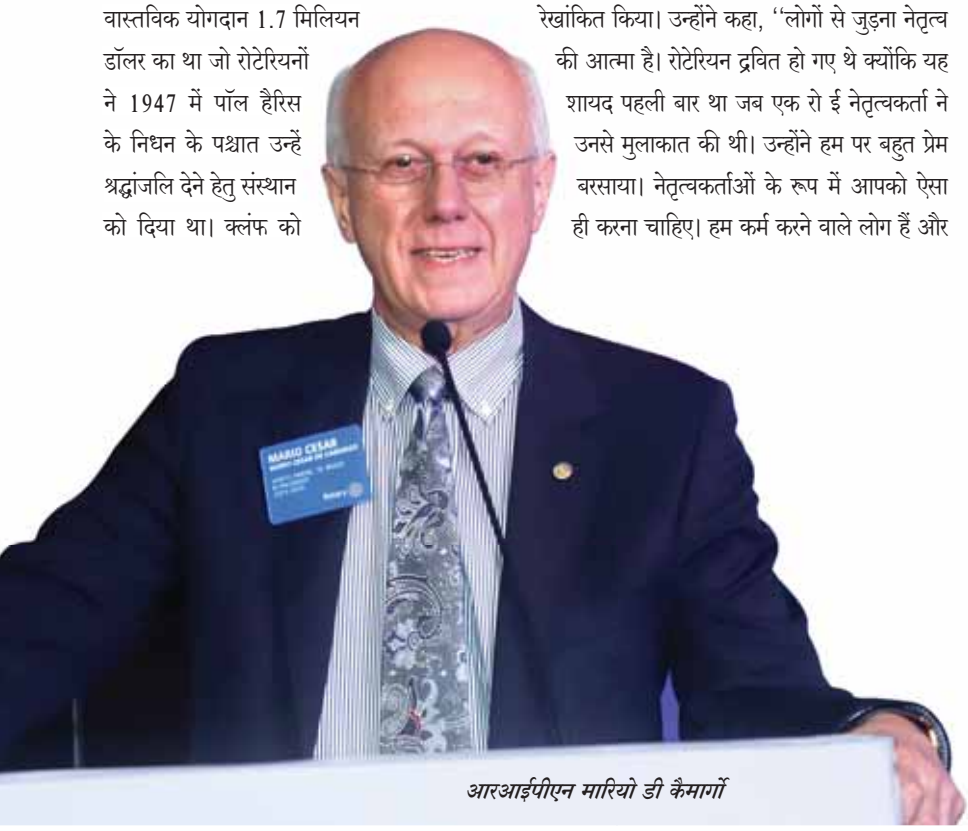

आरआईपीएन मारियो डी कैमार्गो

तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा, ''मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब भारत सूची में शीर्ष पर होगा। रोटरी-सी एस आर साझेदारियों के माध्यम से रास्ता दिखाने के लिए भारत की सराहना करते हुए, उन्होंने ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया में इस कार्यक्रम को दोहराने की योजना का उल्लेख किया। हम दुनिया भर के उन देशों की सूची बना रहे हैं जिनके पास सी एस आर प्लेटफॉर्म के अवसर हो सकते हैं।''

पोलियो के बाद आगे क्या, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''हम उस पर अभी ज्यादा बातचीत नहीं कर रहे है, क्योंकि हमें पहले पोलियो का अंत देखना होगा। प्रोग्राम्स ऑफ़ स्केल एक संभावना हो सकती है क्योंकि हम एक उच्च संरचना के लिए अपने वैश्विक अनुदान का निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें गेट्स की साझेदारी के साथ जुड़े रहने के लिए कार्यक्रमों की खोज करना चाहिए।''

संस्थान 2024 तक मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका में रोटरी शांति केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है; और लैटिन अमेरिका में भी एक केंद्र की योजना है। लुंसफोर्ड ने कहा, ''2030 तक, हमारे पास नौ शांति केंद्र होंगे और चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक, के केंद्र को एशिया में किसी और जगह स्थापित केंद्र से बदल दिया जाएगा।''

टीआरएफ ट्रस्टी लैरी लंसफोर्ड और आरआईडी जेरमी हर्स्ट।

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकनली के निरंतरता के आह्वान को प्रतिबिंबित करते हुए, यूके के केमैन आइलैंड्स से रो ई निदेशक जेरमी हर्स्ट ने व्यक्तिगत शर्तों से परे रोटरी के विकास की कल्पना करते हुए निरंतर प्रयास के महत्व पर जोर दिया। ''कल्पना कीजिए कि हम कितना अच्छा कर सकते हैं यदि हम निरंतरता बरकरार रख सकते हैं, न कि एक पहेली की तरह जहां हम एक साल एक दिशा में जाते हैं और फिर अगले साल दूसरी। सबसे ख़राब चुनौती इसे 'हमारा वर्ष' के बजाय ड्डमेरा वर्षफमानने की है। हम रोटरी की कमान अपने उत्तराधिकारी को सौंपते हैं और संगठन को आगे ले जाने में सहायता करना जारी रखते हैं।''

उन्होंने कहा कि बोर्ड ने रोटरी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में 2030 तक 12.5 लाख सदस्यों की सदस्यता वृद्धि के लक्ष्य को मंजूरी दी है। ''हमारे लक्ष्यों को पूरा करने हेतु गवर्नर उम्मीदवारों की सहायता के लिए 1 जुलाई, 2024 को और अधिक शिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे,'' उन्होंने कहा। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

सपने बुनना

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब चेन्नई सी व्यू, रो ई मंडल 3232 ने गिल्ड ऑफ सर्विस सेवा समाजम बॉयज़ होम में 10 स्वचालित सिलाई मशीनें प्रदान कीं और 25 पुरानी मशीनों की मरम्मत की। ये मशीनें कैदियों को आय सृजन में सहायता के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने में मदद करेंगी। क्लब ने उनके लिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए होम में एक आरओ प्लांट स्थापित किया।

सिलाई मशीनें और वेट ग्राइंडर उपहार में देने के बाद रोटरी क्लब चेन्नई सी व्यू के सदस्य। मंडल महिला सशक्तिकरण समिति की अध्यक्ष उषा सरावगी चित्र में दाएं से दूसरे स्थान पर हैं।

क्लब द्वारा एक झुग्गी बस्ती में स्थित अन्नई भारत मठ स्वयं सहायता समूह को एक वाणिज्यिक वेट ग्राइंडर, एक बड़े इडली कुकर, बर्तन और किराने का सामान और एक मोटर चालित सिलाई मशीन उपहार में दी गई। क्लब की अध्यक्ष शिवानी खेमका ने कहा, ''इससे महिलाओं को सिलाई को व्यवसाय के रूप में अपनाकर या भोजनालय स्थापित करके अच्छी रकम कमाने में मदद मिलेगी।'' ■

रो ई का ध्यान शून्य-आधारित बजट पर

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले सभी खर्चों का ब्यौरा देने और अनुमोदित करने के साथ अपने शून्य-आधारित बजट को बनाए रखेगा। PRID मनोज देसाई ने बेंगलुरु ज़ोन इंस्टीट्यूट में रोटरी का पांच साल का वित्तीय पूर्वानुमान पेश करते हुए कहा, लेकिन हम वित्त वर्ष 2028 में घाटे वाले वर्ष की उम्मीद कर सकते हैं और रो ई मंडल बढ़ती मुद्रास्फीति और अन्य खर्चों को ध्यान में रखते हुए इसे दूर करने पर काम कर रहा है। 200 से अधिक देशों एवं भौगोलिक क्षेत्रों में उपस्थिति के साथ, रोटरी 46,000 से अधिक रोटरी और रोटरेक्ट क्लबों में अपने 1.4 मिलियन रोटेरियनों एवं रोटरेकटरों की जरूरतों का ख्याल रखता है।

''हम अपने आठ क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से 68 मुद्राओं में 100 से अधिक बैंक खाते संचालित करते हैं और मुख्य रूप से तीन प्रकार के राजस्व पर निर्भर करते हैं - सदस्यता शुल्क (रो ई की आय का 71 प्रतिशत); निवेश रिटर्न (2 प्रतिशत, लेकिन यह बाजार की अस्थिरता पर निर्भर करता है); और सेवाएं एवं अन्य रास्ते (27 प्रतिशत), लेकिन रोटरी सम्मेलनों एवं कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाले खर्च इसे बराबर कर देता है, देसाई समझाते

PRID मनोज देसाई

है। रोटरेक्ट के लिए जुलाई 2022 से रो ई शुल्क लागू होने के बाद, 180 देशों में लगभग 1,68,000 रोटरेकटरों वाले 10,700 रोटरेक्ट क्लबों के लिए सदस्यता बिल दिए गए थे और इस साल जून तक, उनमें से लगभग 60 प्रतिशत ने अपने रो ई शुल्क का भुगतान किया है,'' उन्होंने बताया।

वित्त वर्ष 2024 के लिए, सदस्यता शुल्क 90 मिलियन डॉलर का योगदान देंगे, निवेश रिटर्न 2 मिलियन डॉलर का योगदान देंगे, और सेवाओं एवं अन्य तरीकों से 35 मिलियन डॉलर की आय होगी। इस प्रकार, चालू वर्ष के लिए अनुमानित आय 127 मिलियन डॉलर है, जिसमें से लगभग 70 प्रतिशत सदस्यता शुल्क से प्राप्त हो रही है।

चूंकि रोटरी के सदस्य रो ई के विकास में सीधे योगदान देते हैं, इसकी परिचालन लागत का लगभग 58 प्रतिशत नेतृत्व कार्यक्रमों के वित्तपोषण और रोटरी क्लबों को उनकी सेवा परियोजनाओं में कई तरीकों से सहायता करने के लिए खर्च होता है, देसाई ने कहा। इसकी आय का कम से कम 20 प्रतिशत दुनिया भर में इसकी सार्वजनिक छवि को बढ़ाने पर खर्च किया जा रहा है; और शेष 22 प्रतिशत प्रशासनिक लागत, नियामक अनुपालन, कार्यालय किराया और कानूनी सहायता के लिए अलग रखा गया है।

अगले दो वित्तीय वर्षों का प्रबंधन करना एक चुनौती होगी क्योंकि रो ई मंडल वित्त वर्ष 2028 में अपने भंडार के हिस्से का उपयोग करके घाटे के बजट से बचने की पूरी कोशिश करेगा। देसाई ने आगे कहा, यह रोटरी नेतृत्वकर्ताओं पर निर्भर करता है कि वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए विधान परिषद (उेङ) में एक साथ आएं और रोटरी को संचालित करें ताकि हम अपनी यात्रा को अच्छी वित्तीय स्थिति के साथ जारी रख सकें।■

दिल्ली में होगा दिशा 2024 का आयोजन

रोटरी वर्ष 2024-25 के लिए सदस्यता, टीआरएफ और सार्वजनिक छवि सहित विभिन्न रोटरी वर्टिकल के डीजीई, डीजीएन और आगामी मंडल अध्यक्षों के लिए अनुकूलन एवं लक्ष्य निर्धारण सेमिनार 15-17 मार्च, 2024, के दौरान दिल्ली के लीला एंबियंस कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया जायेगा।

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन संयोजक और रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी सह-संयोजक हैं। पीडीजी शरत जैन अध्यक्ष और पीडीजी गुरजीत सेखों सचिव हैं।

सेमिनार के लिए ऑनलाइन पंजीकरण *https://disha2024.rotaryindia.org/* पर किया जा सकता है।

अब वैश्विक खेलों में भारत मायने रखता है

वी मुत्तुकुमारन

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और पीडीजी वीआर मुथु ने तैराक प्रभात कोली को (बाएं से) पीडीजी चंदू अग्रवाल, राजू कोली, तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी, ओजस देवताले, कोच प्रवीण सावंत और झंकार गडकरी की उपस्थिति में रोटरी पुरस्कार से सम्मानित किया।

भारत ने सितंबर-अक्टूबर 2023 में हांग्जो एशियाई खेलों तक कभी भी विश्व खेलों में 100 पदक नहीं जीते थे, जब हमारे खिलाड़ियों ने 107 पदकों की रिकॉर्ड संख्या के साथ एक नया मानदंड स्थापित किया था। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय 16 सदस्यीय तीरंदाजी टीम को दिया जाना चाहिए, जिनमें से अधिकांश को महाराष्ट्र के सतारा में अस्पताल-वार्ड-बॉय से पुलिस-कांस्टेबल बने प्रवीण सावंत द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

रोटरी क्लब देवनार के झंकार गडकरी ने तीरंदाजों, उनके कोच सावंत, ओपन वॉटर तैराक प्रभात और उनके पिता से कोच बने राजू कोली के साथ एक पैनल टॉक का संचालन करते हुए कहा, ''हमारे तीरंदाज प्रतिकूल परिस्थितियों और कई बाधाओं को पार करते हुए सफलता हासिल करने के लिए फीनिक्स की तरह उभरे।'' बेंगलुरु में रोटरी ज़ोन संस्थान। दुनिया की सबसे कम उम्र की सीनियर तीरंदाजी चैंपियन अदिति गोपीचंद स्वामी (17) और 21 वर्षीय ओजस देवताले, विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप (बर्लिन, 2023) में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष और वर्तमान में वैश्विक रैंकिंग में नौवें स्थान पर हैं। सतारा में एक एकड़ के गन्ने के खेत में सावंत द्वारा चलाई जा रही दृष्टि तीरंदाजी अकादमी के उत्पाद।

दोनों युवा तीरंदाजों को सावंत ने तैयार किया था, जो अपने युवा दिनों में एक चैंपियन बनने की इच्छा रखते थे, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति और खराब सुविधाओं ने उनकी महत्वाकांक्षा में बाधा डाल दी।

दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्ग ओशियंस सेवन को पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति प्रभात कोली (23) ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें सलाह दी थी कि 'शरीर से नहीं, बल्कि दिमाग से तैरें' क्योंकि खुले पानी में तैरना ''80 प्रतिशत मानसिक शक्ति और केवल 20 प्रतिशत शारीरिक सहनशक्ति।''

समस्याएं

हालांकि, तीरंदाजों का विश्व चैंपियन के रूप में उभरना धैर्य, संकल्प और कठिनाइयों की एक वीरतापूर्ण कहानी है, लेकिन यह उनके कोच सावंत थे जिन्होंने अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना करने के बावजूद अपनी अकादमी में ऐसा किया। तीरंदाजों को कोचिंग देने के अपने जुनून को पूरा करने के लिए, सावंत को नौकरी छोड़नी पड़ी, अपना घर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, अपनी मां और पत्नी के गहने गिरवी रखने पड़े और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए बाधाओं को पार करना पड़ा। अब ओलंपिक पदक का लक्ष्य रखते हुए, तीरंदाजी कोच ने कहा, ''मेरा अपने युवा विद्यार्थियों के साथ एक मजबूत बंधन है, और अगर हम मजबूत प्रशिक्षण के लिए अपनी अकादमी में और अधिक सुविधाएं और उपकरण जोड़ सकें तो मुझे खुशी होगी।''

जब ₹9 लाख (तीन खिलाड़ियों के लिए ₹2-2 लाख और दो कोचों के लिए ₹1.5-1.5 लाख) के नकद पुरस्कार की घोषणा की जा रही थी, तो प्रतिनिधियों की ओर से दान की बाढ़ आ गई, जिससे कुल पुरस्कार राशि ₹17 लाख हो गई। योगदानकर्ताओं में रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और पीआरआईडी सी भास्कर (प्रत्येक को ₹2 लाख) शामिल थे।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

अगले अंक में इंस्टीट्यूट की और कहानियाँ।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब ठाणे हिल्स द्वारा
मुंबई में ऑटिज़्म केंद्र का निर्माण

रशीदा भगत

हाल ही में निर्मित डॉ वी सुब्रमण्यम ऑटिज्म सेंटर की स्थापना लगभग दो दशक पहले हुई थी, यह नवी मुंबई में रोटरी क्लब ठाणे हिल्स, रो ई मंडल 3142 का प्रयास है। 100 से अधिक बच्चे जो अंततः यहां के छात्र बन जाएंगे, और 1,000 विशिष्ट बच्चे जो शिक्षकों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की चिकित्सा ग्रहण करेंगे, उन्हें शायद कभी मालूम नहीं चलेगा। इसके उपरान्त भी, क्लब के तत्काल पूर्व अध्यक्ष जयराम मेंडन की संवेदनशीलता, सहानुभूति और जोश की वजह से यह कार्य संपन्न हो सका है।

पेशे से एक इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर, उन्होंने तीन साल पहले क्लब के अध्यक्ष मनोनीत होने के बाद से ही इस परियोजना की परिकल्पना की थी। तीन वर्षों से अधिक समय तक, इसके पूरा होने तक यदि उन्होंने पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया है, तो इसके पीछे उनका वो अनुभव है जो उन्होंने वर्षों पहले दुबई में लिया है, जहां वे 19 वर्ष रहे हैं।

''उन दिनों, मैंने देखा कि वहां रहने वाले युवा भारतीय जोड़ों में बांझपन का स्तर काफी ज्यादा था और उनकी इस स्थिति का एक मुख्य कारण जमे हुए (फ्रोजन) खाद्य पदार्थों का अत्यधिक सेवन था। मेरा मानना है कि यह बांझपन के मुख्य कारणों में से ये एक है,'' वह कहते हैं।

इस समस्या से निपटने के लिए कई युवा जोड़े आईवीएफ (इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन) उपचार की ओर रूख कर रहे थे। मेंडॉन का कहना है कि उन्होंने खुद देखा कि उन दिनों 100 में से करीब 20-30 आईवीएफ शिशु ऑटिज्म सहित अन्य न्यूरो विकार के शिकार हो रहे थे। ''मुझे और मेरी पत्नी को भी आईवीएफ के लिए जाने की सलाह दी गई और मैंने अपने कुछ मित्रों को भी यही सलाह दी थी।''

जहां उनकी बेटी, जो उनके मित्र के बेटे से एक साल छोटी थी - दोनों ही आईवीएफ की मदद से पैदा हुए थे - बेटी में कोई विकार नहीं था, ''मेरे दोस्त का बेटा ऑटिस्टिक था और वर्षों से मैं हमेशा अपनेआप को कोसता रहा कि मैनें अपने दोस्त को आईवीएफ इलाज का परामर्श क्यों दिया।''

ये घटना 2007-08 की है; लेकिन एक ऑटिस्टिक बच्चे की देखभाल और शिक्षा में अपने दोस्त की पत्नी को संघर्ष करते देख वो हमेशा परेशान हो जाते थे। ''हाँ, आज तो दुबई में ऑटिज्म सेंटरभी बन चुका है, लेकिन उन दिनों ऑटिस्टिक बच्चों के इलाज और देखभाल की सुविधाएं और सेवाएं नगण्य थीं।''

दुबई में, आज भी, वे कहते हैं, ''कुछ विशिष्ट शैक्षिक पद्धतियां, विभिन्न प्रकार की चिकित्साएँ और पैरामेडिक्स की सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। और आप

पीआरआईडी अशोक महाजन (बाएं से) पूर्व अध्यक्ष राजू सुब्रमण्यन, ए एस कुमार, संतोष इंस्टीट्यूट के संस्थापक डॉ दत्ताराम फोंडे और पूर्व अध्यक्ष जयराम मेंडॉन के साथ बातचीत करते हुए।

मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि आगामी दिनों में यह एक उत्कृष्ट स्कूल के रूप में पल्लवित होगा जिसमें विभिन्न उपचार और आधुनिक बुनियादी ढांचे एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे।

जयराम मेंडॉन
पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब ठाणे हिल्स

सोच सकते हैं, भारत की स्थिति तो और भी बदतर थी। इसलिए क्लब ने इस परियोजना के माध्यम से ऑटिज़्म की सभी आवश्यक शाखाओं को एक स्थान पर स्थापित करने का निर्णय लिया।''

इस प्रोजेक्ट टीम के मुख्य सदस्य, क्लब के पूर्व अध्यक्ष अतुल भिड़े ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर ₹1.4 करोड़ का खर्च आया था। लेकिन नवी मुंबई जैसी महंगी जगह पर इस केंद्रके लिए जमीन खरीदना असंभव था। इसलिए क्लब ने नवी मुंबई के एक गैर सरकारी संगठन मातृ मिलन विकास केंद्र (एमएमवीके) की सहभागिता में काम किया, जिसके पास पहले से ही एक विशाल सुविधा थी और वो विकलांग बच्चों को सेवाएं दे रहा है। रोटेरियनों के सपनों का ऑटिज्म केंद्र हकीकत में बदलने के लिए के लिए वे लगभग 12,000 वर्गफुट जगह देने पर सहमत हुए।

''जब हमने ऑटिज्म केंद्र निर्माण की योजना के बारे में उन्हें बताया और उनके समक्ष साझेदारी का प्रस्ताव रखा, तो उन्होंने तुरंत इसे स्वीकार कर लिया और हमें अपने परिसर में जगह दे दी। अगर हम नवी मुंबई में इस केंद्र के लिए जमीन खरीदते, तो जमीन की कीमत ही लगभग ₹15 करोड़ बैठती,'' मेंडॉन का अनुमान है।

वह आगे बताते हैं कि क्लब के पूर्व अध्यक्ष रहे डॉ. राजू की पत्नी डॉ. सीता ने विशेष बच्चों के लिए एक सुविधा निर्मित करने का सपना संजोया था, उन्होंने अपने पिता डॉ सुब्रमण्यम की स्मृति में

इस ऑटिज्म केंद्र की स्थापना के लिए ₹1 करोड़ का दान दिया, जिन्होंने ने आग लगने के बाद मुंबई के प्रसिद्ध शनमुखानंद ऑडिटोरियम का पुनर्निर्माण किया था। अन्य उल्लेखनीय दानदाता हैं पूर्व अध्यक्ष विजय शेट्टी, क्लब के सदस्य अनूप सुर्वे ने इसे पूरा करने के लिए जी जान से काम किया है।

भिडे ने आगे बताया कि परियोजना पर खर्च की गई राशि का एक भाग - ₹1.4 करोड़ - जीजी (वैश्विक अनुदान) से आया था। ''यह नियमित वैश्विक अनुदान नहीं था; हमें डिस्ट्रिक्ट गिफ्ट फण्ड से कुछ राशि मिली थी और जीजी नियमों के अनुसार एक अंतरराष्ट्रीय भागीदार की आवश्यकता होती है, इसलिए हमने एक गैर-वित्तीय भागीदार के रूप में नेपाल क्लब, रोटरी क्लब पोखरा मिडटाउन को साथ में लिया।''

मेंडॉन कहते हैं कि ऑटिस्टिक लोगों के लिए आवश्यक नवीनतम उपचारों और अन्य प्रकार की विभिन्न गतिविधियों की एक श्रृंखला केंद्र में उपलब्ध है, जिसका प्रबंधन और संचालन संतोष संस्थान द्वारा किया जाएगा, जो मुंबई में ऑटिस्टिक लोगों के लिए ऐसी करीब आधा दर्जन से अधिक संस्थान चलाता है।

इस केंद्र को ऑटिस्टिक बच्चों और उनके माता-पिता दोनों के लिए ये ''अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधा केंद्र आशा की किरण ले कर आया है,'' मेंडन कहते हैं कि प्रस्तावित उपचारों और उपचार विधियों में व्यवसाय चिकित्सा, संवेदी एकीकरण, फिजियोथेरेपी, भाषण चिकित्सा, संगीत, योग, रेत और जल चिकित्सा शामिल हैं। ।

जब उनसे मरेत थेरेपीफ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''रेत की एक विचित्र विशेषता होती

ऑटिस्टिक लोगों के लिए आवश्यक नवीनतम उपचारों और अन्य प्रकार की विभिन्न गतिविधियों की एक श्रृंखला केंद्र में उपलब्ध है।

ऑटिज़्म सेंटर में एक छात्र के साथ पीआरआईडी अशोक महाजन और क्लब अध्यक्ष गोविंद खेतान।

रोटरी क्लब ठाणे हिल्स द्वारा स्थापित ऑटिज़्म सेंटर में विभिन्न प्रकार की चिकित्साएँ।

है। जब बच्चे समुद्र तट पर जाते हैं, तो वे बहुत खुश होते हैं; ऐसा इसलिए है क्योंकि रेत मस्तिष्क में कुछ न्यूरॉन्स ट्रिगर करती है और हमारे शिक्षक इसी अवधारणा के साथ काम करेंगे। जहाँ तक एक्वा थेरेपी की बात है, हम उसी स्थान पर एक स्विमिंग पूल बनाने जा रहे हैं; उसके लिए भी जगह उपलब्ध है!''

एक ही स्थान पर ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों और किशोरों को हर प्रकार का समाधान देने के लिए इस परियोजना को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। यह केंद्र बच्चे के विकास के लिए - शारीरिक और मानसिक दोनों के लिए एक प्राथमिक हस्तक्षेप केंद्र के रूप में कार्य करेगा; संज्ञानात्मक विकास (सोच और सीखना); व्यवहारिक विकास; और सामाजिक और भावनात्मक विकास (बच्चे की रिश्ते बनाने और भावनाओं से मुकाबला करने की क्षमता)। मेंडॉन ने कहा, इसमें एक ऑटिज्म स्कूल, एक शिक्षक प्रशिक्षण सुविधा भी है और यह एक व्यावसायिक इकाई के रूप में भी कार्य करेगा।

इन रोटेरियन का कहना है कि नवी मुंबई, ठाणे और मुंबई के साथ-साथ महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में रह रहे ऑटिज़्म और संबंधित विकारों वाले बच्चे भी इस के लाभार्थी होंगे।

ट्रायम्फ कार्निवल में एक प्रतिभागी।

मातृ मिलन विकास केंद्र, एक गैर सरकारी संगठन, ने हमें नवी मुंबई में जगह दी। अगर हमें जगह खरीदनी होती तो हमें ₹15 करोड़ खर्च करने पड़ते!

जयराम मेंडॉन

हालाँकि सुविधाएं, उपकरण और वहां कार्यरत कर्मचारियों की संख्या इतनी है कि 100 ऑटिस्टिक बच्चों और संबंधित विकारों वाले 1,000 अन्य बच्चे इसमें आ सकते हैं, उनका अनुमान है कि पहले वर्ष लगभग 50 बच्चे नियमित सत्र के लिए स्कूल आएंगे और शीघ्र ही ये केंद्र अपनी पूरी क्षमता से कार्य करने लगेगा।

यहां की फीस बच्चे की भुगतान क्षमता के अनुसार तय की जाएगी, वंचित और कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को 50 प्रतिशत छूट मिलेगी। और ऐसी ही समान सुविधाएं देने वाले अन्य संस्थानों की तुलना में यहां की फीस अपेक्षाकृत कम होगी। ''मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि आगामी दिनों में यह एक उत्कृष्ट स्कूल के रूप में पल्लवित होगा जिसमें विभिन्न उपचार और आधुनिक बुनियादी ढांचे एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। विभिन्न प्रकार की चिकित्साओं से लाभान्वित होने वाले स्कूल के 100 छात्रों और इससे संबंधित अन्य अक्षमताओं वाले 1,000 छात्रों के अलावा लगभग 2,000 माता-पिता, शिक्षक और छाया शिक्षक भी इस केंद्र से लाभान्वित होंगे।

उनके क्लब में 120 सदस्य हैं और इनमें से कुछ सदस्यों के सहयोग के कारण यह परियोजना आकार ले पाई है। क्लब के अध्यक्ष गोविंद खेतान कहते हैं कि केंद्र के निर्बाध रूप से चलाने के लिए, कोर टीम ने इसकी वित्तीय सहायता पर भी कार्य किया है। जहाँ पूर्व अध्यक्ष वी चन्द्रशेखरन ने

रोटरी क्लब ठाणे हिल्स के सदस्य।

₹1.2 लाख प्रति माह देने का आश्वासन दिया है वहीं क्लब के सदस्य कुमार द्वारा संचालित कंपनी फोर्ट्रेस द्वारा हर महीने ₹50,000 दिए जाएंगे।

18 नवंबर को, पीआरआईडी अशोक महाजन ने केंद्र का उद्घाटन किया, जिसमें रो ई मंडल 3142 मंडल अध्यक्ष मिलिंद कुलकर्णी और आईपीडीजी कैलाश जेठानी, एमएमवीके के फादर प्रेम और फादर अरुल और संतोष इंस्टीट्यूट के दत्ता ने कार्यक्रम में शिरकत की।

इससे पूर्व नवंबर में, क्लब ने विशेष बच्चों के लिए मट्रायम्फ रन एंड कार्निवल फॉर स्पेशल चिल्ड्रनफ नामक एक और विशाल कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें 1,500 बच्चों ने भाग लिया था। यह आयोजन वर्ष 2000 के बाद शुरू हुआ था जब रोटरी क्लब ठाणे हिल्स से शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के संगठनों ने संपर्क किया और कहा कि उन्हें मुंबई में आयोजित मैराथन दौड़ में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसलिए हमारे क्लब ने केवल ऐसे विशेष बच्चों के उत्साहवर्धन लिए एक फन रन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया और यह ट्रायम्फ रन हर साल जारी रहता है। कुछ साल पहले, इसमें हमने कुछ मज़ेदार गेम और जोड़े और बच्चों, उनके माता-पिता और शिक्षकों को स्वादिष्ट भोजन भी कराया। धीरे-धीरे कार्निवल में एक संगीत कार्यक्रम जोड़ा गया, जहां हम दृष्टिबाधित बच्चों को अपने संगीतकारों या डीजे के साथ मंच पर प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करते हैं, भिडे कहते हैं।

गोविंद खेतान कहते हैं कि इस साल 45 स्कूलों के 1,500 बच्चों और 600 अभिभावकों और 300 शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जो अब इन लोगों के लिए साल का सबसे खास कार्यक्रम बन गया है और जिसकी उन्हें हर साल इंतज़ार रहेगी ! ■

विशेष बच्चों के लिए ट्रायम्फ रन और कार्निवल का उद्घाटन समारोह।

RIPN डी कैमार्गो की प्राथमिकता टिकाऊ, स्वस्थ सदस्यता

किरण ज़ेहरा

रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किये गए ब्राज़ील के मारियो सीज़र मार्टिंस डी कैमार्गो केवल 23 वर्ष के थे, जब उन्हें रोटरी क्लब सैंटो आंद्रे का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया था। ''आरआईपीएन के रूप में मेरा मानना है कि रोटरी में जल्दी आगमन से मुझे लाभ हुआ है। इसलिए अपनी आंखें खुली रखें, अगर आप किसी युवा सदस्य को अपने क्लब में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हों तो हो सकता है कि आप भविष्य के रो ई नेता को प्रवेश दिलवा रहे हों,'' उन्होंने रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232 द्वारा हाल ही में आयोजित एक आभासी बैठक में कहा।

95 वर्ष पुराने क्लब के अध्यक्ष एस रवि द्वारा प्रस्तुत इसके इतिहास का एक वीडियो देखने के बाद उन्होंने इसकी उपलब्धियों की प्रशंसा की। रो ई मंडल 3232 के विभाजन का निर्णय लेने वाली समिति का हिस्सा भी रहे थे डी कैमार्गो, जिसे उन्होंने सफलता की कहानी बताया और कहा कि ये इस मंडल के विकास का नुस्खा साबित हो सकता है। अगले वर्ष मंडल को रो ई मंडल 3233 और 3234 के रूप में विभक्त किया जाना प्रस्तावित है।

उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है पूरे विश्व में टिकाऊ, स्वस्थ सदस्यता का निर्माण, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और आरआईपीई स्टेफ़नी अर्चिक के सदस्यता लक्ष्य प्राप्त करने में सहायता करते हुए। उन्होंने जोर देकर कहा कि रोटरी इंटरनेशनल के लिए प्राथमिकता हैं रोटेरियन और रोटरी ब्रांड को फिर से युवा करने की आवश्यकता है।

उन व्यक्तियों के प्रति अपना असंतोष व्यक्त करते हुए जो सोचते हैं कि ''वे नए पॉल हैरिस हैं,'' डी कैमार्गो ने रोटरी के भीतर प्रामाणिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''कोई पॉल हैरिस

का अवतार नहीं है और ना ही कोई रोटरी व्हील का आविष्कार दुबारा कर सकता है,'' उन्होंने रोटेरियनों को केवल मान्यता के लिए स्थापित फर्जी क्लबों के नकली सदस्यों से सतर्क रहने की चेतावनी दी।

उन्होंने सुझाव दिया कि स्थायी सदस्यता वृद्धि के लिए सहभागिता एक उत्कृष्ट रणनीति है। उन्होंने भारत में रोटेरियनों को नए सदस्य आकर्षित करने के लिए बार एसोसिएशन, ट्रेड फेडरेशन और चैंबर ऑफ कॉमर्स जैसे विभिन्न पेशेवर निकायों के साथ सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। रो ई मंडल 3191 से पीडीजी सुरेश हरि और पीडीजी नागेश की सहायता से, डी कैमार्गो ने दिसंबर में अपनी भारत यात्रा पर चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक बैठक में भाग लेने की योजना बनाई है। रणनीतिक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ''हम लोगों को उनकी मुख्य धारा से नहीं हटा रहे हैं। हमें सही प्रतिभा सम्मुच्य को लक्षित करना चाहिए, इसलिए इन पेशेवर एजेंसियों तक हमारी पहुंच आवश्यक है।''

पहले कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हुआ करती थी लेकिन आज एनजीओ संस्थाएं सदस्यता के सम्बन्ध में प्रतिभा के लिए जूझ रहे हैं। प्रत्येक क्लब में पुराने सदस्यों का जो अपने साथ अनुभव लाएं और ऊर्जावान युवा सदस्यों का मिश्रण होना चाहिए। उन्होंने एक सैटेलाइट क्लब की सफलता की कहानी सुनाई, जिसमें समय की कमी के बावजूद रोटेरियनों अपने सेवा कार्य जारी रख पाए थे। मैं आप सभी को क्लब के नए प्रारूप और मार्ग खोजने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, उन्होंने कहा ।

''चेन्नई में आयोजित आभासी समागम (वर्चुअल मीट) में सम्मिलित हुए ब्राजील के दो रोटरी यूथ एक्सचेंज छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने परामर्श दिया, भारत में अपने प्रवास का आनंद उठाएं। रोटरी यूथ एक्सचेंज एक परिवर्तनकारी अनुभव है। इस आदान-प्रदान के दौरान आपको मूलतः जो शिक्षा मिलेगी, वो है 'दूसरों का सम्मान करना।' उन्होंने आगे कहा कि 1990 में रोटरी में महिलाओं का स्वागत और 2019 में *Elevate Rotaract* जैसे महत्वपूर्ण निर्णय सम्मान की नींव में ही निहित थे। विविधता को आत्मसात करना रोटेरियन होने का एक मौलिक पक्ष है।''

क्लब और मंडल स्तर पर रोटरी में रोटरेक्ट के एकीकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, उनका कहना था, रोटरी की बुढ़ाती जनसँख्या विचार करने के लिए एक क्षण सोचें और आप इस निष्कर्ष पर पहुँच जायेंगे कि आगे बढ़ने और प्रगति का मार्ग रोटरेक्ट ही है। क्षेत्रीयकरण पर, कैमार्गो का मत था कि ''हमें यह मंथन करने की और समझने की आवश्यकता है कि रोटरी भारत में कैसे प्रगति कर रही है, किस प्रकार फल-फूल रही है। भारत में रोटरी का हृदय स्थानीय संस्कृतियों के साथ सद्भाव के साथ धड़कता है और विविधता को आत्मसात करता है।''

रो ई मंडल 3234 डीजीई एन एस सरवणन, डीजीएन विनोद सरावगी, रो ई मंडल 3232 डीजी रवि रामन और पीडीजी जे श्रीधर ने दुनिया भर से जुटे रोटेरियन के साथ बैठक में भाग लिया। क्लब सचिव एम शेष साई ने सभी को धन्यवाद दिया।■

8-साल की भारतीय पर्वतारोही ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

किरण ज़ेहरा

सानवी सूद।

रूस की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रस की बर्फीली ढलानों पर 8 साल की सानवी को अपने पिता दीपक सूद, रोटरी क्लब रूपनगर, रो ई मंडल 3080 के सदस्य सहित 50 ट्रेकरों की अपनी टीम के साथ कठिन चढ़ाई का सामना करना पड़ा। चीजें खराब तब हुई जब सूद गिर गए और ट्रेक जारी नहीं रख सके। वॉकी-टॉकी पर अपने पिता के उत्साहवर्धक शब्दों को सुनते हुए सानवी अडिग होकर चलती रही। चुनौतियों का सामना करते हुए वह 5,642 मीटर की ऊंचाई वाले शिखर पर पहुंची और माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की पर्वतारोही होने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। ''ऐसा लगा जैसे मैं बादलों पर खड़ी थी। मुझे शिखर पर भारतीय ध्वज लगाने का भी मौका मिला,'' वह कहती है।

उनकी वापसी पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उन्हें एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया। पीआरआईपी राजेंद्र साबू और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने रोटरी क्लब रूपनगर के स्थापना समारोह में उन्हें सम्मानित किया। उन्हें इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से भी मान्यता

मिली। सानवी अब MentorX की सबसे छोटी ब्रांड एंबेसडर हैं जो अमेरिका स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक प्रतिभा प्रदाता है और जिसके 45 देशों में कार्यालय मौजूद है।

सानवी की यह यात्रा तब शुरू हुई जब वह अपने पिता के साथ हिमाचल प्रदेश के केदारनाथ में उनके कार्यस्थल पर गई। चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद उसने उल्लेखनीय ऊर्जा और उत्साह का प्रदर्शन किया जिससे चढ़ाई और लंबी सैर के लिए उसका प्यार प्रकट हुआ। अपने दादा-दादी और मां को समझाने में कुछ समय लगा लेकिन एक बार जब वो मान गए तो उसके पिता ने उसे प्रशिक्षित करने में पूरा समय दिया।

''हमने एक टीम की तरह काम किया,'' सानवी यह याद करते हुए कहती हैं कि कैसे उसके पिता उसे दैनिक व्यायाम के लिए जिम ले जाते थे और उसकी मां यह सुनिश्चित करती थी कि वह अपने स्कूल के पाठ और गतिविधियों में पीछे न रहें। ''सानवी का अनुशासन और प्रेरणा अटूट थी, प्रशिक्षण के लिए सुबह जल्दी उठना और अपनी दिनचर्या का पालन करना। उसकी क्षमता और उत्साह ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया,'' उसके पिता कहते हैं।

छह साल की उम्र में सानवी अपने पिता के साथ मनाली के ट्रेक पर गई थी और एक ही दिन में रोहतांग पास ट्रेक की 18 किमी की दूरी तय की। इसके बाद

अपने पिता दीपक सूद के साथ।

उन्होंने एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक को पूरा किया और ''मैंने उससे पूछा कि क्या वह अंतर्राष्ट्रीय चोटियों पर चढ़ने में दिलचस्पी लेगी। वह तुरंत सहमत हो गईं,'' सूद कहते हैं। उन्होंने सबसे पहले अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो को उसकी जलवायु परिस्थितियों और भूभाग के लिए चुना। जुलाई 2022 में सानवी ने इस ट्रेक को पूरा किया। मई 2023 में बाप-बेटी की इस ऊर्जस्वी जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी 2,228 मीटर-माउंट कोसियस्को पर चढ़ाई करने का फैसला किया। ''तुलनात्मक रूप से एक आसान ट्रेक, वह आगे कहते हुए याद करते हैं कि जिस क्षण हम उस शिखर पर पहुँचे हमने एक-दूसरे को गले लगाकर जश्न मनाया!''

हालांकि सानवी ने बिना किसी विशिष्ट उद्देश्य के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी पर ''हम उसे ऐसी उपलब्धियों के साथ आने वाली जिम्मेदारियों से अवगत कराना चाहते थे। हमने उसे एक ऐसे उद्देश्य के बारे में सोचने के लिए कहा जो उसे पसंद हो और जिसका वह समर्थन करना चाहती हो। उसने मगर्ल पावरफ थीम का विचार रखा और वह भविष्य में अपनी चढ़ाई के दौरान लड़कियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देगी,'' सूद मुस्कराते है।

वह माता-पिता को अपने बच्चे की क्षमता को पहचानकर उसे पोषित करने, उनकी विशिष्टता को अपनाकर उन्हें महान उपलब्धियाँ हासिल करते हुए देखने के लिए प्रोत्साहित करते है। सानवी की मां गीतिका कहती है कि विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक समूहों में 'सानवी की मां' के रूप में पहचाना जाना ''बहुत गर्व'' की बात है। सानवी के लिए उनके ट्रेक का सबसे पसंदीदा पहलू ''पापा के साथ समय बिताना और पहाड़ों पर चढ़ाई करना है।'' ■

सानवी को उषा, पीआरआईपी राजेंद्र साबू और आरआईडी राजू सुब्रमण्यन द्वारा सम्मानित किया गया। चित्र में (बाएं से) सानवी के पिता दीपक सूद, रोटरी क्लब रूपनगर की अध्यक्ष नमृता परमार, क्लब के सदस्य अजय तलवार और डीजीई राजपाल सिंह भी शामल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब जयपुर गुरुकुल महिला स्वास्थ्य परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करता है

रशीदा भगत

रोटरी क्लब जयपुर गुरुकुल, रो ई मंडल 3056 के कुल 264 सदस्यों में 80 प्रतिशत महिलाएं हैं, इसलिए स्वाभाविक है कि क्लब द्वारा किए गए अधिकांश प्रोजेक्ट, विशेषकर से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी, महिला केंद्रित हैं।

जयपुर स्थित आईआईएस डीम्ड यूनिवर्सिटी में बिजनेस स्टडीज विभाग की प्रमुख प्रिंसी थॉमस के नेतृत्व में ये क्लब समाज के लिए कई कल्याणकारी परियोजनाएं करने में क्रियाशील रहा है। ''हमारा क्लब एक संस्थान-आधारित क्लब है, जिसमें अधिकांश सदस्य विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं और शिक्षण और प्रशासन दोनों क्षेत्रों से हैं। अपने काम पर जाते समय हमारी कई महिला सदस्यों ने रास्ते में झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों को देखा और एक बेहतत ज़िंदगी जीने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके संघर्ष को देखा। सितंबर के आखिर में, हमने 10-दिवसीय फूड फ़ॉर ऑल अभियान चलाया, जिसमें झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले वंचित लोगों को भोजन दिया गया।''

क्लब के सदस्यों ने खाने पीने का सामान जैसे आटा, चावल, चीनी, दालें, तेल और अन्य ज़रूरी वस्तुएं इकट्ठी कीं और झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों में बाँट दी। ''उनको कुपोषण के खतरों के बारे में जागरूक किया और हमारे समाज में गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए ऐसे प्रयासों को जारी रखने का विचार किया।'' इस अभियान से लगभग 100 लोग लाभान्वित हुए।

क्लब द्वारा फूड फॉर ऑल अभियान के तहत झुग्गीवासियों को किराने का सामान दिया गया।

लेकिन महिला- बहुल क्लब होने के नाते और इस बात के मद्दे नज़र कि महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य के प्रति उदासीन रहती हैं, जबकि वो स्वयं पूरे परिवार का ध्यान रखती हैं और देखभाल करती हैं, इस क्लब के नेताओं ने महिलाओं पर केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल और फिटनेस परियोजनाओं को वरीयता दी। समय-समय पर ये क्लब ममहिलाओं के लिए कल्याणफ पर स्वास्थ्य वार्ता आयोजित करता है। प्रिंसी ने बताया, हाल ही में एक पारस्परिक संवाद सत्र आयोजित किया गया था जहां महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए पोषण और आहार, नियमित व्यायाम का महत्व और महिलाओं के लिए उपयुक्त विभिन्न व्यायाम, स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य और नियमित जांच का महत्व बताया गया था।

इस सत्र में उठाई गई समस्याओं पर वह कहती हैं कि कई बार ऐसी बातें एकतरफा या उपदेश के रूप में कही जाती हैं। परन्तु इस विशेष सत्र की वक्ता, मंगलम मेडिसिटी से मूत्र रोग विशेषज्ञ और प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. इंदिरा सरीन के लिए भाग लेने वाली महिलाओं के सामने इतने सारे प्रश्न थे, कि हमें बातचीत का समय कम करना पड़ा और इस सत्र को दोतरफा संवाद के लिए खोल दिया।

डॉ इंदिरा ने स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य के महत्व पर जानकारी दी और बताया कि सर्वाइकल कैंसर, डिम्बग्रंथि और स्तन कैंसर जैसी समस्याओं का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए नियमित जांच क्यों आवश्यक है। इस सत्र के दौरान भाग ले रही सदस्यों को भी अपने विशिष्ट प्रश्न रखने का अवसर मिला। एक सवाल था कि प्रसव के बाद किस तरह के जमीनी पेल्विक (वस्ति-प्रदेश) व्यायाम किए जाने चाहिए, मूत्र नियंत्रण पर कई सवाल पूछे गए थे। अक्सर महिलाएं ऐसे विषयों पर बोलने से कतराती हैं या झिझकती हैं और सच तो ये है कि ऐसे सवाल पूछने के लिए उन्हें सही आदमी ही नहीं मिलता।

बढ़ती उम्र की लड़कियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य ज्ञान और सही जानकारी आवश्यक है। यह उन्हें अपने शरीर को समझने, अपने मासिक धर्म को सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से प्रबंधित करने और मासिक धर्म के दौरान आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करने में सहायक होता है।

जयपुर में अपना घर आश्रम के निवासियों को दोपहर का भोजन परोसा जा रहा है।

लेकिन इस सत्र में, वे सभी वास्तव में खुलकर बोलीं और पूछा कि इस समस्या से निपटने के लिए जिसका सामना उनमें से कई महिलाएं कर रही थीं, किस प्रकार की उपचारात्मक कार्रवाई उपलब्ध हैफ़ उन्होंने आगे कहा।

सवालों को संबोधित करते हुए वक्ता प्रसन्नचित्त थीं और बोलीं कि सबसे अच्छी बात यह है कि चाहे महिला 40, 50 या 60 साल की हो, उचित व्यायाम से ऐसी समस्याओं से काफी सीमा तक निपटा जा सकता है। उन्होंने व्यायाम को प्रदर्शित करके दिखाया और प्रतिभागियों को मौके पर ही इनका अभ्यास कराया, ये कहा क्लब सचिव, डॉ मेघा आर्य, मनोविज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ बिहेवियरल साइंसेज, आईआईएस, ने।

अत्यंत सफल रहे इस सत्र में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं, कार्य और जीवन संतुलन साथ ही तनाव से निपटने के तरीके पर भी चर्चा हुई। क्लब के जो सदस्य शारीरिक रूप से बैठक में सम्मिलित नहीं हो सके वे इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े।

क्लब की पॉडकास्ट श्रृंखला के तहत किया गया एक और सफल प्रोजेक्ट मगेम-चेंजिंग लेसन्स: माइंड टू मेडल्सफ नामक एक कार्यक्रम था, जिसमें ओलंपियन और उद्यमी शगुन चौधरी ने अपने अनुभवों के बारे में बताय। प्रिंसी ने बताया कि इन पॉडकास्ट के माध्यम से, क्लब उन उल्लेखनीय व्यक्तियों के पीछे संघर्ष और सफलता की कहानियों, ज्ञान और प्रेरणा की खोज करता है, जिन्होंने न केवल अपने पेशे में उत्कृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज में

सकारात्मक परिवर्तन की मशाल ले कर चल रहे हैं। इस एपिसोड में, एक असाधारण खिलाड़ी और एक जैविक फार्म नारंगाह की संस्थापक शगुन ने बताया कि उन्होंने एक सफल खिलाड़ी और उद्यमी के रूप में अपने करियर में ऊंचाई पर पहुँचने के लिए, जुनून और उद्देश्य के साथ कल्याण की शक्ति का उपयोग किस प्रकार किया है।

उन्होंने कहा, ''इस वर्ष पॉडकास्ट श्रृंखला विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित है, और लोग किस प्रकार विभिन्न तरीकों के माध्यम से, खेल उनमें से एक है, अपने मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रख सकते हैं।''

मासिक धर्म संबंधी भ्रांतियों को तोड़ना

आज कॉलेजों में छात्राओं को मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता है, क्योंकि राजस्थान में आज भी मासिक धर्म पर बहुत सारी भ्रांतियां और अंधविश्वास प्रचलित हैं, इसी सन्दर्भ में रोटरी क्लब जयपुर गुरुकुल ने यूनिचार्म कंपनी के सहयोग से राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता पर एक सत्र आयोजित किया। हमारा मानना है कि बढ़ती उम्र की लड़कियों को मासिक धर्म स्वास्थ्य ज्ञान और सही जानकारी आवश्यक है। यह उन्हें अपने शरीर को समझने, अपने मासिक धर्म को सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से प्रबंधित करने और मासिक धर्म के दौरान आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करने में सहायक होता है।

इस सत्र में समाज में मासिक धर्म से जुड़ी कुछ भ्रांतियों जैसे कि रसोई में नहीं जाना, पुरुषों को स्पर्श नहीं करना या यहां तक कि उनके सामने भी नहीं पड़ना आदि भ्रामक रीतियों सम्बन्धी प्रश्नों का भी निराकरण किया गया। हमें लगता है कि ऐसी भ्रांतियों का पर्दाफाश करना और उन्हें तोड़ना जरूरी है ताकि भविष्य में लड़कियां ऐसा न करें। प्रिंसी ने कहा, अपनी किशोरावस्था का प्रारम्भ गलत तरीके से नहीं करें और मासिक धर्म चक्र को एक सकारात्मक मानसिकता के साथ स्वीकार करें कि यह प्राकृतिक है, सामान्य है और महिला जीवन यात्रा का स्वाभाविक अंग है, हर महिला इससे गुजरती है और जैसा कि कुछ लोगों द्वारा ये दुष्प्रचार किया जाता है, यह गलत नहीं है । सत्र के अंत में लड़कियों को सेनेटरी पैड वितरित किये गये।

स्तन कैंसर से बचाव

स्तन कैंसर जागरूकता माह मनाने के लिए, क्लब ने आईआईएस के साथ मिल कर, स्तन कैंसर के बारे में जानकारी देने और इसकी रोकथाम के लिए प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजी सर्जन डॉ उत्तम सोनी द्वारा एक वार्ता का

ऊपर बाईं ओर से दक्षिणावर्त: गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण आहार वितरित किया जा रहा है; शिक्षकों को दी जा रही शिक्षण सहायता; आईआईएस डीम्ड यूनिवर्सिटी के एनएसएस और फाइन आर्ट्स के छात्र महात्मा गांधी सरकारी स्कूल की दीवारों पर पेंटिंग करते हुए; राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में बालिकाओं को बांटे गए सेनेटरी नैपकिन पैकेट; ओलंपियन शगुन चौधरी (दाएं) के साथ पॉडकास्ट।

आयोजन किया, क्लब सचिव मेघा ने कहा कि सर्जन ने छात्राओं से स्तन कैंसर के जोखिम कारकों पर चर्चा की और बताया इन कारकों को कम करने के लिए क्या किया जा सकता है, जैसे नियमित व्यायाम, उचित वजन बनाए रखना, स्वस्थ आहार लेना, शराब का सीमित सेवन और धूम्रपान या तंबाकू उत्पादों के सेवन से पूर्ण निषेध। .

डॉ सोनी ने कहा कि सभी महिलाओं को 40 वर्ष की आयु से नियमित मैमोग्राम और नैदानिक स्तन जांच करानी चाहिए, उन्होंने स्तन कैंसर की जांच की आवश्यकता और महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि अधिक जोखिम वाली महिलाओं को 40 से पहले ही स्क्रीनिंग शुरू कर देनी चाहिए।

अन्य परियोजनाओं में मअपना घरफ आश्रम के निवासियों के लिए नियमित रूप से भोजन प्रायोजित करना, बेघरों और सड़कों पर छोड़े गए लोगों के लिए आश्रय और श्री कंचन डायलिसिस में डायलिसिस उपहार शामिल है, जो उन लोगों को मुफ्त डायलिसिस प्रदान करता है जो इसका खर्च नहीं उठा सकते।

उन्होंने पीडीजी अशोक गुप्ता को एक परियोजना प्रायोजित करने के लिए धन्यवाद दिया, जिसके अंतर्गत क्लब के सदस्यों ने विश्व छात्र दिवस के अवसर पर, जयपुर में महात्मा गांधी सरकारी स्कूल के छात्रों को शैक्षिक और जीवंत भित्तिचित्रों के साथ कई जादुई कहानियां कहती एक रंगीन दीवार बनाके उपहार में दी। ये भित्ति चित्र स्कूल के एनएसएस छात्रों द्वारा आईआईएस डीम्ड विश्वविद्यालय के ललित कला छात्रों के सहयोग से चित्रित किये गए थे।■

आपके गवर्नर्स

सुब्बाराव रावुरी
सॉफ्टवेयर इंजीनियर
रोटरी क्लब विजयवाड़ा मिडटाउन
रो ई मंडल 3020

साथी रोटेरियनों के साथ व्यावसायिक संबंध बनाएं

2008-09 में डीजी सुब्बाराव रावुरी फैलोशिप और संपर्क तंत्र को बढ़ावा देने हेतु रोटरी से जुड़े। ''क्योंकि रोटरी पर विश्वास मजबूत है इसलिए मैं रोटेरियनों को एक दूसरे के साथ व्यावसायिक संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। इससे परेशानी मुक्त लेनदेन भी सुनिश्चित होगा,'' वह कहते है। उनका सुझाव है कि क्लब के अध्यक्ष व्यक्तिगत सदस्यों की रुचि का एक डेटाबेस तैयार करें ताकि उन्हें उनकी रुचि अनुरूप कार्य सौंपा जा सकें।

रावुरी ने क्लबों के बीच क्रॉस-लर्निंग को बढ़ावा देने और मंडल भर में विविध क्लब संस्कृतियों को समझने के लिए क्लब अध्यक्षों और सचिवों के लिए मक्लब विजिट पासपोर्टफ की शुरूआत की। पांच प्रतिशत सदस्यता वृद्धि लक्ष्य (4,600 से 5,000 तक) के साथ उन्होंने ग्रामीण क्लबों की क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए उनके लिए लक्ष्य तैयार किए। टीआरएफ को देने के लिए उनका लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर का है।

मंडल-व्यापी पहलों में मानसिक स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करना और मंडल के अस्पतालों में सीएसआर समर्थन से 21,000 मैमोग्राफी मशीनें स्थापित करना शामिल है।

पवन खंडेलवाल
हॉस्पिटैलिटी
रोटरी क्लब अलवर, रो ई मंडल 3053

क्लबों के लिए वैश्विक अनुदान प्रारूप को सरल बनाएं

पवन खंडेलवाल 1998 से रोटरी के एक सदस्य हैं। इस वर्ष के लिए उनकी योजनाओं में मंडल भर की सदस्यता में 20 प्रतिशत की वृद्धि करना शामिल है। वह विविधता पर जोर देते हैं, उनका मानना है कि रोटरी का सरलीकृत वर्गीकरण विभिन्न व्यवसायों और पृष्ठभूमि के व्यक्तियों तक पहुंचने में मदद करता है। वह क्लब के अध्यक्षों को फैलोशिप, सेवा के अवसरों और व्यावसायिक संवर्धन सहित सदस्यों को प्राप्त मूल्य को रेखांकित करके कथित उच्च सदस्यता से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रोत्साहित करते है।

हालांकि उनके मंडल ने 17 प्रमुख दाताओं की घोषणा की है फिर भी वह टीआरएफ के लिए राशि जुटाने में चुनौतियों को स्वीकार करते हैं। ''सदस्यों को लगता है कि वे इस धन का इस्तेमाल स्थानीय परियोजना के लिए कर सकते हैं क्योंकि उनमें से ज्यादातर वैश्विक अनुदान के तकनीकी पहलुओं को नहीं समझते। हमने अलवर में मुख्य रूप से सदस्यों द्वारा वित्त पोषित 3.5 करोड़ की लागत से एक ब्लड बैंक स्थापित किया। हमें टीआरएफ को देने हेतु क्लबों को प्रोत्साहित करने के लिए एक सरलीकृत वैश्विक अनुदान प्रारूप की आवश्यकता है,'' वह कहते हैं।

प्रमुख शहरों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, खंडेलवाल ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजनाओं को लागू करने के लिए अधिक सीएसआर समर्थन की आवश्यकता को समझते हैं। रोटरी के बारे में जागरूकता फैलाने और इसकी ब्रांड छवि को बढ़ाने के लिए एक 1,400 किलोमीटर की साइकिल रैली आयोजित की जाएगी।

से मिलिए

किरण ज़ेहरा

नासिर एच बोरसदवाला

कंप्यूटर

रोटरी क्लब कोल्हापुर मिडटाउन, रो ई मंडल 3170

रोटरी में होने के उद्देश्य की पुष्टि करें

1996 से एक रोटेरियन रहे डी जी नासिर बोरसदवाला का मानना है कि ''रोटरी वित्तीय लाभ से परे जाकर व्यक्तियों को आकार देती है।'' रोटरी के सार को समझने और उसे महत्व देने वाले रोटेरियनों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उन्होंने 450 नए सदस्यों को शामिल किया है। मंडल में सबसे अधिक अवरोधन प्रतिशत वाले क्लब को एक ट्रॉफी मिलेगी जिसका नाम उनके दिवंगत माता-पिता के नाम पर होगा।

बोरसदवाला गवर्नरों को ''टोकरी से खराब सेब को साहसपूर्वक हटाने हेतु प्रोत्साहित करते है। योगदान न करने वाले सदस्यों को बाहर निकालें और रोटरी में रहने के उद्देश्य की पुष्टि करें,'' वह कहते हैं।

उनका मंडल 3 राज्यों तक फैला है और विविध सदस्यता वाला है। ''उन्हें सात सफल अखिल-महिला क्लबों पर बेहद गर्व है जो प्रभावशाली परियोजनाएं कर रहे हैं। यदि कोई क्लब वर्तमान वर्ष में सीएसआर परियोजना में शामिल हो रहा है तो साझेदार के प्रति जवाबदेही दिखाने के लिए जून 2024 तक परियोजनाओं को पूरा करना महत्वपूर्ण है।''

1 मिलियन डॉलर के टीआरएफ लक्ष्य के साथ उनके मंडल ने 55 प्रमुख दाताओं की घोषणा की है और हुबली में एक दूध बैंक, इचलकरंजी में पांच हैप्पी स्कूल और पूरे मंडल में पांच डायलिसिस केंद्रों की योजना सहित आठ वैश्विक अनुदान शुरू किए हैं।

टी आर विजयकुमार

सम्मिश्रण और बॉटलिंग

रोटरी क्लब त्रिचूर सेंट्रल, रो ई मंडल 3201

दमदार रोटरी कहानियां साझा करें

1987 की सदस्यता यात्रा के साथ दूसरी पीढ़ी के रोटेरियन टी आर विजयकुमार का लक्ष्य टीआरएफ योगदान और प्रभावशाली परियोजनाओं के मामले में अपने मंडल की विरासत को आगे ले जाना है। वह क्लब अध्यक्षों से आग्रह कर रहे हैं कि वे नए सदस्यों को शामिल करते समय उनके साथ आकर्षक रोटरी कहानियों को साझा करें। उनका मानना है कि ''अभिविन्यास ही एकमात्र उपकरण है जो मौजूदा सदस्यों को रोटरी में उनके उद्देश्य को समझने में मदद करेगा।'' वह मंडल की सदस्यता में 6,500 से 10,000 सदस्यों तक की वृद्धि करने की इच्छा रखते हैं।

विविधता के महत्व को समझते हुए वह अधिक महिला सदस्यों को आकर्षित करने के लिए बैठक के समय को लचीला रखने का सुझाव देते हैं। यह मंडल वर्तमान में पांच सीएसआर पहल कर रहा है। टीआरएफ योगदान के लिए उनका लक्ष्य 2.5 मिलियन डॉलर का है और वह पहले ही 1.1 मिलियन डॉलर से अधिक पर पहुँच चुके हैं।

मंडल की उल्लेखनीय परियोजनाओं में विकृत चेहरे की सुधार सर्जरी के लिए ₹58 लाख का वैश्विक अनुदान शामिल है जहाँ उनका गृह क्लब 50 सर्जरियाँ पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही यह मंडल नि:शक्त जनों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। स्त्री रोग विशेषज्ञों और अन्य विशेषज्ञों की मदद से उनके मंडल ने ग्रामीण माताओं के लिए विशेष मातृत्व किटें तैयार की हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

स्वस्थ दीर्घायु के लिए मंत्र

भरत और शालन सवुर

अपने चारों ओर देखने पर आपको लगेगा कि आम तौर पर आपकी अगली पीढ़ी आपसे लंबी है। यह कि जीवन काल बढ़ गया है। जरूरी नहीं है कि एक लंबा जीवन बेहतर ही हो। जीवन प्रत्याशा का जीवन की अपेक्षाओं से बहुत गहरा नाता है। डैन ब्यूटनर की प्रलेखी वास्तव में दीर्घायु पर एक सबक है। और उनके 263 सौ वर्षीय लोग इस बात का प्रतीक हैं। इसके साथ ही उनके द्वारा खोजे गए आनंद-स्वास्थ्य स्थान से यह पता चलता है कि जीवन काफी सरल है। और इसमें एक गहराई है।

या ब्यूटनर के शब्दों में कहें तो: मयुवावस्था का कोई झरना या कोई जादूई दवाई मौजूद नहीं है जिसे खाकर हम लंबे समय तक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें। स्वस्थ जीवन का निर्माण करने वाले वातावरण को तैयार करने हेतु अनेक छोटे-छोटे बदलाव करने पड़ते हैं। कुछ लोगों ने उन परिणामों को हासिल किया है जिनका हम अनुकरण करना चाहते हैं।

यहाँ ब्यूटनर का नौ-स्तरीय पोषण प्रसार है।

- सचेत रूप से एक सक्रिय जीवन चुनें। आपका जीवन केवल एक अस्तित्व नहीं है। यह एक आंदोलन है। इसे बस करना है को अपना आदर्श वाक्य बनाएं। इसके बाद सबसे अधिक महत्वपूर्ण इसे कर दिखाना है। इससे संभावित ऊर्जा गतिशील ऊर्जा में बदल जाती है।
- यकीन मानिए आपका जन्म एक उद्देश्य की पूर्ति के लिए हुआ है। अपने आंतरिक मन को टटोले। अपने जुनून का पीछा करें। और शायद आपको आपके मन का कुछ मिल जाए। अब, इसके पीछे पड़ जाएं। हर कोई यह नहीं जानता कि उसके अंदर एक खालीपन मौजूद होता है - जिसे भरने की आवश्यकता होती है। जीवन बुरा नहीं है। यह सिर्फ आपकी सांसें छीन सकता है। अब, आपके पास अपना दृष्टिकोण है। इसे आवाज दें। इसे जिएं। ब्यूटनर के अनुसार 'अपने जीवन के उद्देश्य को जानना मतलब अपनी जीवन प्रत्याशा में अतिरिक्त सात साल जोड़ना।'
- तनाव आधुनिक जीवन रूपी सड़क का पीछा करता है। ब्यूटनर कहते हैं, मदुनिया के सबसे लंबी आयु वाले लोगों के पास ऐसा क्या है जो हमारे पास नहीं है, उनकी दिनचर्या में ही तनाव से दूर रहना शामिल है। ओकिनावा के लोग प्रतिदिन अपने पूर्वजों को याद करने में कुछ समय व्यतीत करते हैं। एडवेंटिस्ट प्रार्थना करते हैं, इकारियन एक झपकी लेते हैं और सार्डिनियन खुशी का एक घंटा व्यतीत करते हैं।
- ज्यादातर लोग अपनी दैनिक रोटी के लिए भगवान को धन्यवाद देते हैं। जैसा कि ओकिनावा के लोग करते हैं - पढ़े-लिखे होने के बाद भी। वे प्रार्थना करते हैं कि जब उनका पेट 80 प्रतिशत भर जाएं तो वे खाना बंद कर सकें। ब्यूटनर कहते हैं, भूखे न होने और पूर्ण महसूस करने के बीच का यह 20 प्रतिशत का अंतर वजन कम करने या इसे बढ़ाने के बीच का अंतर हो सकता है। ब्लू ज़ोन के लोग अपना सबसे कम भोजन दोपहर में देर से या शाम को जल्दी खाते हैं और बाकी पूरा दिन और कुछ नहीं खाते हैं।
- अधिकांश शत वर्षीय लोग शाकाहारी हो जाते हैं। उनका झुकाव वनस्पतियों की ओर होता है। लाल मांस को उसकी आवृत्ति और खपत से

मापा जाता है - 8.5 से 11.5 ग्राम प्रति प्लेट जो एक माह में पांच बार से अधिक प्रतिबंधित होता है।

- इससे थोड़ी खुशी मिल सकती है। ब्लू जोन में सभी लोग शराब का सेवन करते हैं। बेशक थोड़ी मात्रा में। वास्तव में थोड़ी पीने वाले बिल्कुल न पीने वालों से आगे रहते हैं। उनका सेवन प्रतिदिन दो गिलास शराब तक ही सीमित होता है और वो भी केवल उनके मित्रों के साथ। उनकी खुशी की घड़ी? शाम पांच बजे। शाब्दिक रूप से शाम का चाय-नाश्ता!
- विश्वास करने वालों ने विश्वास न करने वालों को 263:5 से पछाड़ दिया। ब्यूटनर का सर्वे क्षण कहता है कि मविश्वास करने वाले लोग जो महीने में चार बार ऐसी सेवाओं में भाग लेते है, वे अपनी जीवन प्रत्याशा में 4 से 14 साल जोड़ते है।फ

- अधिकांश भारतीय खुशी-खुशी इसके साथ चलते हैं। माता-पिता, दादा-दादी के साथ या उनके पास रहने वाले लोगों में स्वास्थ्य जोखिम और संतानों की मृत्यु दर में कमी आई है। इसी तरह जीवन साथी के होने से जीवन प्रत्याशा में तीन साल तक की वृद्धि हुई है।
- ब्यूटनर ने यह भी दावा किया कि जो लोग बचपन से दोस्तों/पारिवारिक समूहों के साथ जुड़े रहते है या अपनी पसंद के लोगों के साथ रहते है, वे अधिक स्वस्थ रहते है।

हरित भोजन अपनाएं

भोजन के बाद 80 प्रतिशत भरा पेट समझ में आता है। पाचन प्रयोजनों के लिए पेट को उस स्थान की आवश्यकता होती है। पेट में जगह की कमी पाचन रस के मुक्त प्रवाह को प्रतिबंधित करती है और बदले में अम्लीय और पेट संबंधित अन्य समस्याएं पैदा हो सकती है। सुनिश्चित करें कि आपकी प्लेट में प्रोटीन-कार्ब सामग्री से भरपूर पर्याप्त हरित भोजन हो।

चलिए अब अंतिम पड़ाव पर ब्यूटनर के बुफे पर लौटते हैं।

ब्यूटनर के मेनू को बनाए रखने और उसे प्रेरित करने के लिए समान विचारधारा वाले लोगों का एक समूह बनाएं। यह समूह उस समय आपकी कार्य-योजना को गति और प्रेरणा देगा जब आप सुस्त या कमजोर या दोनों महसूस कर रहे हो।

यदि आप सामाजिक, शहरी, राजकीय या राष्ट्रीय रूप से प्रभावी है तो एक ऐसा समाज बनाएं जो वास्तविक रूप से आगे बढ़े। उदाहरण के लिए: शहर में चलने और बाइक चलाने योग्य स्थान बनाएं। या बस किसी भी तरह से पर्यावरण के पक्षधर रहें।

स्वर्ग की उपमा

ब्यूटनर का दृष्टांत इन मूल्यवान बुजुर्गों की असाधारण और स्पष्ट विलक्षणताओं से परे है। उनका कार्य वास्तव में मानवजाति के भविष्य के लिए समर्पित है। यह हमें अपने अस्तित्व की पहचान करने पर मजबूर करता है क्योंकि हम परिवर्तन और निरंतरता के वर्तमान चौराहे पर खड़े हैं। प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए इंसान को यह समझना जरूरी है कि उसे स्वयं अधिक प्राकृतिक रूप से कार्य करना होगा। क्योंकि इसके लिए हम अन्यदेशीय है - अंतरिक्ष का

भोजन के बाद 80 प्रतिशत भरा पेट समझ में आता है। पाचन प्रयोजनों के लिए पेट को उस स्थान की आवश्यकता होती है।

कोई काल्पनिक प्राणी नहीं। हां वास्तव में मनुष्य ही क्षेत्रों/शांति का खलनायक है। धरती माता सदियों से इंसानी प्रजातियों के पर्यावरणीय दुरुपयोग को झेल रही है। आज का मनुष्य अपने और अपने पूर्वजों दोनों के पारिस्थितिक कदाचार के दुष्परिणाम झेल रहा है। उसे अपने परिवेश के प्रति समर्पित होना होगा और अपने एवं अपने आसपास के लोगों के जीवन को सुधारने में सहायता करनी होगी। दीर्घायु पर ब्यूटनर के दिए सबक व्यर्थ हो जाएंगे यदि मनुष्य वैसे ही चलता रहा जैसे अब तक चलता आया है। ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आग, मौसमी-तूफान, पृथ्वी के ध्रुवीय छोरों पर बर्फ का पिघलना जैसे इसके प्राकृतिक दुष्परिणाम है और पहाड़ की चोटियां वैसी ही प्रतीत होती है। मनुष्य को अपनी वर्तमान स्थिति में बने रहने के लिए पृथ्वी के ट्रेडमिल पर अतिरिक्त पर्यावरणीय मील दौड़ना होगा।

इस आपदा का सामना करना और फिर प्रकृति का रुख मोड़ देना आसान नहीं है। लेकिन फिर जीवन में कभी-कभी सब कुछ सरल नहीं होता, हर बात का कोई आसान जवाब नहीं होता और न ही आसान समाधान होता हैं। फिर भी किसी न किसी तरह मनुष्य को एक स्वर्गदूत की तरह कार्य करते हुए कुछ असाधारण करना होगा। और शायद पृथ्वी दोबारा स्वर्ग बन जाए।

संतुलन ही नया आधुनिक मंत्र हो सकता है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और*
बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली
डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस
फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

Rotary PEOPLE OF ACTION

आदिवासी घरों तक पानी पहुंचाना

जयश्री

रोटरी क्लब मुंबई खांडिवली वेस्ट के पूर्व अध्यक्ष राकेश शाह (बीच में) और क्लब के सदस्य आदिवासी गांव में स्थापित पानी की टंकी के सामने।

रोटरी क्लब मुंबई कांदिवली वेस्ट, रो ई मंडल 3141 ने अपनी ग्रामीण विकास परियोजना के माध्यम से मुंबई से 120 किमी दूर पालघर जिले के आदिवासी गांव छोट्याची वाडी में 183 घरों में से प्रत्येक को अपने घरों में पानी पहुंचाने में मदद की है।

क्लब ने पिछले साल अपने तत्कालीन अध्यक्ष राकेश शाह के नेतृत्व में यह सामुदायिक सेवा शुरू की थी। जब रोटेरियन्स ने गाँव का दौरा किया, ''तो ग्रामीणों को लगभग 1.5 किमी दूर एक प्राकृतिक झरने से पानी भरने वाले एक निजी कुएं से बर्तनों में पानी लाते हुए देखना दिल दहला देने वाला था। पानी केवल जून-जुलाई और फरवरी-मार्च अवधि के दौरान उपलब्ध था। अन्य महीनों के दौरान उन्हें पानी इकट्ठा करने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था,'' शाह ने कहा। इसलिए क्लब ने पानी का भंडारण बढ़ाने के लिए कुएं को 10 फीट तक गहरा करने की योजना बनाई, जलभरों की पहचान करके झरने को रिचार्ज किया और अधिक झरनों की संभावनाएं भी तलाशीं। परियोजना के हिस्से के रूप में 10,000 लीटर के भंडारण टैंक का निर्माण किया गया, कुएं से पानी निकालने के लिए एक पंप और मोटर लगाई गई, पाइप बिछाए गए और प्रत्येक घर में नल लगाए गए। चूंकि क्षेत्र में बिजली अनियमित है, इसलिए पानी पंप के निर्बाध कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सौर पैनल लगाए गए थे।

ग्रामीण छोटे किसान हैं। शाह ने कहा, अब उनके पास उपभोग और खेतों के लिए पर्याप्त पानी है।

कुल परियोजना लागत ₹20 लाख और तीन कॉर्पोरेट - आइजनेरम्पर (इंडिया) कंसल्टेंट्स (12.5 लाख रुपये); ओवरसीज पॉलिमर (₹2 लाख) और सिक्योरिटीज इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट (₹1.2 लाख) ने इसका समर्थन किया। क्लब के सदस्यों ने ₹3.87 लाख खर्च किए।

यह परियोजना, जिससे 500 से अधिक लोग लाभान्वित होंगे, अक्टूबर में पूरी हो गई और आईपीडीजी संदीप अग्रवाल ने अत्यधिक प्रसन्न आदिवासी समुदाय और क्लब के सदस्यों के बीच इसका उद्घाटन किया।

इस साल, अध्यक्ष विपुल गगलानी के नेतृत्व में, विभिन्न सेवा परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए एक फंडरेजर ने ₹1.4 करोड़ जुटाए। गगलानी ने कहा, ''अगले कुछ महीनों में हम ₹40 लाख और जोड़ेंगे।''

क्लब ने आईपीसीए प्रयोगशालाओं के सहयोग से कांदिवली हितवर्धक मंडल अस्पताल को एक सीटी स्कैन मशीन (₹1.2 करोड़) प्रदान करने की योजना बनाई है। स्थानीय भाषा माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले 600 छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए स्पोकन इंग्लिश और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम भी योजना में है। बीएनआई इंडिया ₹6 लाख की इस परियोजना का समर्थन करेगा। अमेरिका स्थित कॉर्पोरेट आइजनेरम्पर (इंडिया) कंसल्टेंट्स के क्लब सदस्यों और कर्मचारियों की भागीदारी के साथ जुहू समुद्र तट पर एक मेगा सफाई अभियान चलाया गया। ■

क्लब द्वारा आयोजित धन संचयन सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों के साथ क्लब अध्यक्ष प्रितिका समानी।

Rotary PEOPLE OF ACTION

प्रोजेक्ट अस्मिता के माध्यम से 1 लाख से अधिक लड़कियों को सशक्त बनाया गया

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब बिबवेवाड़ी पुणे, रो ई मंडल 3131 ने अपने सीएसआर सहयोगी जीटीपीएल हैथवे के साथ साझेदारी में, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गोवा में 1 लाख से अधिक लड़कियों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रोजेक्ट अस्मिता का विस्तार किया है। 2019-20 में अपनी स्थापना के बाद से, प्रोजेक्ट अस्मिता ने स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य को संबोधित करने से लेकर यौन शोषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों का सामना करने तक बदलाव किया है। परियोजना ने इन चार राज्यों में स्कूली लड़कियों तक पहुँचते हुए तीन भाषाओं में वीडियो और पुस्तिकाएँ वितरित की हैं।

रोटरी न्यूज़ ने अक्टूबर 2022 के अंक में इस परियोजना (80,000 लड़कियों के लिए एक मेगा सशक्तिकरण परियोजना) के बारे में एक गहन लेख प्रकाशित किया था (https://rotarynewsonline.org/2022/10/a-mega-empowerment-project-for-80000 - girls)।

इस वर्ष के मील के पत्थर, जो विशेष रूप से कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए तैयार किए गए हैं, में 250 से अधिक स्थानों पर कई रोटरी जिलों और क्लबों के सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। व्यापक कार्यक्रम वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, तकनीकी कौशल और आत्मरक्षा पाठों को शामिल करते हुए वीडियो सामग्री, व्यावहारिक उपकरण और पुस्तिकाएं पेश करता है। लड़कियों को आत्मरक्षा के लिए काली मिर्च स्प्रे और मल्टीविटामिन की खुराक भी दी गई।

प्रोजेक्ट अस्मिता के तहत छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे समझाते डॉक्टर।

प्रोजेक्ट काउंसलर और क्लब के चार्टर अध्यक्ष जिग्नेश पंड्या ने कहा, ''लड़कियों को पैसे का प्रबंधन करने, स्मार्ट निवेश करने और बुद्धिमानी से बचत करने के बारे में सिखाने पर ध्यान देने से, वे अपने पैसे के साथ बेहतर विकल्प चुन सकती हैं और बेहतर वित्तीय भविष्य पा सकती हैं।''

प्रोजेक्ट लॉन्च के दौरान डीजी मंजू फड़के ने अपने शुरुआती स्कूल के दिनों की एक निजी कहानी साझा की। ''मैंने कुछ साथी छात्रों की मदद की जिन्हें एक बैडमिंटन कोच द्वारा ङ्गपरेशानफ किया जा रहा था। हमने अपनी चिंता व्यक्त की और स्कूल अधिकारियों से उसके बारे में शिकायत की। संभवतः वह मेरे लिए प्रोजेक्ट अस्मिता की शुरुआत थी,'' उन्होंने कहा। डीजी नासिर बोरसदवाला ने टिप्पणी की, ''प्रोजेक्ट अस्मिता की गहराई और यह जिन जिंदगियों को छूती है वह सराहनीय है। अधिक जिलों को इस पहल में शामिल होना चाहिए।''

डीजीई शीतल शाह, रो ई मंडल 3131 के कई पीडीजी और रो ई मंडल 3160 के डीजीई तुषार शाह के साथ परियोजना के शुभारंभ पर उपस्थित थे। ■

रोटरी क्लब बिबवेवाडी द्वारा विद्यार्थियों को वितरित की गई पुस्तिकाएँ।

2024 में हरित योद्धा बनें

प्रीति मेहरा

यह साल का वो समय हैं जब आप महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताए बनाते हैं।

नया साल 2030 की उलटी गिनती शुरू हो गई है। यह पृथ्वी को स्वस्थ करने और ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने के वैश्विक प्रयास में एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। समय तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब से बहत्तर महीने बाद, दुनिया के राष्ट्र खुद को एक पर्यावरणीय ऑडिट के अधीन करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या उन्होंने अपने लिए निर्धारित टिकाऊ लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। क्या हमने सामूहिक रूप से वितरित किया है या नहीं।

तो, आपको आश्चर्य हो सकता है कि औसत नागरिक का ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से क्या लेना-देना है। इसे वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं पर छोड़ दें। खैर, मैं इस मौसम की खुशियों और जश्न को खराब करने वाला आखिरी व्यक्ति हूं, लेकिन हैंगओवर शांत होने के बाद धरती मां के स्वास्थ्य और दीर्घायु को सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रतिबद्धताएं करने का यह एक अच्छा समय हो सकता है। याद रखें, जिस तरह हर बूंद से सागर बनता है, उसी तरह हर व्यक्तिगत या संगठनात्मक प्रयास से भी सागर बनता है।

आरंभ करने के लिए, अपने परिवार, अपने कार्यालय और अपने पड़ोस के दैनिक जीवन में कुछ बुनियादी हरित प्रथाओं को शामिल करें। आइए हम घर से ही अपने कचरे को अलग-अलग करना शुरू करें और दूसरों से भी इसी प्रथा का पालन करने का आग्रह करें। तीन मिनट से भी कम समय लगने वाले इस अभ्यास का अपशिष्ट प्रबंधन श्रृंखला पर व्यापक गुणक प्रभाव पड़ता है। यदि कचरे को सूखे और गीले कचरे में अलग कर दिया जाता है तो यह आसानी से

आइए हम घर से ही अपने कचरे को अलग-अलग करना शुरू करें और दूसरों से भी इसी प्रथा का पालन करने का आग्रह करें। तीन मिनट से भी कम समय लगने वाले इस अभ्यास का अपशिष्ट प्रबंधन श्रृंखला पर व्यापक गुणक प्रभाव पड़ता है।

सही रिसाइकिलर्स तक पहुंच जाएगा, बिना किसी को इसे मैन्युअल रूप से अलग करने की आवश्यकता के बिना या इसे कचरे के ढेर में फेंक दिया जाएगा या इससे भी बदतर, बिना अलग किए किसी लैंडफिल में फेंक दिया जाएगा। यदि इसके स्रोत के बिंदु पर अलग किया जाए, तो गीला कचरा (जिसका अर्थ मुख्य रूप से पका हुआ भोजन, सब्जियों के छिलके, पत्ते, घास आदि है) उत्कृष्ट खाद बनाता है और इसका उपयोग बगीचों, खेतों, खेतों और मिट्टी को फिर से जीवंत करने के लिए किया जा सकता है। सूखा कचरा जिसमें कागज, कार्डबोर्ड, प्लास्टिक, बोतलें, टिन, जार और लगभग कुछ भी शामिल होता है, अगर उसे गीले कचरे के साथ न मिलाया जाए तो उसे संभालना, बेचना और रीसाइक्लिंग करना आसान होता है।

आपको बस एक हरी प्लास्टिक की बाल्टी, एक लाल बाल्टी और एक बड़ा जूट बैग चाहिए। अपने गीले कचरे को हरे रंग में, गंदे सूखे कचरे को लाल रंग में और पूरी तरह से सूखे कचरे जैसे अखबार और रैपर आदि को जूट बैग में डालें। आपके हाथ की एक उछाल यह काम कर सकती है, और यह मीथेन उत्सर्जन के एक छोटे से अंश को बचा सकती है जो ग्रीनहाउस प्रभाव को बढ़ा रहा है।

वास्तव में, अपशिष्ट, पृथ्वी के 2030 स्थिरता लक्ष्यों तक पहुँचने के प्रयास में एक महत्वपूर्ण शब्द है। इसका मतलब यह है कि कुछ भी, बिल्कुल कुछ भी, बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए, चाहे वह ऊर्जा हो, पानी हो, या ताजी हवा हो। वे सभी उस दुनिया में बहुमूल्य वस्तुएं हैं जिसके प्राकृतिक संसाधन मानव जाति के कार्यों के कारण तेजी से समाप्त हो रहे हैं।

तो, हमारी हरित प्रथाओं में क्या शामिल होगा? उन्हें वीरतापूर्ण कार्य करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्राथमिक रोजमर्रा के कार्य होने चाहिए जिन पर लोगों का ध्यान नहीं जाता लेकिन वे बेहद संतोषजनक होते हैं। उदाहरण के लिए, किसी कमरे से बाहर निकलने से पहले लाइट और पंखे बंद करने के लिए केवल समझदारी की जरूरत होती है। अपने घर या कार्यालय में जितना हो सके एयर कंडीशनिंग चालू करने से बचना उतना मुश्किल नहीं है। याद रखें, थोड़ा सा पसीना बहाने से शरीर को विषाक्त पदार्थों से छुटकारा मिलता है! अपने दाँत ब्रश करते समय पानी का नल बंद करना, और नहाते या धोते समय पानी बचाना कोई प्रयास नहीं है। हर बूंद मायने रखती है और हम अक्सर पूरी तरह से विचारहीन कार्यों के कारण इस कीमती वस्तु के कई लीटर खो देते हैं।

मैंने हमारे देश में ऐसे घर देखे हैं जहां पानी के पाइपों में वर्षों से छोटे-छोटे रिसाव होते रहते हैं, जिससे ताजा पीने का पानी व्यर्थ बह जाता है। परिवार के पास कार खरीदने के लिए पैसे तो होंगे लेकिन पानी के पाइप बदलवाने को प्राथमिकता नहीं देंगे। और जब आप इस बात पर विचार करते हैं कि भारत दुनिया के सत्रह अत्यधिक जल-तनाव वाले देशों में तेरहवें स्थान पर आता है, जैसा कि विश्व संसाधन संस्थान द्वारा जारी एक्वाडक्ट जल जोखिम एटलस में पता चला है, तो आपको हमारी भविष्य की जल स्थिति के बारे में और अधिक चिंतित होना चाहिए।

वायु प्रदूषण भी एक ऐसा मुद्दा है जिस पर कई शहरों में ध्यान देने की जरूरत है। दिल्ली में साल में कई बार स्थिति 'खतरनाक' हो जाती है, लेकिन सुविधा या उत्सव के लिए हरित प्रथाओं को अलग रखा जाता है। दिवाली हमारे लिए एक खुशी के साथ-साथ पवित्र त्योहार भी है, लेकिन हम हर साल कानून की सारी समझ कैसे खो देते हैं। पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है क्योंकि वे वायु की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं, लेकिन उनका उपयोग साल-दर-साल व्यक्तियों के मनोरंजन के लिए किया जाना चाहिए। यहां तक कि राजनीतिक दल भी उत्सव के दौरान पटाखे फोड़ते हैं। वे जश्न मनाने का कोई गैर-प्रदूषणकारी तरीका क्यों नहीं खोज सकते?

क्या 2024 वह वर्ष हो सकता है जिसमें आप घर, कार्यालय और समुदाय में अपशिष्ट पृथक्करण, स्वच्छ हवा, ऊर्जा और पानी की बचत की वकालत करने के लिए खुद को समर्पित करेंगे?

आपकी पसंद का परिवहन भी आपको हरित योद्धाओं की श्रेणी में शामिल होने में मदद कर सकता है। हम सभी नियमों को जानते हैं- सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का प्रयास करें, अपनी कार या दोपहिया वाहन को पूल में रखें, प्रदूषण बढ़ाने के बजाय अगर अपने गंतव्य के काफी करीब है तो पैदल चलें, जीवाश्म ईंधन के बजाय इलेक्ट्रिक वाहन चुनें- लेकिन क्या हम इसका पालन करते हैं समय आने पर ये मार्गदर्शक सिद्धांत? यदि हम पर्याप्त रूप से प्रतिबद्ध हैं तो हम ऐसा कर सकते हैं। और यही वह प्रतिबद्धता है जिसके बारे में मैं बात करता रहा हूं। क्या 2024 वह वर्ष हो सकता है जिसमें आप घर, कार्यालय और समुदाय में अपशिष्ट पृथक्करण, स्वच्छ हवा, ऊर्जा और पानी की बचत की वकालत करने के लिए खुद को समर्पित करेंगे? यदि हां, तो आप उस समाधान का हिस्सा होंगे जिसे दुनिया तलाश रही है।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी ने कीमोथेरेपी वार्ड का सुधार किया

वी मुत्तुकुमारन

तमिलनाडु सरकार के मल्टी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (TNGMSSH), ओमनदुरार एस्टेट, में एक 18 बेड के कीमोथेरेपी वार्ड को रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल, रो ई मंडल 3232, द्वारा हैदराबाद स्थित नैटको फार्मा से मिले ₹25 लाख के सी एस आर अनुदान की मदद से उन्नत किया गया।

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल के विशेष परियोजनाएं के निदेशक राघव राव याद करते है कि जब आईपीडीजी एन नंदकुमार के दिमाग की उपज, *प्रोजेक्ट शक्ति,* स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की शुरुआती पहचान और उपचार के लिए प्रगति पर था, तब ''हम रोटरी सेंट्रल मार्गरेट सिडनी अस्पताल, अडयार कैंसर संस्थान स्थित बोन बैंक और रोटरी सेंट्रल-टीटीके-वीएचएस ब्लड बैंक जैसी अपनी स्थायी परियोजनाओं के माध्यम से रोगियों तक पहुंचना चाहते थे।''

एक प्रारंभिक अध्ययन के दौरान, उन्होंने पाया कि TNGMSSH और सरकारी रोयापेट्टा अस्पताल जैसे केवल चुनिंदा अस्पताल ही तमिलनाडु में रोगियों को कैंसर का इलाज प्रदान कर रहे थे। ''इन अस्पतालों के कैंसर वार्डों में डेकेयर उपचार के लिए महत्वपूर्ण देखभाल उपकरण और अन्य भौतिक संपत्तियों की कमी थी। हमने ओमनदुरार अस्पताल को चुना, जो एक सुपर स्पेशलिटी केंद्र है, क्योंकि इसके कीमोथेरेपी वार्ड में पूरे राज्य से एक महीने में 1,000-1,500 मरीज आते हैं,'' वह बताते हैं।

तमिलनाडु के पूर्व स्वास्थ्य सचिव सेंथिलकुमार और अस्पताल के निदेशक डॉ. आर विमला से मुलाकात के बाद राव के नेतृत्व वाली पांच सदस्यीय परियोजना टीम ने जरूरत का आंकलन किया, ''जिसमें पाया गया कि गंभीर देखभाल के उपकरणों, नर्स स्टेशनों और भोजन भंडारण जैसी स्टाफ सुविधाओं, एवं कीमो वार्ड में मरीजों के लिए आरामदायक माहौल जैसे जरूरतों में भारी कमी थी।''

वी मुत्तुकुमारण

दाएं से: रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल के विशेष परियोजना निदेशक वाई राघव राव, आईपीडीजी एन नंदकुमार, क्लब अध्यक्ष प्रकाश वैद्यनाथन, डीजीएन विनोद सरावगी, उषा सरावगी और टीएनजीएमएसएसएच निदेशक आर विमला।

समग्र दृष्टिकोण

एक सहयोगपूर्ण प्रयास के माध्यम से जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों, ऑन्कोलॉजिस्ट और रोगियों से परामर्श किया गया था, परियोजना टीम ने डेकेयर कीमो वार्ड की कमियों को पूरा करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया। हम डेकेयर वार्ड के पुनर्निर्माण के लिए ₹25 लाख के बजट तक पहुंचे और नैटको पूरी राशि देने के लिए आसानी से सहमत हो गया।

बायोसेफ्टी कैबिनेट, 5-पैरामीटर मॉनिटर, इन्फ्यूजन पंप, अल्ट्रासाउंड लीनियर प्रोब और बिजली से संचालित आईसीयू बेड जैसे चिकित्सा उपकरण स्थापित किए गए है। राव मुस्कुराते हुए कहते है, ''मरीजों के लिए गरिमा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए, हमने इंटीरियर को फिर से बनाया और इस साल जुलाई तक पूरी परियोजना को पूरा कर लिया।''

आईपीडीजी नंदकुमार कहते हैं कि ''विचार जरूरतमंद रोगियों को आधुनिक कैंसर देखभाल प्रदान करना है और प्रोजेक्ट शक्ति ने पहले ही सरकारी, निजी अस्पतालों और सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10 मैमोग्राफी इकाइयां स्थापित की हैं। उन्होंने डीजीएन विनोद सरावगी और परियोजना अध्यक्ष राव की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस वार्ड उन्नयन परियोजना में सहायता की जिससे हजारों मरीजों को लाभ होगा जिनका इस अस्पताल में मुफ्त इलाज किया जा रहा है।''

TNGMSSH के मेडिकल ऑन्कोलॉजी के एचओडी डॉ बी रामकुमार कहते हैं कि चेन्नई में स्तन कैंसर ने हाल ही में महामारी का रूप ले लिया है और कीमो वार्ड में तीन सप्ताह में चार बार मरीजों का इलाज किया जा रहा है। कीमोथेरेपी हमेशा से एक उच्च तनाव वाला उपचार रहा है। लेकिन नई सुविधाओं और आधुनिक दवाईओं के साथ, ''हम दर्द को कम कर सकते हैं और रोगियों के लिए चिकित्सा को स्वीकार्य बना सकते हैं,'' सरावगी कहते हैं। नैटको फार्मा के चेन्नई प्लांट के एवीपी वासन गोपालसामी कहते हैं, ''रोटरी के माध्यम से दान करना और समाज में कैंसर रोगियों तक पहुंचना खुशी की बात है।''■

औरंगाबाद में 1,000 पौधे रोपे गए

टीम रोटरी न्यूज़

औरंगाबाद के आठ रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3132, - रोटरी क्लब औरंगाबाद, औरंगाबाद एलीट, औरंगाबाद सेंट्रल, औरंगाबाद मिडटाउन, औरंगाबाद वेस्ट, औरंगाबाद मेट्रो, औरंगाबाद ईस्ट और औरंगाबाद कैंटोनमेंट - ने मिलकर दो गांवों, नैगवन और बभुलटेल में नदी के किनारे 1,000 पौधे लगाए।

परियोजना समन्वयक स्वाति स्मार्ट कहती हैं, ''डीजी स्वाति हर्कल ने सुझाव दिया कि हमारे जिले में क्लब जल निकायों के पास पौधे लगाएं ताकि उन्हें बढ़ने के लिए पर्याप्त पानी मिले और इस प्रयास से मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद मिलेगी।'' यह पहल, मंडल की *जलधारा परियोजना* का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बाढ़ को रोकना और जैव विविधता को बढ़ावा देना है। नैग्यान और बभुल्टेल सूखाग्रस्त गांव हैं, लेकिन मानसून के दौरान नदियों के उफान पर होने से फसल बर्बाद होने से ग्रामीणों को भारी नुकसान होता है। स्वाति का कहना है कि हरियाली विकसित करने से जल स्तर में भी सुधार करने में मदद मिलेगी।

नदी किनारे पौधे लगाते रोटेरियन।

क्लब ने मराठवाड़ा ग्रामीण विकास संगठन से ₹25,000 के पौधे खरीदे और ग्रामीणों की मदद से उन्हें नदी के किनारे लगाया। इनका पालन-पोषण एवं रखरखाव एनजीओ द्वारा किया जाएगा। लंबे समय में, कस्टर्ड सेब और इमली और बांस जैसे फल देने वाले पेड़ ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने में मदद करेंगे।

इस परियोजना का उद्देश्य कागज बनाने, सिलाई और फली तोड़ने जैसी गतिविधियों के माध्यम से आय सृजन के अवसरों का पता लगाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना भी है। ■

छात्र दूरबीन बनाना सीखते हैं

चित्र में ओपन स्पेस फाउंडेशन का एक स्वयंसेवक छात्रों को दूरबीन का उपयोग करना सिखा रहा है। क्लब अध्यक्ष रेशमा रमेश (दाएं से दूसरी) और क्लब सदस्य दिव्या हरि भी चित्र में शामिल हैं।

मेट्रो डायनामिक्स के रोटरी ई-क्लब, रो ई मंडल 3201 ने हाल ही में ग्रामीण कोयंबटूर के 24 सरकारी स्कूलों में छात्रों को दूरबीन बनाने का प्रशिक्षण प्रदान करके *प्रोजेक्ट विनवेली* की पहुंच को वित्त पोषित और विस्तारित किया है। क्लब की अध्यक्ष रेशमा रमेश ने कहा, यह व्यावहारिक दूरबीन इमारत छात्रों के लिए सीखने और अन्वेषण की एक नई लहर को प्रेरित करेगी। प्रोजेक्ट की लागत ₹3.12 लाख है।

अप्रैल 2023 में, क्लब ने शहर के उपनगर थुदियालुर में एक सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए इसी तरह की कार्यशाला का आयोजन किया। ओपन स्पेस फाउंडेशन के तकनीकी विशेषज्ञों ने दूरबीन के निर्माण में उनका मार्गदर्शन किया। ■

शब्दों की दुनिया

लोग और जगह

संध्या राव

दो लघु उपन्यास, सियोल और पांडिचेरी की पृष्ठभूमि पर आधारित, क्रमशः उन धड़कते दिलों पर प्रकाश डालते हैं जो गुत्थी सुलझाते हैं, ज़िंदगी को खूबसूरत बनाते हैं – या बदरंग करते हैं, ... और भी बहुत कुछ

दक्षिण कोरियाई लेखक चो नाम-जू द्वारा लिखित *किम जियॉन्ग, बॉर्न 1982* हमारे बुक क्लब में पढ़ी गई नवंबर माह की किताब रही। मूल रूप से 2016 में कोरियाई भाषा में प्रकाशित और 2018 में जेमी चांग द्वारा शुद्ध अंग्रेजी में अनुवादित, कोरियाई समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता और भेदभाव पर, अपने 'दिलचस्प, मौलिक और स्पष्ट नज़रिये' के साथ लिखी गई ये पुस्तक सनसनी पैदा करने के लिए विख्यात है। कुछ तो इसमें कल्पना की उड़ान है और कुछ कुछ यह एक रिपोर्ट की तरह है और सभी चीजों के साथ स्रोत उद्धृत करते हुए, कसावट के साथ गढ़ी गई यह कथा इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कोई स्थानीय चीज कैसे वैश्विक भी होती है। दूसरे शब्दों में, एक औसत कोरियाई महिला खुद की आत्मा को कचोटती जिस सांसारिक, स्त्री-द्वेषी स्थिति में पाती है, वह सम्पूर्ण विश्व के समाजों में व्याप्त दृष्टिकोण को परिलक्षित करती है और जो ये प्रमाणित करती है कि विकसित और विकासशील देशों के बीच की रेखा वास्तव में बहुत बारीक है।

तीन भाई बहनों में मंझली संतान किम जियॉन्ग की एक बड़ी बहन और एक छोटा भाई है। बेटी होने की वजह से, समाज में उसकी नियति पहले से ही निश्चित है। उसकी माँ ने अपना तीसरा गर्भ गिरा दिया था पर तब, जब उसे विश्वास हो जाता है कि वह चौथी बार भी गर्भ धारण कर सकेगी, पुत्र प्राप्ति की चाह में, वाह! लड़कियों के बढ़ते वर्ष पूरी तरह से उनके भाई को मिलने वाले विशेषाधिकारों और लाभों के इर्द-गिर्द घूमते हैं, उसको मिलने वाली चीजों को इस्तेमाल करती हुई बड़ी होती हैं और जो कुछ बचता है, उसे बाँट लेती हैं और उसी में गुजारा करती हैं - भोजन, स्थान, कपड़े, शिक्षा, काम-काज।

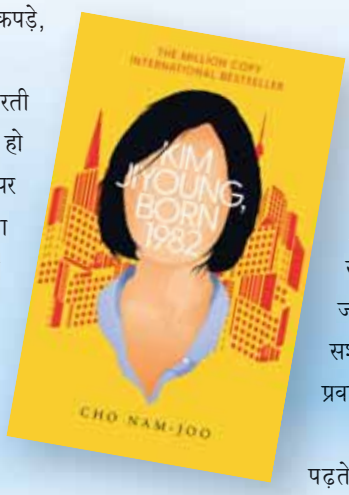

वो बड़ी होती है, नौकरी करती है, शादी करती है, उसका बच्चा हो जाता है। उन वर्षों में वह काम पर आने वाली चुनौतियों का सामना करती रहती है और पदोन्नति की अनदेखी कर संतुष्ट रहती है क्योंकि वह महिला है और एक 'सहयोगी' पति ने उसे पैदा होने वाले शिशु के लिए उसे अपनी नौकरी छोड़ने के लिए राजी किया है। धीरे-धीरे, वह सामाजिक दायित्वों और अपेक्षाओं के दलदल में फंसती चली जाती है। यहां शारीरिक शोषण बिलकुल नहीं है, लेकिन उसका अपना जीवन, दायित्वों और कर्तव्यों से भरा हुआ है, वह अनिवार्य रूप से उसकी मन की स्थिति अन्यमनस्क हो जाती है। उस दिन तक, जब वह अपने तीसवें साल की उम्र के शुरुआत में होती है, इससे उसकी मानसिक स्थिति प्रभावित होने लगती है। जियॉन्ग में यह बदलाव कैसे प्रकट होता है और उसके बाद उसके साथ क्या होता है, यह किताब विस्तार से बताती है। हालाँकि, तस्वीर बड़ी अविस्मरणीय है, और यदि यह पुस्तक पढ़ने वाली कोई महिला है, तो जियॉन्ग आप भी हो सकती हैं। इस पुस्तक की विनम्र शैली उत्सुकता बढ़ाते हुए भय का संचार करती है।

आप इसे एक दस्तावेज़ी-उपन्यास कह सकते हैं, जिसमें दक्षिण कोरिया से संबंधित तथ्य और आंकड़ों के विस्तृत संदर्भ दिए गए हैं। उदाहरण के लिए, मां के गर्भपात के संदर्भ में: उस समय चिकित्सकीय कारणों और समस्याओं के कारण गर्भपात दस वर्षों तक कानूनी था और भ्रूण लिंग की जांच करना और महिलाओं द्वारा गर्भपात करना आम बात थी, जैसे कि 'बेटी' एक चिकित्सकीय समस्या हो। 1 *(यहां स्त्री-द्वेष का संदर्भ पार्क जेह्युन की स्टैटिस्टिकल फ़ैमिली नामक पुस्तक से लिया गया है।)* यह 1990 के दशक तक चलता रहा और 1990 के दशक के शुरू में, पुरुष--महिला अनुपात असंतुलन के चरम पर पहुँच चुका था, जब तीसरे बच्चे और उसके बाद का अनुपात दो : एक से अधिक था। 2 *(यहां संदर्भ सांख्यिकी कोरिया से जन्म-दर-जन्म क्रम पर लिंग अनुपात से लिया गया है।)* ये जानकारी कथा में सहजता से समाहित होती जाती है, केंद्रीय तर्क को सशक्त करते हुए कल्पना के प्रवाह को बनाए रखती है।

एक अन्य जगह हम पढ़ते हैं : '2014 में, जब किम जियॉन्ग ने कंपनी छोड़ी, कोरिया में पांच में से एक विवाहित महिलाओं ने विवाह, गर्भावस्था, प्रसव और बच्चे की देखभाल, या अपने छोटे बच्चों की शिक्षा के कारण अपनी नौकरी छोड़ी थी।' यह आश्चर्य की बात नहीं कि पूर्व में टेलीविजन पटकथा लेखिका रह चुकी किम की ये कहानी एक महिला के रूप में स्वयं

के अनुभव पर आधारित है, जब खुद उन्होंने भी अपने बच्चे के जन्म के बाद नौकरी छोड़ दी थी।

सुनयना पांडा द्वारा लिखित *द मून ओवर पांडिचेरी* बिलकुल अलग ज़ायका लिए है, सिवाय इसके कि यहां इरादा इसका भी यही है: केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी का प्रदर्शन और लेखक ने इस पर बढ़िया काम किया है हमें उस स्थान, उसके इतिहास की जानकारी बारीकी से बताने का प्रयास किया है और वो जो वहां के उत्थान और पतन के लिए जिम्मेदार है। ये कहानी 1910 में शुरू होती है तब पांडिचेरी एक फ्रांसीसी उपनिवेश हुआ करता था, जहां राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन के सभी पहलुओं पर फ्रांसीसी उपनिवेशवादियों का शासन था। समय के साथ-साथ, हम देखते हैं कि चीजें कैसे बदलती हैं या यूँ कहें कि रिश्ते कैसे बनते हैं और/या बिगड़ते हैं, जिससे पांडिचेरी में घटित विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं का अनोखा मिश्रण बनता है।

सुनयना हमें सड़कों और पार्कों, समुद्र तट और उन स्मारकों में ले जाती है जो आज भी विद्यमान हैं, हम इसकी वास्तुकला देखने के लिए यहां रुकते हैं, सड़क पर चल रहे खेलों में भाग लेते हैं, पूजा स्थलों पर शीश झुकाते हैं, समुद्री हवा का आनंद महसूस करते हैं और कई व्यंजनों का लुत्फ़ उठाते हैं। पीढ़ियों के आने जाने के साथ गुत्थियाँ सुलझती हैं, प्यार बढ़ता है और मतभेद भी। धीरे-धीरे, पांडिचेरी एक दिलचस्प, समावेशी चरित्र में विकसित होता है : फ्रेंच, तमिल, मछली पकड़ना, अरबिंदो आश्रम, ऑरोविले ... पारंपरिक, बोहेमियन, बीच में, सब साथ रहते हैं, सह-अस्तित्व। कई स्थानीय लोगों का जन्म फ्रेंच और तमिल के सम्मिश्रण से हुआ हैं, स्थानीय नामों में आपको फ्रेंच की झलक मिल जाएगी है, ज्यादातर यहां फ्रेंच और क्रियोल व्यंजनों का राज है और यहां भारत और दुनिया के सभी हिस्सों से लोग घूमने, आराम करने और मनोरंजन के लिए आते हैं।

लेखन सरल है, सहज है लेकिन इसके बावजूद दिलचस्प है, जो जानकारी देने के साथ *द मून ओवर पांडिचेरी* को पढ़ने में रोचक बनाता है। हम पांडिचेरी को भीतर से, यहां निवासियों के दिल और दिमाग के नज़रिये से देखते हैं और इसकी विशिष्टता को समझना शुरू करते हैं। लेखक पांडिचेरी संस्कृति, जिसे अब आधिकारिक तौर पर पुडुचेरी कहा जाता है, के बारे में बड़े प्रेम और विस्तार के साथ बताती चलती है। हालाँकि, यह पुस्तक पांडिचेरी के अलावा आपको कहीं और मिलने की संभावना नहीं है, या संभव है आप इसे सीधे लेखक से खरीदना चाहें।

चित्रा बेनर्जी दिवाकरुनी की *इंडिपेंडेंस* लगता है मैं पूरी पढ़े बिना नहीं रख पाउंगी। वैसे ये आश्चर्य की बात है, क्योंकि मैंने अभी तक मैंने उनकी कोई और किताब नहीं पढ़ी है, मुख्यतः क्योंकि मुझे पौराणिक कथाओं पर आधारित कथा साहित्य में कोई ज्यादा रूचि नहीं है और मैं इस गलतफहमी में थी कि उनका अधिकांश लेखन इसी शैली में था। पर ये किताब ऐसी नहीं है। यह भारत स्वतंत्रता संग्राम के अंतिम समय में कलकत्ता के नज़दीक एक गाँव में रहने वाली तीन बहनों की कहानी है। विभाजन का ख़तरा मंडरा रहा है, देश में उथल-पुथल मची है और वे अपनी निजी मुश्किलों से जूझते हुए इतिहास की वर्तमान परिस्थितियों में फंस गए हैं।

कहानी धीरे धीरे आगे बढ़ती है और पाठक की जिज्ञासा बनाये रखती है कि आगे क्या होता है। अगर आप भी मेरे जैसे हैं, तो आप भारत के पिछले सौ वर्षों के इतिहास की अपनी समझ या ज्ञान के कारण जो कुछ भी मालूम नहीं है उसकी जानकारी ले सकेंगे। जैसे जैसे आप आगे पढ़ते हैं, उपन्यास की शुरुआत में सुप्रसिद्ध लेखिका अमृता प्रीतम के उद्धरण को भी पूरी तरह से समझते हैं: 'ऐसी कई कहानियाँ हैं जो कागज पर नहीं लिखी गईं; वे महिलाओं के दिमाग और शरीर पर अंकित हैं।' विशेष रूप से, मेरे जमाने के पाठक इसका आनंद उठा सकेंगे। उदाहरण के लिए, मेरी नानी के पास आज़ादी की कहानियों का भरपूर खजाना था, यहाँ तक कि उनके पास महाकाव्यों की कहानियों का भी एक अंतहीन भंडार था। इसके अलावा, सुनाने के लिए मेरी माँ के पास अपनी कहानियाँ भी थीं, उनमें से कई ममहिलाओं के मन और शरीर पर लिखी गईंफथीं। मुझे खासतौर पर उनकी वह बात याद है, जिसमें गांधीजी ने कहा था कि महिलाओं को कभी डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके हाथ में सबसे शक्तिशाली हथियार है: उनकी अपनी रसोई का मिर्च पाउडर।

तीनों बहनों में सबसे बड़ी दीपा को मुस्लिम लीग के एक युवा नेता से प्यार हो जाता है, बीच वाली जामिनी धर्मनिष्ठ और समर्पित है और कांथा सिलने में अपनी मां की सहायता करती है और सबसे छोटी प्रिया अपने पिता की तरह डॉक्टर बनना चाहती है जो एक दुखद सांप्रदायिक हिंसा के शिकार है। अपने अनुभवों से वे सभी सीखती हैं कि स्वतंत्र होने के क्या मायने हैं और इसकी कीमत क्या होती है। यह एक अनुस्मारक है, हमें याद दिलाता है कि जिस स्वतंत्रता को हम हल्के में लेते हैं, बहुत मुश्किल लड़ाई के बाद मिली थी।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

कैंसर रोगियों के लिए कायाकल्प

डीजी अरुण भार्गव ने एक्सेस बार थेरेपी का अनुभव लिया।

रोटरी क्लब मुंबई सायन, रो ई मंडल 3141, और नाना पालकर स्मृति समिति, मुंबई ने 1000 एक्सेस बार सत्रों के माध्यम से कैंसर रोगियों को कायाकल्प प्रदान करने के 54 सप्ताह पूरे कर लिए हैं। एक्सेस बार सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सिर पर हल्के स्पर्श का उपयोग करने वाला एक सौम्य उपचार है, जिससे कैंसर को फायदा होता है। मरीज़ और डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी स्थितियों वाले लोग। ■

चेन्नई में मोबाइल अस्पताल

मोबाइल अस्पताल को चेन्नई के सविता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हरी झंडी दिखाई गई।

एचएसआई ऑटोमोटिव्स और सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज के सहयोग से रोटरी क्लब चेन्नई ग्रीन सिटी, रो ई मंडल 3232 द्वारा चेन्नई के सवेथा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक मोबाइल अस्पताल लॉन्च किया गया। सविता अस्पताल के 50 किमी के दायरे में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ■

बेंगलुरु में डिजिटल साक्षरता पहल

ग्रामीण कर्नाटक के एक स्कूल में एक डिजिटल कक्षा।

रोटरी क्लब बैंगलोर लेकसाइड, रो ई मंडल 3191 ने एचपी इंडिया और एनआईआईटी फाउंडेशन के सहयोग से एचपी-अल्फा परियोजना को लागू किया, जिससे ग्रामीण कर्नाटक के 72 सरकारी स्कूलों को डिजिटल कक्षाएं प्रदान की गईं। इस परियोजना से 40,000 से अधिक छात्रों और 300 शिक्षकों को लाभ होगा। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल विभाजन को कम करना और कक्षा 8-10 में छात्रों को सशक्त बनाना है। ■

इंदौर में वृक्षारोपण अभियान

पौधारोपण स्थल पर क्लब के सदस्य व बीएसएफ जवान।

रोटरी क्लब इंदौर नॉर्थ, रो ई मंडल 3040 ने बीएसएफ अधिकारियों, जवानों, क्लब के सदस्यों और रोटारक्टर्स के साथ इंदौर में बीएसएफ परिसर में 1,000 पेड़ लगाए। क्लब ने पिछले पांच वर्षों में 10,000 से अधिक पेड़ लगाए हैं। ■

रो ई दक्षिण एशिया
कार्यालय से

रोटरी वेबसाइट के माध्यम से नामित फंड-ऑनलाइन देना

दानकर्ता अब अपने मौजूदा नामित अक्षय निधि के लिए *My Rotary* के माध्यम से ऑनलाइन योगदान दे सकते हैं। दानकर्ता अब *My Rotary* के माध्यम से साइन इन करके डोनेट पर क्लिक करके शीर्ष मेनू से नैम्ड फंड का चयन करने के बाद उपहार आईडी दर्ज करके और ''फंड का नाम'' देखने, के लिए ''सर्च'' पर क्लिक करके आसानी से अपना दान कर सकते हैं।

क्लब या क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन दें

सभी क्लब अधिकारी जैसे क्लब अध्यक्ष, क्लब फाउंडेशन अध्यक्ष, सदस्यता अध्यक्ष, कार्यकारी सचिव/निदेशक, सचिव और कोषाध्यक्ष अपने क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से अपने *My Rotary* खाते से अपने क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं, जिससे व्यक्तिगत सदस्यों के चेक भेजने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। हालांकि जहाँ योगदान व्यक्तिगत सदस्यों के नाम से दर्ज होते है वहीं 80G की रसीद पूरी तरह से प्रेषक के रूप में क्लब के नेता के नाम पर उत्पन्न होती है न कि व्यक्तिगत सदस्यों के नाम पर।

इस प्रक्रिया का एक विस्तृत पूर्वाभ्यास यहाँ पर उपलब्ध है *http://www.highroadsolution.com/filešuploader2/files/give_online_on_behalf_of_club_or_club_members_sao.pdf*

2022-23 वार्षिक रिपोर्ट

इस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में हम अपने कुछ सबसे यादगार क्षणों को देखते हैं, परिवर्तन लाने वाले क्लबों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं और दानकर्ताओं से जानते हैं कि वे रोटरी फाउंडेशन में योगदान क्यों करते हैं। *https://www.rotary.org/en/annual-report-2023*

ऐन्यूअल फंड चैलेंज और पॉल हैरिस चैम्पियनशिप पुरस्कार

वार्षिक निधि के लिए समर्थन करने हेतु ज़ोन 4, 5, 6 और 7 में RRFCयों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक निधि चुनौती में शामिल हों। आपका मंडल और क्लब 2024 क्षेत्रीय रोटरी संस्थान में विशेष पुरस्कार अर्जित कर सकता है। मंडलों के पास पॉल हैरिस सोसाइटी के प्रति प्रतिबद्धता दिखाकर प्रतिष्ठित पॉल हैरिस चैम्पियनशिप पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर भी है। वार्षिक निधि चुनौती पुरस्कार योग्यता के लिए समय सीमा **31 जनवरी, 2024** है। अधिक जानकारी के लिए, नीचे दी गई छवि देखें। ■

क्या आपने रोटरी न्यूज़ प्लस पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

हर महीने हम आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन *रोटरी न्यूज़ प्लस* निकालते हैं। यह महीने के मध्य तक **प्रत्येक सदस्यता लेने वाले सदस्य** को भेजा जाता है जिनकी ईमेल आईडी हमारे पास है।

हमारी वेबसाइट *www.rotarynewsonline.org* पर *रोटरी न्यूज़ प्लस* पढ़ें।

हमें शिकायतें मिली हैं कि सभी ग्राहकों को हर महीने *रोटरी न्यूज़ प्लस* का ई-संस्करण नहीं मिल रहा है। लेकिन, **कुल 150,471 ग्राहकों** में से हमारे पास **केवल 99,439** सदस्यों की ईमेल आईडी हैं।

कृपया अपनी ईमेल आईडी को इस प्रारूप में *rotarynews@rosaonline.org* पर अपडेट करें: आपका नाम, क्लब, मंडल और ईमेल आईडी।

Rotary
PEOPLE OF ACTION

बीपीओ के लिए युवाओं को कुशल बनाना

वी मुत्तुकुमारन

बाएं से: रोटरी क्लब बंजारा हिल्स की सचिव नीरजा रामाराव, रो ई मंडल 3150 के डीजी बुसीरेड्डी शंकर रेड्डी, क्लब के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मदासु, डीजीएन (2025-26) राम प्रसाद और रामा राव प्रोजेक्ट उपाधि *के एचआर स्टाफ के साथ।*

कड़ी मेहनत से जीवन में आगे बढ़ने वाले, रोटरी क्लब बंजारा हिल्स के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मदासू, रो ई मंडल 3150 ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट, *उपाधी* (तेलुगु में नौकरियां) को साकार किया। 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से इस परियोजना का उद्देश्य वंचित परिवारों के ऐसे 1,500 युवाओं को कुशल बनाना है जो 12वीं पास हैं मगर उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए।

हैदराबाद की एक बीपीओ फर्म, कॉर्पवन के सीईओ के रूप में मदासू यह जानकर व्यथित थे कि ''तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 12वीं पास हजारों छात्र आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए अपने परिवारों का समर्थन करने के लिए मामूली या कम वेतन वाली नौकरियां करने पर मजबूर हैं,'' वह कहते हैं। अकेले तेलंगाना में लगभग सात लाख छात्र कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं और उनमें से हजारों ऐसे गरीब परिवारों से हैं जो अपने बच्चों के लिए उच्च शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते। जुलाई और दिसंबर के बीच क्लब ने कॉर्पवन ट्रेनिंग अकादमी में कंप्यूटर और संचार कौशल में 1,200 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया। इन सभी को बीपीओ और टेलीमार्केटिंग फर्मों में नौकरी की गारंटी दी गई। अब तक 1,200 प्रशिक्षुओं को नौकरियां मिल गई है और बाकी नौकरी के प्रस्ताव की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

एक महीने में 15-20 बैच, जिनमें से प्रत्येक में 12-15 युवा होते हैं, को आठ पेशेवरों की एक टीम, जिसमें कॉर्पवन का स्टाफ और फ्रीलांस प्रशिक्षकों का मिश्रण शामिल है, द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। ''बीपीओ जॉब ट्रेनिंग छात्रों के लिए नि:शुल्क है। हैदराबाद के अलावा अन्य स्थानों के लोगों के लिए क्लब द्वारा आवास की व्यवस्था की जाती है। लेकिन उन्हें भोजन का ख़र्च उठाना पड़ता है,'' मदासू बताते हैं।

अब तक छह महीनों में इस बीपीओ नौकरी प्रशिक्षण ने अन्य मंडल क्लबों और सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोगों से प्रशंसा प्राप्त की है। इस अध्ययन कार्यक्रम के दो घटक हैं - सप्ताह भर की सिद्धांत कक्षाएं और उसके बाद विभिन्न बीपीओ वर्टिकल के लिए 15 दिनों का ऑन-जॉब प्रशिक्षण।

बीदर के एक प्रशिक्षु, विवेक अपने पिता को खोने के बाद अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। वह अब एक बीपीओ फर्म में कार्यरत है। ''उनके अच्छे वेतन की वजह से उनका परिवार अच्छा जीवन यापन कर रहा है। वह जो पैसा कमा रहे हैं, उससे वह आगे पढ़ना चाहते हैं,'' मदासु कहते हैं।

अपने कठिन जीवन को याद करते हुए मदासू कहते हैं, ''मैंने स्नातक स्तर की पढ़ाई करते हुए एक एंट्री-लेवल बीपीओ की नौकरी से शुरूआत की थी और एक दशक से अधिक की कड़ी मेहनत से अपनी कंपनी के पदानुक्रम में ऊपर उठा। इसलिए चाहे रोटरी *उपाधी* के साथ जारी रहे या न रहें मैं बीपीओ नौकरियों के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करता रहूँगा,'' वह कहते है।

क्लब की निर्वाचित अध्यक्ष अनीता पतिबंदला *प्रोजेक्ट उपाधी* को जारी रखना चाहती हैं।■

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

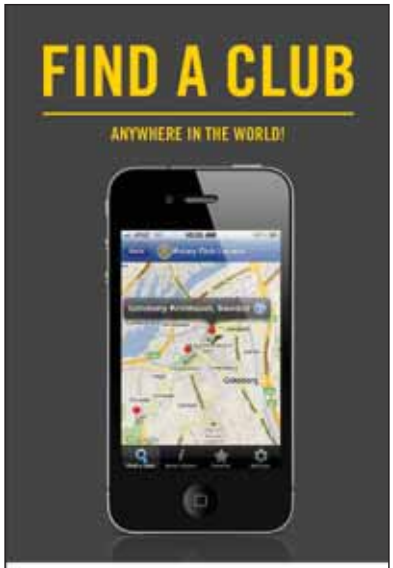

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clublocator

नवंबर 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
			India		
2981	18,316	625	1,000	0	19,941
2982	19,915	644	7,085	4,488	32,133
3000	52,422	290	0	22,918	75,630
3011	88,279	21,483	26,089	163,587	299,437
3012	10,130	50	0	9,346	19,526
3020	84,880	6,369	30,223	40,500	161,972
3030	55,531	27,248	275	143,582	226,637
3040	1,643	108	0	25	1,777
3053	8,495	0	0	12,439	20,934
3055	43,021	1,745	30	6,228	51,025
3056	13,676	100	0	0	13,776
3060	53,599	9,515	200	100,546	163,860
3070	2,995	20	0	0	3,015
3080	22,413	12,773	0	5,357	40,543
3090	32,077	713	0	5,121	37,911
3100	50,941	1,205	25,301	6,203	83,651
3110	3,582	30	0	78,298	81,910
3120	10,067	129	0	0	10,195
3131	283,874	6,514	15,098	383,154	688,640
3132	71,703	2,485	10,000	18,629	102,817
3141	205,758	7,171	59,012	375,046	646,987
3142	226,138	4,771	14,500	116	245,525
3150	27,929	30,478	160,411	73,365	292,183
3160	9,219	1,051	0	0	10,269
3170	48,255	25,712	2,500	70,474	146,941
3181	45,576	1,659	0	50	47,284
3182	18,019	4,452	0	0	22,471
3191	25,327	5,211	60,976	111,416	202,929
3192	27,999	8,761	0	23,943	60,703
3201	56,489	42,778	45,563	946,173	1,091,003
3203	13,592	14,105	1,220	15,550	44,467
3204	9,754	2,511	0	6,561	18,826
3211	28,264	4,236	27,325	84,792	144,617
3212	41,173	17,576	0	38,196	96,945
3231	1,497	1,438	0	0	2,935
3232	23,920	12,170	14,005	788,761	838,855
3240	50,860	7,768	0	5,342	63,970
3250	16,980	2,092	26	10,298	29,395
3261	11,089	269	0	2,989	14,346
3262	15,632	3,682	1,000	2,575	22,889
3291	59,227	2,118	41,646	1,050	104,040
3220 Sri Lanka	26,999	2,476	0	773	30,248
3271 Pakistan	13,781	52,053	0	20,402	86,237
3272 Pakistan	1,342	385	0	25	1,752
3281 Bangladesh	20,709	1,978	2,000	184,226	208,914
3282 Bangladesh	90,461	4,463	1,000	9,116	105,040
3292 Nepal	136,933	19,549	3,000	57,695	217,177

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र और विश्व कोष शामिल हैं।
पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है।
स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब वीरानम लेक सिटी - रो ई मंडल 2981

से नो टू प्लास्टिक अभियान के अंतर्गत पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कपड़े के थैले वितरित किए गए।

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद सैफायर - रो ई मंडल 3012

डीजी प्रियतोष गुप्ता ने क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में एक मैमोग्राफी शिविर का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब मदुरै ब्लॉसम - रो ई मंडल 3000

प्रोजेक्ट लवली लियो के अंतर्गत थिरुप्परनकुनराम में बेघर लोगों को कंबल और चटाई दान किए गए।

रोटरी क्लब नासिक गोदावरी - रो ई मंडल 3030

डीजी आशा वेणुगोपाल की उपस्थिति में दो सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविरों में लगभग 2,000 लड़कियों को टीका लगाया गया।

रोटरी क्लब दिल्ली ओखला सिटी - रो ई मंडल 3011

नोएडा के गेझा गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को रत्ना फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित अभ्यास पुस्तकें दान की गईं।

रोटरी क्लब उज्जैन ग्रेटर - रो ई मंडल 3040

डीजीएन सुशील मल्होत्रा ने सेवा भारती वनवासी बालिका छात्रावास, उज्जैन में एक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया जिससे 60 लड़कियां लाभान्वित होंगी।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब बीकानेर मरूधरा - रो ई मंडल 3053

नेत्र ज्योति कलश अभियान के अंतर्गत टेरेसा चिल्ड्रन एकेडमी में 140 से अधिक बच्चों में नेत्र विकारों की जांच की गई।

रोटरी क्लब नाभा ग्रेटर - रो ई मंडल 3090

नाभा के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीडीजी अमजद अली की उपस्थिति में 365 छात्रों को जर्सी और जूते वितरित किए गए।

रोटरी क्लब जयपुर मिड टाउन - रो ई मंडल 3056

दिवाली पर दक्षिण पश्चिमी सेना कमान, जयपुर में जवानों को मिठाई के 6,000 डिब्बे वितरित किए गए।

रोटरी क्लब कानपुर नॉर्थ - रो ई मंडल 3110

क्लब में रोटेरियन जोड़ों की शादी की सालगिरह पर हैलट अस्पताल में भोजन के पैकेट वितरित किए गए।

रोटरी क्लब शिमला मिडटाउन - रो ई मंडल 3080

शिमला के मंजू और हटनाली गांवों के सरकारी स्कूलों में छत के पंखे लगाए गए।

रोटरी क्लब पुणे प्राइड - रो ई मंडल 3131

छह महीने की एक परियोजना - NAWNI (नवीन पहलों में आत्मनिर्भर महिलाओं का शिक्षण) के माध्यम से तीस महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब अहमदनगर - रो ई मंडल 3132

लगभग 2,000 उम्मीदवारों ने एक रोजगार मेले में भाग लिया जिसमें 57 फर्मों ने भाग लिया। छह अन्य क्लबों के साथ इसे संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब तुमकुर सेंट्रल - रो ई मंडल 3192

क्लब के सदस्यों ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में प्रहलाद राव पार्क, मारुतिनगर की सफाई की।

रोटरी क्लब कोल्हापुर सिटी - रो ई मंडल 3170

दो महिलाओं को क्लब के अध्यक्ष तुषार भूमकर और सूर्यकांत डिंडे द्वारा प्रायोजित सिलाई मशीनें दान की गईं।

रोटरी क्लब कोच्चि यूनाइटेड - रो ई मंडल 3201

क्लब ने सार्वजनिक सेवा में लिप्त व्यक्तियों एवं संस्थानों को मस्माइल अवार्ड्सफ से सम्मानित किया।

रोटरी क्लब पुत्तूर - रो ई मंडल 3181

कोडीपडी गांव की सात लड़कियों को प्रत्येक ₹6,500 की लागत से सिलाई मशीनें दान की गईं।

रोटरी क्लब शिवकाशी डायमंड्स - रो ई मंडल 3212

CSI स्कूल फॉर द डेफ में तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक द्वारा एक शौचालय खंड (₹3 लाख) का उद्घाटन किया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब वनियाम्बडी - रो ई मंडल 3231

अंबरपेट में एक मोची परिवार के लिए ₹30,000 की लागत से एक आश्रय का निर्माण किया गया जिसके लिए क्लब के तीन सदस्यों ने नकद योगदान दिया।

रोटरी क्लब रायपुर - रो ई मंडल 3261

एक स्वास्थ्य शिविर में हियरिंग केयर सेंटर और श्री दानी केयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की टीमों द्वारा 130 से अधिक लड़कियों की जांच की गई।

रोटरी क्लब चेन्नई तिरुवनमियूर - रो ई मंडल 3232

वुमन्स इंडिया एसोसिएशन के साथ साझेदारी में 20 महिलाओं के लिए आरी कढ़ाई पर एक 45 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

रोटरी क्लब भुवनेश्वर मीडोज़ - रो ई मंडल 3262

अवर डॉटर, अवर प्राइड के अंतर्गत वंचित परिवारों की 16 मेधावी लड़कियों को छात्रवृत्ति (प्रत्येक को ₹7,500) दी गई।

रोटरी क्लब बर्दवान साउथ - रो ई मंडल 3240

क्लब के सदस्य नीरज खंडेलवाल की माताजी प्रतिभा ने RILM के TEACH कार्यक्रम के लिए 12,000 दान किए।

रोटरी क्लब कलकत्ता यूनिवर्स - रो ई मंडल 3291

कोलकाता पुलिस अस्पताल के थैलेसीमिक चिल्ड्रन वार्ड में 55 इंच का एक टीवी स्थापित किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

आक्रामक रुख और विचित्र व्यवहार

बात 1992 की है, मैं कलकत्ता से आये अपने सहकर्मी के साथ दिल्ली में किसी से मिलने जा रहा था। हम एक ट्रैफिक सिग्नल के नज़दीक पहुंचे जो अभी-अभी लाल हुआ था और रुक गए। कुछ ही क्षणों में वहाँ करीब 20 कारें और आ गईं और चुपचाप सिग्नल के हरे होने की प्रतीक्षा करने लगीं। ये देख कर मेरा साथी बहुत हैरान हुआ, वो समझ नहीं पा रहा था कि कोई हॉर्न क्यों नहीं बजा रहा। उसने कहा, ''कलकत्ता में जब लाल बत्ती होती है, वहाँ एक कई तरह के वाद्यों का ऑर्केस्ट्रा जैसा बजने लगता है।''

अब बारी मेरे चौंकने की थी मेरे लिए ये बड़े आश्चर्य की बात थी। मैंने ख्वाब में भी नहीं सोचा था कि दिल्लीवाले कभी अनुशासित भी होंगे या कानून का पालन करेंगे। मैंने उसे बताया कि यहां दिल्ली में और यहीं क्यों, पूरे उत्तर भारत में ड्राइवर गलत दिशा में गाड़ी चलाने या वन-वे सड़क पर गलत दिशा में जाने से पहले ज़रा भी नहीं झिझकते, बिलकुल नहीं सोचते थे। ऐसा एक वाकया मेरे साथ शहर के एक पुल पर हुआ था। मैंने अपनी कार गलत दिशा से आ रहे ड्राइवर के सामने रोक दी। वह हिल नहीं सका और गुस्सा भी हुआ था। मैंने उससे रिवर्स करके सही रास्ते पर वापस आने के लिए कहा। वो बोला, 26 साल से मैं गाड़ी चला रहा हूं और आज तक किसी ने मुझे नहीं टोका। मैं अपनी बात पर अड़ा रहा और आखिर उस व्यक्ति को लौटना पड़ा।

यह आक्रामकता अब लगभग पूरे भारत में अपने पैर पसार चुकी है। देश के बाकी हिस्सों में पहले ऐसा नहीं होता था लेकिन इस विशिष्ट स्वरुप को राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता के मद्दे नज़र अब उन्होंने पूरी तरह से अपना लिया है। आपको हर जगह कानून तोड़ते या नियमों के प्रति लापरवाह नज़र आ जाएंगे। उनके नज़रिये से कानून और नियम तो औरों के लिए होते हैं, हमारे लिए नहीं। साधारण शिष्टाचार भी बहुत पीछे छूट गया है। अभी कुछ महीने पहले, मेरी पत्नी को अस्पताल के एक काउंटर पर एक वृद्ध युगल की सहायता के लिए दखल देना पड़ा था जहां उनसे काफी काम उम्र के कुछ लोग पंक्ति तोड़ने की चेष्टा कर रहे थे। जब मेरी पत्नी ने उनसे लाइन में लगने के लिए कहा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें जल्दी ही नज़दीकी फिल्म थिएटर पहुंचना है!

दिल्ली, जहां मैं 1958 से रह रहा हूं, ये साधारण बात है। दूसरों को भले कितनी ही परेशानी हो, पर आगे निकलो। लाइनें तो कमजोरो लोगों के लिए होती हैं। अगर तुम शक्तिशाली हो, तो तोड़ दो उन्हें। यदि कोई विरोध जताता है तो ये मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। यह आक्रामक रुख हर तरह की चीजों में दिख सकती है। एक बार, ट्रेन में चेयर कार में यात्रा करते समय, एक दम्पति ने अपना सूटकेस हमारी सीट के ऊपर सामान रखने वाले स्थान पर रख दिया। वे गलत आदमी से उलझ गए थे, क्योंकि मेरे संभ्रांत तमिल ब्राह्मण नाम के उपरान्त भी, हूँ तो मैं एक दिल्लीवाला ही। मैंने उनके सूटकेस उठाये और उन्हें उनकी सीटों के ऊपर वाली जगह पर रख दिए। उस आदमी ने लड़ने का प्रयास तो किया लेकिन मेरी भाषा ने उसे आश्चर्यचकित कर शांत कर दिया।

कुछ महीने पहले, मेरी पत्नी को अस्पताल के एक काउंटर पर एक वृद्ध युगल की सहायता के लिए दखल देना पड़ा था जहां उनसे काफी काम उम्र के कुछ लोग पंक्ति तोड़ने की चेष्टा कर रहे थे। जब मेरी पत्नी ने उनसे लाइन में लगने के लिए कहा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें जल्दी ही नज़दीकी फिल्म थिएटर पहुंचना है!

मेरे साथ इस तरह का अजीबोगरीब वाकया पहली बार 1960 की शुरुआत में दिल्ली के एक स्कूल में हुआ था। मैं 10 साल का था। हमारी कक्षा गन्ने के खेत देखने के लिए वार्षिक पिकनिक पर गई थी। वो खेत पश्चिमी यूपी में लगभग 50 किमी दूर स्थित था। रास्ते में हमें यमुना नदी पर बने पुराने लोहे के पुल को पार करना था। जैसे ही हम इसे पार करने लगे, तीन बड़े लड़कों ने छोटे छात्रों के लंच बॉक्स छीन कर उन्हें खिड़कियों से बाहर फेंकना शुरू कर दिया। अंततः साथ जा रहे दो शिक्षक उन्हें रोकने में कामयाब रहे, लेकिन इससे पूर्व वे करीब एक दर्जन लंच बॉक्स बाहर फेंक चुके थे।

अब बारी प्रभारी शिक्षकों की थी उन्होंने दोपहर के भोजन के समय उपद्रवी छात्रों से दोपहर का भोजन लिया और उन बच्चों में बाँट दिया जिनके बक्से उन्होंने बाहर फेंके थे। जैसा कि आप सोच सकते हैं, इन तीन शैतानों को ये ज़रा भी अच्छा नहीं लगा। जब हम उस शाम स्कूल लौटे तो हमारे माता-पिता हमें घर ले जाने का इंतज़ार कर रहे थे। वे तीनों लड़के रोने लगे कि शिक्षकों ने उनका खाना छीन लिया था। तो माता-पिता चिल्लाने लगे। कुछ देर बाद जब उन्हें बताया गया कि क्या हुआ था, तो बड़े आराम से वो बोले कि ठीक है, अब लड़के तो लड़के ही रहेंगे ना। कोई डांट-फटकार नहीं, कोई गुस्सा नहीं। बस ठीक है। मुझे कुछ हफ़्ते पहले ही पता चला है कि उनमें से एक को किसी छोटे मोटे अपराध के लिए जेल भेज दिया गया है। मुझे नहीं पता कि बाकी दो का क्या हुआ। शायद राजनीतिज्ञ बन गये होंगे।■

Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.

Excel group
www.excelgroup.co.in

Customer | Service | Quality
FIRST

Excel maritime
Your Global Logistics Partner

In 40-year history of the VOC Port in Tuticorin, Excel Maritime's ground-breaking activity of using the Tug Master to load the longest wind-mill blade (82 mts) and other WTG components for the export movement successfully.

EXCEL GROUP OF COMPANIES

Excel maritime | Excel wires | Excel travels | Excel energy | beats jobs | Zeal fine | MD | Excel Agro | Excel HealthCare

An Entity of
Excel group
www.excelgroup.co.in

CONTACT
Corporate Office
Old No. 52, New No. 8, Dr. BN Road (Opp. Singapore Embassy), Chennai - 17 PH: +91 44 49166999

/excelgroupmmm | www.excelgroup.co.in

ADVT.

Rotary

CREATE HOPE in the WORLD

Project Kalam

" Dreams convert into thoughts and thoughts convert into actions."

APJ Abdul Kalam

A Career Guidance Programme

▪ A Project by Rotary Club of Virudhunagar (RID-3212)

Education becomes more meaningful when the learner realizes its purpose. To today's students, Career Guidance stands as the primary lesson. RID 3212 organizes and presents Project Kalam as an exclusive session for school students to understand the opportunities around, to analyze the scope and to choose the right stream. Mr. Tenzing Paulrajan, Soft Skills Trainer, STEP2SUCCESS, is the key speaker of this Career Guidance Programme. Let's together strive to guide our young generation in the best possible way.

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

Project Kalam

As on December, 2023

No. of Occurrences

67

No. of Beneficiaries

17005

STEP 2 SUCCESS

Do you want to conduct Project Kalam in your town/city/district?
We are waiting to partner with you.

Contact
Project Chairman and Lead Speaker

Rtn.Tenzing Paulrajan
63746 44066

LEKHA ads/Jan 24/ Rotary/2